THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 20 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.5 2083 मंगलवार, 21 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

फैक्ट्री ब्लास्ट-मरने वालों की संख्या 25 हुई

विरुधुनगर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर में रविवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या 25 हो गई है। इनमें 20 लोग एक ही गांव के थे। मरने वालों में 22 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। पुलिस के मुताबिक, कई शव इतने बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

गहनों के आधार पर उन्हें पहचानने की कोशिश की जा रही है। हादसा मुथुमणिक्कम गांव की वनजा फायरवर्क्स यूनिट में हुआ है। फैक्ट्री मालिक फरार है। जिला कलेक्टर वीपी जयसीलन ने बताया कि फैक्ट्री रविवार को बंद रहने के बावजूद बिना अनुमति के चल रही थी। ब्लास्ट केमिकल मिक्स करने वाले शेड में हुआ, जहां करीब 40 मजदूर काम कर रहे थे।

2030 तक 50 बिलियन डॉलर व्यापार का लक्ष्य : पीएम मोदी

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ द्विपक्षीय बैठक

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद दोनों देशों के नेताओं ने अपना संबोधन दिया। दोनों देशों के बीच एमओयू एक्सचेंज हुए। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापार, संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। 2030 तक इसे 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति ली, दोनों देशों के डेलिगेट्स और मीडिया के साथियों नमस्कार। पहली भारत यात्रा पर प्रेसिडेंट ली का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। राष्ट्रपति ली का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। हर चुनौती में उनके भीतर जन सेवा के संकल्प को और सशक्त किया है। भले ही यह उनकी पहली भारत यात्रा हो लेकिन भारत के प्रति उनकी आत्मीयता हमारी पहली मुलाकात से ही स्पष्ट रही है। पीएम मोदी ने कहा, आठ वर्ष बाद कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक मूल्य, मार्केट इकोनॉमी और कानून को लेकर सम्मान हम दोनों देशों के डीएनए में है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी हमारा कॉमन आउटपुट है। इन सबके आधार पर पिछले एक दशक में हमारे संबंध अधिक गतिशील और व्यापक हुए हैं। उनकी यात्रा से हम इस भरोसेमंद साझेदारी को भविष्य की साझेदारी में बदलने जा रहे हैं। हम चिप से लेकर चिप्स, टैलेंट से लेकर तकनीक, पर्यावरण से लेकर ऊर्जा हर क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों को साकार करेंगे और साथ मिलकर दोनों देशों के विकास और समृद्धि सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। 2030 तक इसे 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

दोनों देशों के बीच फाइनेंशियल फ्लो को सुगम बनाने के लिए हमने भारत-कोरिया फाइनेंशियल फोरम की शुरूआत की है। सहयोग को बल देने के लिए हमने एक इंडस्ट्रियल कॉपरेशन कमेटी का गठन किया है। क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने के लिए इकोनॉमिक सिक्योरिटी डायलॉग शुरू कर रहे हैं। हम कोरिया की कंपनी खासकर एसएमई की भारत में एंट्री सहज करने के लिए कोरियन इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा, अगले एक वर्ष के अंदर हम भारत-कोरिया ट्रेड समझौते को अपग्रेड भी करेंगे।

'सुप्रीम कोर्ट में घुसने नहीं देंगे'

✲ पीआईएल की सनक देख भड़के जज ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज से जुड़ी एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि बार बार एक जैसी याचिका दायर कर अदालत का समय बर्बाद न करें। याचिका पिनाकपाणि मोहंती नाम के व्यक्ति ने दाखिल की थी।

याचिका में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भारत की आजादी का मुख्य नायक घोषित करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि यह याचिका सिर्फ पब्लिसिटी पाने का एक जरिया लगती है। कोर्ट कहा कि इसी याचिकाकर्ता ने पहले भी ऐसी ही मांग के साथ याचिका दाखिल की थी जिसे खारिज कर दिया गया था। बार बार एक ही बात कोर्ट में लाने पर बेंच ने नाराजगी जाहिर की। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हुए कहा, सुप्रीम कोर्ट में एंट्री बंद कर देंगे। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पिनाकपाणी मोहंती द्वारा दायर इस याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को चेतावनी दी कि वह कानूनी प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल न करें। बेंच ने रजिस्ट्री को भी निर्देश दिया कि भविष्य में इस याचिकाकर्ता की किसी भी जनहित याचिका को स्वीकार न किया जाए।

याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपुत्र घोषित किया जाए। इसके साथ ही याचिका में कहा गया था कि 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिंद फौज के स्थापना दिवस और 23 जनवरी को नेताजी की जयंती को नेशनल डे यानी राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया जाए। अदालत ने इन सभी मांगों को सुनने के बाद कहा कि इस तरह के मुद्दों पर बार बार याचिका दाखिल करना कोर्ट के समय की बर्बादी है। साल 2024 की शुरूआत में भी इसी याचिकाकर्ता ने लगभग इन्हीं मांगों के साथ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जिसे उस समय भी खारिज कर दिया गया था।

महिला आरक्षण विधेयक पर द्रमुक कांग्रेस माफी मांगे : बाबू

चेन्नई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने द्रमुक और कांग्रेस से महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में हराने के लिए लोगों से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला आरक्षण कोटा लागू करने के कदम को देश के लिए एक प्रगतिशील निर्णय बताया। नायडू ने कहा कि कुछ दल हमेशा सुधारों का विरोध करते रहे हैं और तमिलनाडु के लोगों को उन्हें हराना चाहिए। उन्होंने सत्तारूढ़ द्रमुक पर केंद्र सरकार के सहयोग का लाभ उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया। नायडू ने कहा, मोदी जी ने महिलाओं के लिए जो 33 प्रतिशत कोटा किया है, वह देश के लिए सबसे प्रगतिशील निर्णयों में से एक है। कांग्रेस और द्रमुक ने महिलाओं के साथ अन्याय किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार में दूरदर्शिता की कमी है। विपक्षी गठबंधन ने शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के खिलाफ मतदान किया था। मुख्यमंत्री नायडू 23 अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग के लिए वोट मांगने के लिए तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के साथ विश्वासघात किया गया है।

ऊधमपुर बस हादसा-21 लोगों की मौत 61 घायल

उधमपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर बस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसकी पुष्टि केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को की। साथ ही बताया कि जरूरतमंदों को हर संभव मदद दी जा रही है। केंद्रीय राज्यमंत्री और कठुआ-उधमपुर से लोकसभा के सांसद जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, अब तक 21 लोगों की मौत हुई है और 61 घायल हैं। घायलों को ऊधमपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में एयरलिफ्ट किया जा रहा है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

अमेरिकी कार्रवाई पर भड़का ईरान-ट्रंप को दी चेतावनी

कोई सबक नहीं सीखा तो अब नहीं होगी बातचीत

तेहरान, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। अमेरिका-ईरान के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान ने कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि वह फिलहाल शांति वार्ता में शामिल नहीं होगा। ईरान ने सीधे तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा है कि वॉशिंगटन ने अपने पिछले अनुभवों से कोई सबक नहीं सीखा है और अब इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी तक अमेरिका के साथ अगले दौर की बातचीत को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने अमेरिका पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया और कहा कि एक तरफ वह कूटनीति की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई करता है। बघाई ने कहा कि ऐसे विरोधाभासी कदमों से भरोसा टूटता है और इससे हालात और खराब होंगे। दरअसल, अमेरिका ने होर्मुज के पास ओमान की खाड़ी में एक ईरानी कार्गो जहाज टौस्का को रोककर अपने कब्जे में ले लिया। राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, जहाज को कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। इसके बाद अमेरिकी नौसेना ने जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाकर उसे रोक दिया और मरीन कमांडो ने जहाज को कब्जे में ले लिया।

फ्रीबीज पर रोक की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सुविधाओं यानी 'फ्रीबीज' (मुफ्त योजनाएं) के वादों पर रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि इस मुद्दे से जुड़ी अन्य याचिकाएं पहले से ही उसके पास लंबित हैं, इसलिए वह इस नई याचिका पर अलग से सुनवाई नहीं करेगा। यह याचिका इस आधार पर दायर की गई थी कि चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा सरकारी धन का इस्तेमाल कर मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करना उचित नहीं है और इसे भ्रष्ट आचरण माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस तरह के वादे मतदाताओं को प्रभावित करते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले ऐसे वादों पर सख्ती से रोक लगाए।

नेशनल हेराल्ड केस दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली : 25 मई को अगली तारीख

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी। ट्रायल कोर्ट ने 16 दिसंबर 2025 को सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

ईडी ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 दिसंबर को सोनिया, राहुल समेत अन्य आरोपियों को नोटिस जारी किया था। मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच कर रही है। ईडी ने आरोप लगाया है कि सोनिया, राहुल और अन्य ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की करीब 2000 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कब्जा किया।

तमिलनाडु की रैली में राहुल गांधी बोले

भाजपा के सामने एआईएडीएमके का सरेंडर

चेन्नई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु की सियासत चुनावी उबाल पर है और सत्ता की जंग अब खुली टक्कर में बदल चुकी है। जैसे-जैसे मतदान की घड़ी करीब आ रही है, आरोपों और पलटवार की धार और तेज होती जा रही है। इसी क्रम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कन्याकुमारी की रैली से भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोलते हुए राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया। उन्होंने एआईएडीएमके पर सीधे भाजपा के सामने समर्पण (सरेंडर) करने का आरोप जड़कर सत्ता समीकरणों को चुनौती दी है, जिससे राज्य की राजनीति में नई हलचल मच गई है।

कन्याकुमारी में रैली के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि एआईएडीएमके के नेताओं ने भ्रष्टाचार के कारण भाजपा के सामने समर्पण कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि राज्य में भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एआईएडीएमके का इस्तेमाल कर रही है।

तमिलनाडु पर अपना नियंत्रण चाहता है आरएसएस :

दूसरी ओर अपने संबोधन में राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आरएसएस द्रविड़ विचारधारा को पसंद नहीं करता और तमिलनाडु पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। उनके मुताबिक, तमिलनाडु की पहचान, भाषा और संस्कृति को बचाने के लिए इस विचारधारा को समझना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सीधे तौर पर तमिलनाडु में मजबूत नहीं हो पा रही है, इसलिए वह एआईएडीएमके के जरिए राज्य की राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि आरएसएस और भाजपा को तमिलनाडु में प्रवेश से रोका जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में नफरत और असमानता फैलाने का काम किया जा रहा है और अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाया जा रहा है।

संघीय ढांचे की बात की

इस दौरान राहुल गांधी ने संघीय ढांचे (फेडरल सिस्टम) की बात करते हुए कहा कि हर राज्य को अपनी आवाज और अपने हिसाब से चलने का अधिकार होना चाहिए।

उनके मुताबिक, किसी भी राज्य को वहां के लोग ही चलाएं, लेकिन भाजपा एक देश, एक भाषा, एक परंपरा की सोच रखती है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि तमिलनाडु की सरकार राज्य के लोगों के हाथ में ही रहनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को प्रभावित करने की कोशिश की और इसके बाद एआईएडीएमके नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के जरिए तमिलनाडु को नियंत्रित करने की योजना बनाई गई। अपने संबोधन के अंत में कांग्रेस नेता ने कहा कि डीएमके और कांग्रेस मिलकर तमिल भाषा, संस्कृति और इतिहास की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पासपोर्ट विवाद में घिरे पवन खेड़ा : अग्रिम जमानत की मांग लेकर पहुंचे गौहाटी हाई कोर्ट

गुवाहाटी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने अब असम में दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत (एंटिसिपेटरी बेल) के लिए गौहाटी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पासपोर्ट को लेकर विवाद सामने आया है। दरअसल, पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास एक से ज्यादा पासपोर्ट हैं। इसी बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे का मोदी पर वार बोले-क्या सीएम बनना चाहते हैं?

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बिहार के कूच बिहार में एक रैली के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल दौरे को लेकर सवाल उठाए हैं। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी लंबे समय से पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में व्यस्त हैं और अपने आधिकारिक काम की अनदेखी कर रहे हैं। रैली में खड़गे ने सवाल उठाते हुए कहा 'क्या मोदी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं या प्रधानमंत्री बने रहना चाहते हैं?' उन्होंने कहा कि पीएम के लगातार चुनावी दौरे से सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन बिल को लागू करने की प्रक्रिया को कमजोर किया गया। कूच बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2029 से लागू होना था, लेकिन इसे कमजोर करने का काम किया गया।

सीडीएस जनरल चौहान की पहली आधिकारिक ब्रिटेन यात्रा

ब्रिटेन रक्षा साझेदारी में 'विजन 2035' की ओर बढ़ते कदम

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान भारत और ब्रिटेन के बीच सैन्य प्रशिक्षण, संचालन और रक्षा उद्योग साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए लंदन के दौरे पर हैं। जनरल चौहान तीन-दिवसीय यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे थे। सीडीएस के ब्रिटिश समकक्ष एयर चीफ मार्शल रिचर्ड नाइटन उनकी मेजबानी कर रहे हैं। वह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए ब्रिटेन के वरिष्ठ सैन्य व सरकारी नेतृत्व से भी बातचीत करेंगे।

सीडीएस की लंदन यात्रा पर क्या बोलीं लिंडी कैमरन :

भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने कहा कि यह यात्रा भारत-ब्रिटेन रक्षा साझेदारी में बढ़ते विश्वास और महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। इस दौरान ब्रिटिश रक्षा उद्योग के प्रतिनिधि दोनों देशों के बीच रक्षा सामग्रियों के संयुक्त उत्पादन को गति देने के मकसद से जनरल चौहान से मिलेंगे। जनरल चौहान रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज का दौरा करके विभिन्न देशों के अधिकारियों से भी बातचीत करेंगे।

भारत के सीडीएस की ब्रिटेन की पहली आधिकारिक यात्रा

ब्रिटिश उच्चायोग के रक्षा सलाहकार क्रिस सॉण्डर्स ने कहा कि यह यात्रा रक्षा के सभी क्षेत्रों में हुई प्रगति को दर्शाती है और भविष्य में सहयोग की व्यापक संभावनाओं को उजागर करती है। यह किसी भारतीय सीडीएस की ब्रिटेन की पहली आधिकारिक यात्रा है और इससे पहले दोनों देशों के बीच कई उच्चस्तरीय सैन्य संवाद हो चुके हैं।

भारत और ब्रिटेन ने 'विजन 2035' के तहत 10-वर्षीय रक्षा औद्योगिक रोडमैप भी शुरू किया है, जिसके जरिये रक्षा संबंधों को मजबूत करने और विकास को बढ़ावा देने का लक्ष्य है।

उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से राज्य का दर्जा देने का वादा पूरा करने को कहा, बोले-सरकार रोडमैप पेश करे

जम्मू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा देने का "अधूरा वादा" करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। राजौरी जिले के नौशेरा सीमावर्ती इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

उमर ने विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा। उमर ने कहा क्या हमें आपके वादों को इतना हल्का समझना चाहिए कि आप उन्हें हर जगह दोहराते हैं। अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा (रोडमैप) पेश करे।

ईरान के लारक द्वीप से दूर रहें, फारस की खाड़ी में खड़े भारतीय जहाजों को एडवाइजरी

इंडियन नेवी ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने पश्चिम फारस की खाड़ी में खड़े अपने जहाजों के लिए ताजा एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वे ईरान के होर्मुज स्ट्रेट में लारक आइलैंड के पास न जाएं। एडवाइजरी में भारतीय झंडे वाले जहाजों से साफ कहा गया है कि वह सिर्फ तभी वहां से गुजरने की कोशिश करें, जब उन्हें ऐसा करने का इंडियन नेवी की ओर से निर्देश मिले।

शनिवार को दो भारतीय जहाजों पर होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कोर की ओर से की गई फायरिंग के बाद यह एडवाइजरी जारी की गई है। एक रिपोर्ट में बताया है कि यह एडवाइजरी भारतीय जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जारी की गई है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह भी बताया गया है कि इंडियन नेवी होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने का इंतजार कर रहे सभी भारतीय जहाजों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है।

18 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले

✲ हर चौथा प्रत्याशी है करोड़पति ✲ एडीआर रिपोर्ट का खुलासा

चेन्नई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मामले में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में उतरने वाले उम्मीदवारों को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि, उनकी संपत्ति और शिक्षा से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव लड़ रहे कुल 3992 उम्मीदवारों के हलफनामों की जांच की गई। इनमें से 722 उम्मीदवारों (18 प्रतिशत) ने खुद पर आपराधिक मामले होने की बात कबूल की है। इनमें से 404 उम्मीदवार (10 प्रतिशत) ऐसे हैं, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। अगर साल 2021 के विधानसभा चुनाव से तुलना करें, तो उस समय 13 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले थे और छह प्रतिशत पर गंभीर मामले थे। इस बार इन आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। प्रमुख राजनीतिक दलों की बात करें तो एआईएडीएमके के 170 में से 118 उम्मीदवारों (69 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले हैं। तमिलनाडु वेत्री कड़गम (टीवीके) के 231 में से 92 उम्मीदवारों (40 प्रतिशत) और डीएमके के 175 में से 70 उम्मीदवारों (40 प्रतिशत) पर केस दर्ज हैं। वहीं भाजपा के 33 में से 16 (48 प्रतिशत), कांग्रेस के 28 में से 14 (50 प्रतिशत), पीएमके के 18 में से नौ (50 प्रतिशत), डीएमडीके के 10 में से पांच (50 प्रतिशत), सीपीआई के पांच में से तीन (60 प्रतिशत) और सीपीआई (एम) के पांच में से चार उम्मीदवारों (80 प्रतिशत) ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। वहीं गंभीर आपराधिक मामलों की बात करें तो, एआईएडीएमके के 35 प्रतिशत, टीवीके के 19 प्रतिशत, डीएमके के 18 प्रतिशत, बीजेपी के 27 प्रतिशत, कांग्रेस के 18 प्रतिशत, पीएमके के 33 प्रतिशत, डीएमडीके के 10 प्रतिशत और सीपीआई के 20 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले होने की घोषणा की है। संपत्ति के मामले में भी उम्मीदवार काफी आगे हैं। रिपोर्ट बताती है कि कुल उम्मीदवार में से 981 उम्मीदवार (25 प्रतिशत) करोड़पति हैं।

इनमें से 22 उम्मीदवार (0.55 प्रतिशत) ऐसे हैं जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। 100 करोड़ से अधिक संपत्ति वाले उम्मीदवारों में कांग्रेस के सात प्रतिशत, डीएमके के चार प्रतिशत, एआईएडीएमके के दो प्रतिशत और टीवीके के तीन प्रतिशत उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं करोड़पति उम्मीदवारों की संख्या पार्टियों में बहुत ज्यादा है।

भारत में कोरिया के राजकीय मेहमानों का भव्य स्वागत

तस्वीरों में दिखी देश की संस्कृति; पीएम-राष्ट्रपति रहे मौजूद

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत दौरे पर आए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यूंग का राजधानी दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान देश की संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। राष्ट्रपति ली अपनी पत्नी किम ही क्यूंग के साथ तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे हैं।

हैदराबाद हाउस में अहम बैठक

सोमवार को राष्ट्रपति ली और पीएम मोदी के बीच हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने पौधारोपण भी किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह दौरा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। राष्ट्रपति ली ने एक इंटरव्यू में कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो रही है। ऐसे में समुद्री मार्गों की सुरक्षा दोनों देशों के लिए जरूरी है।

द्विपक्षीय वार्ता के बाद, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ली के सम्मान में एक दोपहर के भोजन का आयोजन करेंगे।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रपति ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे, जो राष्ट्रपति भवन में उनके सम्मान में एक राजकीय भोज की मेजबानी करेंगी।

यह यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा भविष्य में सहयोग के नए रास्ते खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में उनका स्वागत किया। इस दौरान पारंपरिक परिधानों में सजे बच्चों ने दोनों देशों के झंडे लहराकर मेहमानों का अभिवादन किया। अपनी यात्रा के दूसरे दिन, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्यूंग, अपनी पत्नी प्रथम महिला किम ही क्यूंग के साथ, नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति और प्रथम महिला ने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बदरीनाथ धाम की यात्रा को लेकर अलर्ट मोड पर पुलिस

सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद एटीएस भी तैनात

चमोली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बदरीनाथ धाम मंदिर के कपाट 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। ऐसे में यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए चमोली पुलिस अलर्ट मोड पर है। यात्रा के सुचारू व सुरक्षित संचालन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

धाम क्षेत्र में संभावित भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए बहु-स्तरीय सुरक्षा प्लान लागू किया गया है। सभी प्रवेश मार्गों, प्रमुख स्थलों व संवेदनशील क्षेत्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है तथा नियमित चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। सबसे अहम, आतंकवादी निरोध दस्ता (एटीएस) ने मोर्चा संभाल लिया है।

एमपी-राजस्थान समेत 7 राज्यों में लगातार चौथे दिन लू चली

यूपी-ओडिशा में रातें भी गर्म; कोटा में तपती सड़कों पर पानी का छिड़काव

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का असर जारी है। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ में लगातार चौथे दिन लू का कहर देखने मिल रहा है। यहां कई जिलों में पारा 40°C के पार पहुंच चुका है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तापमान 44.6 और मध्य प्रदेश के नौगांव में पारा 44.3 डिग्री रहा। हालांकि महाराष्ट्र के अकोला और वर्धा में तापमान सबसे ज्यादा 45°C रिकॉर्ड किया गया। ये दोनों शहर रविवार को देश के सबसे गर्म शहर रहे। राजस्थान के कोटा में दिन का तापमान 42 डिग्री रहा। तपती सड़कों को ठंडा करने के लिए नगर निगम ने टैंकरों से पानी का छिड़काव करवाया। इधर, जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में बारिश, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण मुगल रोड, श्रीनगर-कारगिल रोड और बांदीपोरा-गुरेज रोड समेत कई सड़कें बंद हैं। वहीं, अरुणाचल, असम, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के 7 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। गुवाहाटी में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया है।

उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की दो-दिवसीय यात्रा

> तमिल परिवारों के लिए 50,000 घरों का उपहार

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपनी दो दिवसीय श्रीलंका यात्रा के दौरान आज नुवारा एलिया के केंद्रीय चाय बागान जिले में भारत की सहायता से निर्मित घरों के भारतीय मूल के तमिल लाभार्थियों से मुलाकात की। यह किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली यात्रा है। उन्होंने इस दौरान भारत सरकार और लोगों की श्रीलंका में तमिल समुदाय के कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दोहराई। राधाकृष्णन ने इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।

उपराष्ट्रपति ने बताया कि भारत सरकार ने अब तक श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों के साथ-साथ बागान क्षेत्रों में भारतीय मूल के तमिल परिवारों के लिए 50,000 घर उपलब्ध कराए हैं। भारतीय आवास परियोजना के चौथे चरण के तहत 10,000 और घर दिए जाएंगे। इस परियोजना की कुल प्रतिबद्धता लगभग 1,835 करोड़ रुपये है और यह श्रीलंका में भारत की सबसे बड़ी अनुदान सहायता परियोजना है।

प्रवासी नागरिक कार्ड को बढ़ाने की घोषणा

उन्होंने भारतीय मूल के तमिलों के साथ बातचीत के दौरान प्रवासी नागरिक कार्ड (ओसीसी) को पांचवीं और छठी पीढ़ी के प्रवासियों तक बढ़ाने की घोषणा की, जो पहले केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित था। इसके अतिरिक्त, सीलोन एस्टेट वर्कर्स एजुकेशन ट्रस्ट छात्रवृत्ति योजना में भी वृद्धि की गई है, जिसके तहत छात्रवृत्तियों की संख्या 350 से दोगुनी कर 700 की जा रही है। मासिक वजीफा भी ए-लेवल के छात्रों के लिए 2,500 एलकेआर और उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए 7,500 एलकेआर तक बढ़ाया जा रहा है।

आवास परियोजना का तीसरा चरण भारतीय आवास परियोजना के तीसरे चरण के तहत 4,000 घरों में से 3,855 इकाइयां पहले ही सौंपी जा चुकी थीं। इस यात्रा के दौरान शेष 145 इकाइयां पूरी कर सौंप दी गईं, जो परियोजना में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह चरण श्रीलंका के मध्य, ऊवा और दक्षिणी प्रांतों के बागान क्षेत्रों में एस्टेट श्रमिकों के लिए घरों का निर्माण करता है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है। चौथे चरण में 10,000 घरों पर काम जारी है।

द्विपक्षीय सहयोग पर बैठकें

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने रविवार को प्रधानमंत्री हरिनी अमारासुरिया से मुलाकात की और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। इस दौरान सीलोन एस्टेट वर्कर्स एजुकेशन ट्रस्ट छात्रवृत्ति योजना में वृद्धि की घोषणा की गई थी।

'छोटी मछली गिरफ्तार, शार्क अभी भी आजाद'

डीजीसीए अधिकारी की गिरफ्तारी पर रोहित पवार ने उठाया सवाल

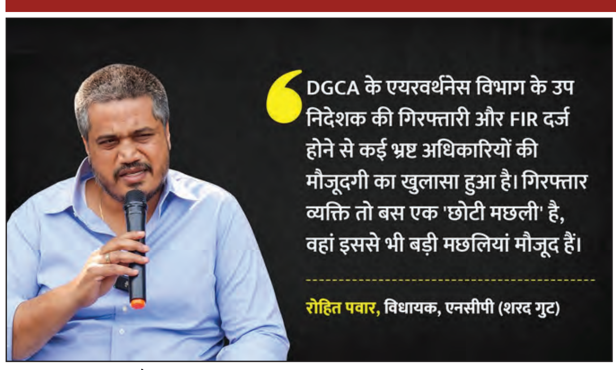

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक रोहित पवार ने अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी पर सवाल उठाया है। रोहित पवार ने सोमवार को दावा किया कि सीबीआई द्वारा नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एयरवर्थनेस विभाग के उप निदेशक की गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज होने से कई भ्रष्ट अधिकारियों की मौजूदगी का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार किया गया व्यक्ति तो बस एक 'छोटी मछली' है, इस संगठन में इससे भी कहीं बड़ी 'मछलियां' मौजूद हैं।

हमारे दावे सच साबित

रोहित पवार ने एक्स पोस्ट में कहा, 'सीबीआई ने डीजीसीए के एयरवर्थनेस डिपार्टमेंट के डिप्टी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है और एफआईआर भी दर्ज की गई है। हम बार-बार यह बात उठाते रहे हैं कि डीजीसीए में कई भ्रष्ट अधिकारी मौजूद हैं, और इस घटना ने हमारी बात को सच साबित कर दिया है। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, वह तो बस एक 'छोटी मछली' है। इस संगठन में तो इससे भी कहीं ज्यादा बड़ी मछलियां मौजूद हैं।'

जांच सीबीआई को सौंपने की गुजारिश किए हुए दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन सीबीआई ने अभी तक इस मामले को अपने हाथ में नहीं लिया है। वहीं दूसरी तरफ सीबीआई ने इस मामले में अपनी तरफ से कार्रवाई कर रही है, जो कि काफी अहम बात है। हो सकता है कि यह टीडीपी सरकार के लिए कोई परोक्ष संदेश या चेतावनी रही हो। शायद यही वजह है कि टीडीपी ने क्षेत्रीय भावनाओं को दरकिनार करते हुए परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार के आदेशों का पूरी सख्ती से पालन किया है।'

अनंतनाग में नशा तस्करी पर बड़ा प्रहार

छह आरोपी गिरफ्तार, तीन एफआईआर दर्ज, चरस और ब्राउन शुगर बरामद

श्रीनगर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते अनंतनाग पुलिस ने तीन अलग-अलग ऑपरेशनों में छह लोगों को गिरफ्तार किया।

इनके कब्जे से 3.7 किलो से ज्यादा नशीला पदार्थ और 10,450 रुपये जब्त किए गए। अधिकारियों के अनुसार डांटर में नाका चेकिंग के दौरान अनंतनाग शहर की ओर आ रहे चार लोगों की तलाशी में 3.178 किलो गांजा और 10,450 रुपये बरामद हुए। आरोपियों शब्बीर कयूम निवासी चीनी चौक अनंतनाग, जाहिद मंजूर निवासी हसनपोरा बाग और फैजान लोन निवासी मीर-डांटर अनंतनाग को काबू कर लिया गया। एक अन्य आरोपी गौहर रेशी निवासी डांटर भाग निकला। प्राथमिकी दर्ज की गई है। मरहामा क्रॉसिंग पर नाका चेकिंग के दौरान पीपी संगम की टीम ने कार को रोका। गाड़ी की तलाशी में 3.29 ग्राम ब्राउन शुगर और 7.88 ग्राम चरस बरामद हुई। इसमें सवार मो. तुफैल हाजम और मुश्ताक अहमद खांडे दोनों निवासी बडीपोरा चदूरा को गिरफ्तार कर लिया गया। दूधनाद वाघामा में नाका चेकिंग के दौरान जावेद अहमद मंटू निवासी वाघामा बिजबिहाड़ा को पकड़ा गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर मुंबई निवासी को धमकाने का आरोप

वर्षा गायकवाड़ ने सरकार को घेरा

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने महाराष्ट्र गृहनिर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजीव जायसवाल पर एक मुंबई निवासी को धमकाने का गंभीर आरोप लगाया है। यह घटना गोरेगांव (पश्चिम) के मोतीलाल नगर में एक पुनर्विकास परियोजना की प्रस्तुति के दौरान हुई, जहां जायसवाल ने एक प्रदर्शनकारी को कथित तौर पर घूसखोर कहा और पुलिस को उसका पहचान पत्र जांचने का निर्देश दिया।

गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि यह भूमि अधिग्रहण और पुनर्विकास योजनाओं के खिलाफ विरोध करने वाले निवासियों को डराने-धमकाने का हिस्सा है, खासकर जब परियोजनाएं अडानी समूह से जुड़ी हों। भाजपा विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर ने भी जायसवाल के व्यवहार को अनुचित बताया और उनसे माफी मांगने की मांग की। गायकवाड़ की यह प्रतिक्रिया एक वीडियो सामने आने के बाद आई। यह घटना जायसवाल की उपस्थिति में मोतीलाल नगर पुनर्विकास परियोजना की प्रस्तुति के दौरान हुई। गायकवाड़ ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि अधिकारियों का इस्तेमाल निवासियों को डराने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, एक बार जब कोई परियोजना अडानी के पास चली जाती है, तो नागरिक अपने सभी लोकतांत्रिक अधिकार खो देते हैं और विरोध भी नहीं कर सकते। अडानी समूह म्हाडा के साथ मिलकर 143 एकड़ में फैले मोतीलाल नगर का पुनर्विकास कर रहा है।

गायकवाड़ ने धारावी पुनर्विकास परियोजना से जुड़े सर्वेक्षणों के दौरान भी इसी तरह की धमकियों का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस कर्मियों ने विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले निवासियों को धमकाया और शाहू नगर के एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ अभद्र व्यवहार किया।

भाजपा नेता ने भी की निंदा

भाजपा एमएलसी प्रवीण दरेकर ने भी जायसवाल के व्यवहार पर आपत्ति जताई। उन्होंने रविवार को पत्रकारों से कहा, अधिकारी की भाषा अनुचित थी। उन्हें निवासियों से माफी मांगनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शनकारी उन कुछ निवासियों में से था जो पुनर्विकास में उनके लिए स्वीकृत क्षेत्र को 1,600 वर्ग फुट से बढ़ाकर 2,400 वर्ग फुट करने की मांग कर रहे थे। हालांकि, जायसवाल के जाने के बाद, कुछ अन्य निवासी मंच पर आए और कहा कि वे पुनर्विकास का समर्थन करते हैं और विरोध करने वालों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए।

बच्ची को फंदे से लटकाकर दंपती ने दी जान

'हम खुदकुशी कर रहे, मां को संभाल लेना'; रिश्तेदार को भेजा मैसेज

कुरुक्षेत्र, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। शहर के प्रेम नगर इलाके से आई एक बेहद दुखद घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। एक पति, पत्नी और उनकी तीन साल की मासूम बेटी का शव पहली मंजिल पर बने एक कमरे में फंदे पर लटका मिला। इस हृदयविदारक घटना ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, परिवार द्वारा उठाए गए इस खौफनाक कदम का कारण बच्ची का गंभीर रूप से बीमार होना और उससे उपजी निराशा बताई जा रही है। इस भयावह घटना का खुलासा तब हुआ जब मृतक जितेंद्र ने अपने एक करीबी रिश्तेदार को एक टेक्स्ट मैसेज भेजा। इस मैसेज में उन्होंने आत्महत्या करने की बात का उल्लेख किया था और अपनी मां को संभालने की गुहार लगाई थी। साथ ही, उन्होंने कमरे की चाबी कहां रखी है, इसकी जानकारी भी साझा की थी। यह मैसेज सुबह करीब 5:30 बजे भेजा गया था, जिसे जितेंद्र ने टाइम शेड्यूल पर सेट किया हुआ था। यह दर्शाता है कि यह कदम उठाने से पहले उन्होंने पूरी योजना बनाई थी। इस संदेश के मिलते ही रिश्तेदार के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही कृष्ण गेट एसएचओ बलजीत सिंह और डीएसपी सुनील कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जब कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर का दृश्य अत्यंत विचलित करने वाला था।

खबरें जरा हटके

यहां आज भी है 'पांचाली' प्रथा, सभी भाइयों से एक ही लड़की करती है शादी

महाभारत में द्रौपदी को परिस्थितिवश पांचों पांडवों से शादी करनी पड़ी थी. आपको जानकार हैरानी होगी कि यह प्रथा दुनिया के कई हिस्सों में आज भी बदस्तूर जारी है. दुनिया में कई ऐसे समुदाय हैं, जहां पर सभी भाइयों की शादी एक ही लड़की से की जाती है. शादी के बाद यह लड़की सभी भाइयों की पत्नी की तरह रहती है और उन सभी से उसके बच्चे भी होते हैं. जी हां, उत्तर-पश्चिमी हिमालयी इलाके में ऐसा ही समुदाय रहता है, जिसमें 'भ्रातृ बहुपतित्व' के नाम से आज भी 'पांचाली' प्रथा जिंदा है. इस समुदाय को नेपाल में 'न्यिनबा' के नाम से पहचाना जाता है. रिपोर्ट्स के अनुसार, न्यिनबा नामक यह समुदाय नेपाल के हुमला जिले के दूरदराज इलाकों में रहते है. इस समुदाय का जिन चार गांवों में प्रभुत्व है, उसमें बरगांव, निमतांग, तोरपा और बुराउसे गांव शामिल है. न्यिनबा समुदाय के इन चारों गांव में रहने वाले लोगों को 'न्यिन युल त्शान जी' कहा जाता है. 'न्यिन युल त्शान जी' का मतलब है धूप वाली ढलान पर बसे चार गांव. ये चारों गांव समुद्र तल से करीब 2,550 से 3,300 मीटर की ऊंचाई पर बसे हैं. इसके अलावा, इन गावों को करनाली व दोजाम नदियों ने घेर रखा है. कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के चलते यहां पर जीवन बेहद चुनौतीपूर्ण है.

आज भी 'पांचाली' प्रथा जारी रहने की यह है बड़ी वजह

न्यिनबा समुदाय जिन चार गांवों में रहते है, वहां खेती के लिए जमीन बेहद सीमित है. साथ ही, यहां का मौसम खेती को बेहद चुनौतीपूर्ण बना देता है. बताया जाता है कि इन चारों गांवों की चुनौतीपूर्ण जीवन शैली के चलते इस अनोखी शादी प्रथा का जन्म हुआ. इस समुदाय का मानना है कि अगर हर भाई अलग-अलग शादी करेगा, तो संपत्ति का बंटवारा भी होगा. ऐसे में, जमीन छोटे-छोटे हिस्सों में बंट जाएगी, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है. इसलिए एक ही लड़की से सभी भाइयों की शादी कर संपत्ति को संयुक्त रखा जा सकता है.

एक फैक्ट्री के लिए बनाना पड़ा था पूरा का पूरा रेलवे स्टेशन! मजदूरों को दी गई थी सुविधा

आज बना शहर की पहचान

भारत में रेलवे सिस्टम लोगों के लिए बनाया गया है. हर दिन लाखों लोग यात्रा करते हैं. एक कोने से दूसरे कोने तक जाने के लिए इंडियन रेलवे लाइफलाइन की तरह काम करता है. वैसे तो रेलवे स्टेशन का निर्माण शहर के लोगों की सुविधा के लिए किया जाता है लेकिन झारखंड की राजधानी स्थित हटिया रेलवे स्टेशन का निर्माण एक फैक्ट्री के कारण किया गया था. भारतीय रेलवे आमतौर पर शहरों की जनता की सुविधा के लिए स्टेशन बनाता है, लेकिन झारखंड की राजधानी रांची के हटिया रेलवे स्टेशन की कहानी इससे बिल्कुल अलग है. इसे खासतौर पर एक बड़ी फैक्ट्री के हजारों मजदूरों की सुविधा के लिए बनाया गया था.

आज यह स्टेशन ना सिर्फ रांची का महत्वपूर्ण ट्रांसपोर्ट हब है बल्कि शहर की औद्योगिक विरासत की भी पहचान बन चुका है. हटिया रेलवे स्टेशन (स्टेशन कोड –एचटीई) हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के ठीक पास स्थित है. ये भारत का ऐसा रेलवे स्टेशन है, जिसे एक फैक्ट्री के कारण बनाया गया था. आज हम इसका इतिहास आपको बताते हैं। 1950 के दशक में जब केंद्र सरकार ने रांची में हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन की स्थापना की तो यहां हजारों इंजीनियर, टेक्नीशियन और मजदूर काम करने लगे. सोवियत संघ की मदद से बनी यह फैक्ट्री स्टील, कोयला, खनन और भारी मशीनरी बनाने का बड़ा केंद्र थी. फैक्ट्री में काम करने वाले ज्यादातर मजदूर दूर-दूर से आते थे, जिसमें बिहार, झारखंड, ओडिशा और अन्य राज्यों से आने वाले मजदूर शामिल है.

कहां है दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर कैसे पहुंचती हैं यहां चिट्ठियां?

बहुत कम लोगों को होगी जानकारी

स्मार्टफोन और इंटरनेट के दौर में अक्सर लगता है कि चिट्ठियों का जमाना खत्म हो गया है. लेकिन सच यह है कि आज भी देश के कई दूर-दराज इलाकों में चिट्ठियां ही अपनों का हाल जानने का सबसे भरोसेमंद जरिया हैं. जहां नेटवर्क ठीक से नहीं पहुंचता, वहां कागज पर लिखे शब्द ही रिश्तों को जोड़कर रखते हैं. क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर कहां है? आइए जानते हैं.

स्मार्टफोन और इंटरनेट के इस दौर में हमेशा हमारे दिमाग में एक सवाल आता है कि अब चिट्ठियां कौन भेजता है? लेकिन सच ये है कि आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज इलाकों में चिट्ठियां ही अपनों का हालचाल जानने का सबसे भरोसेमंद जरिया हैं. पहाड़ों और गांवों में जहां नेटवर्क अभी भी ठीक से नहीं आता है, वहां कागज पर लिखे शब्द ही रिश्तों को जोड़कर रखते हैं. यही वजह है कि चिट्ठियों की अहमियत आज भी खत्म नहीं हुई है. दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर हिमाचल प्रदेश के स्पीति में हिक्किम नाम के गांव में स्थित है. समुद्र तल से 14567 फीट यानी 4440 मीटर की ऊंचाई पर जहां सांस लेने के लिए भी मेहनत करनी पड़ती है, वहां यह डाकघर 1983 से कठोर मौसम और मुश्किल रास्तों के बावजूद आसपास के दूर-दराज गांवों तक चिट्ठियां पहुंचा रहा है. बर्फीली हवाओं और कम ऑक्सीजन के बीच भी यहां से निकलने वाली हर चिट्ठी लोगों के दिलों को जोड़ने का काम करती है. हिक्किम और उसके आसपास के गांवों में संचार का मुख्य साधन आज भी चिट्ठियां ही हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026

मेरा हैदराबाद

सुविचार: इंसान की संपति ना दौलत है ना ही धन है, उसकी संपति तो उसका हंसता हुआ परिवार और संतुष्ट मन है!

कालेश्वरम घोटाले में दोषियों को नहीं छोड़ेंगे : रेवंत रेड्डी

कालेश्वरम मंदिर के पुनर्विकास की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)9। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कालेश्वरम परियोजना को लेकर पूर्व सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इसमें हुई अनियमितताओं की जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी और परियोजना की मरम्मत कर किसानों को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में जलागम वेंगला राव ने गोदावरी जल के उपयोग को लेकर महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ समझौता किया था। इसके बाद वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल में 2009 में 38,063 करोड़ रुपये की लागत से प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना शुरू की गई, जिस पर 11,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि के. चंद्रशेखर राव ने प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को पुनः डिज़ाइन के नाम पर बदलकर उसकी लागत बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये कर दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016 में शुरू हुई मेडिगड्डा बैराज को 2019 में पूरा बताकर उद्घाटन किया गया और इसे अद्भुत परियोजना बताकर 2018 चुनाव में राजनीतिक लाभ लिया गया, जबकि 2023 में यह ढह गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना में आई खामियों को छिपाने की कोशिश की गई, लेकिन सच्चाई सामने आ गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने 1 नवंबर 2023 को प्रारंभिक रिपोर्ट दी थी, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं पी.सी. घोष समिति ने भी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं द्वारा पहले जांच की मांग करने के बावजूद केंद्र सरकार इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना से अब तक एक लाख एकड़ भूमि को भी पानी नहीं मिल पाया। उनकी सरकार इस परियोजना की मरम्मत कर इसे उपयोगी बनाएगी। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों और अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। >>14

मेडिगड्डा बैराज का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

विशेषज्ञ जांच के बाद ही होंगे मरम्मत कार्य

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को मेडिगड्डा बैराज का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, श्रीधर बाबू, अनिल जैन तथा वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बैराज के पिलर संख्या 20, 21 और 22 पर चल रहे जियोटेक्निकल, जियोफिजिकल और जीपीआर (ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार) परीक्षणों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि 520 बोर रिग्स के माध्यम से सैंपल एकत्र किए जा रहे हैं, जिन्हें परीक्षण के लिए केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान स्टेशन भेजा जाएगा। लैब में जांच के बाद बैराज को हुए नुकसान की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सीकेंट पाइल्स से संबंधित पैरेलल क्रॉस-होल सिस्मिक टेस्ट के बारे में भी जानकारी दी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों में आई खामियों को लेकर अब स्पष्टता आ रही है। उन्होंने कहा कि समस्या को समझना ही आधा समाधान है और पूरी स्थिति का आकलन करने के बाद ही मरम्मत कार्य शुरू किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एकत्रित सैंपलों की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जाए। साथ ही सभी कार्य राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किए जाएं और प्रत्येक चरण में एनडीएसए की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

सरकार किसानों की परेशानियों के प्रति संवेदनशील नहीं : केसीआर

सरकार आते ही पहले हाइड्रा का खात्मा करेंगे

नदी का विकास जरूरी है, लेकिन लोगों के घर उजाड़कर नहीं

वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी को महासचिव नियुक्त करने की घोषणा

जगित्याला/हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव (केसीआर) ने जगित्याला में आयोजित एक विशाल जनसभा में कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए राज्य की मौजूदा प्रशासनिक स्थिति को लेकर तीखी आलोचना की। अपने खास अंदाज में विरोधियों द्वारा उनकी मृत्यु की कामना पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वे ऐसे श्रापों से डरने वाले नहीं हैं और अभी उनका राजनीतिक संघर्ष जारी रहेगा। तेलंगाना आंदोलन की याद दिलाते हुए केसीआर ने कहा, एक समय था जब विधानसभा में 'तेलंगाना' शब्द का उच्चारण तक वर्जित था। बशीर बाग़ की घटना में किसानों की मौत ने मुझे झकझोर दिया था। उसी समय मैंने पार्टी छोड़ दी और यह संकल्प लिया कि तेलंगाना राज्य बनाकर रहूंगा। मैं मौत को गले लगाने निकला था, लेकिन राज्य हासिल कर वापस आया। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग उनकी मृत्यु की कामना कर रहे हैं, लेकिन वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। सभा के दौरान केसीआर ने राज्य में बिजली संकट को लेकर भी कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सवाल किया, जब हम सत्ता में थे, तब बिजली व्यवस्था सुचारू थी। अब ऐसा क्या हो गया कि लोग अंधेरे में भटक रहे हैं? 20 हजार मेगावाट उत्पादन क्षमता वाले राज्य में यह स्थिति क्यों? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव के समय दी गई उनकी चेतावनी अब सच साबित हो रही है। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि 'रैतू बंधु' जैसी योजनाओं के भुगतान में देरी हो रही है और सरकार किसानों की परेशानियों के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने मिशन भागीरथ योजना में आ रही बाधाओं पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि हर घर तक पानी नहीं पहुंच रहा है, तो इसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। इस मौके पर केसीआर ने वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी को बीआरएस में शामिल करते हुए उन्हें पार्टी का राज्य महासचिव नियुक्त करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, जीवन रेड्डी और मेरी 40 साल पुरानी दोस्ती है। मतभेदों के बावजूद हम एक-दूसरे का सम्मान करते रहे हैं।

उनका दिल बड़ा है और वे तेलंगाना के हित में हमारे साथ आए हैं। केसीआर ने उन्हें जगित्याला के साथ-साथ पुराने करीमनगर, निजामाबाद और आदिलाबाद जिलों की जिम्मेदारी भी सौंपी। अपने संबोधन में केसीआर ने अप्रत्यक्ष रूप से रेवंत रेड्डी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शासन का अनुभव

न होने के कारण जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कल्याणकारी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही जीवन रेड्डी विधायक चुनाव हार गए हों, लेकिन जनता ने उन्हें एमएलसी बनाकर अपना विश्वास जताया है। केसीआर ने जनसभा में ऐलान किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में लौटते ही उनकी पार्टी पहले ही हस्ताक्षर के साथ 'हाइड्रा' पहल को समाप्त कर देगी और उसे पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

केसीआर ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान राज्य में करीब 46 हजार तालाबों का पुनरुद्धार किया गया था, लेकिन एक भी झोपड़ी नहीं तोड़ी गई। उन्होंने मौजूदा सरकार पर आरोप लगाया कि वह मुसी नदी के किनारे रहने वाले गरीबों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा, सरकार मुसी विकास परियोजना के नाम पर 15 हजार घरों को गिराने की बात कर रही है। क्या यह न्यायसंगत है? नदी का विकास जरूरी है, लेकिन लोगों के घर उजाड़कर नहीं। यह पूरा प्रयास रियल एस्टेट के लिए जमीन हथियाने जैसा प्रतीत होता है।

सभा के अंत में पूरा मैदान जयकारों और नारों से गूंज उठा। केसीआर की सक्रियता से बीआरएस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखा जा रहा है और इसे आगामी चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे को जनसंपर्क क्षेत्र में तीन प्रतिष्ठित सम्मान

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए तीन महत्वपूर्ण सम्मानों से सम्मानित किया गया है। ये सम्मान भारत की जनसंपर्क संस्था हैदराबाद शाखा द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह में प्रदान किए गए। यह सम्मान 19 अप्रैल 2026 को आयोजित चौथे तेलंगाना जनसंपर्क सम्मेलन के दौरान दिए गए, जिसकी विषयवस्तु तेलंगाना उत्कर्ष 2047: संचार, नवाचार और सशक्तिकरण रही। दक्षिण मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग को समाचार माध्यम संबंध में प्रथम स्थान, आपदा संचार प्रबंधन में प्रथम स्थान, सामाजिक माध्यम संचार में द्वितीय स्थान की श्रेणियों में सम्मान प्राप्त हुए है। कार्यक्रम में सम्मान प्रदान करने वालों में के. श्रीनिवास रेड्डी, के. नागेश्वर तथा चि. प्रियंका शामिल थीं। इन सम्मानों को दक्षिण मध्य रेलवे की ओर से मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी एम. प्रदीप कुमार तथा जनसंपर्क अधिकारी के. राजेश ने प्राप्त किया। जनसंपर्क विभाग समाचार पत्रों और दूरदर्शन माध्यमों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखता है। संवाददाता सम्मेलन, भ्रमण और नियमित संपर्क के माध्यम से रेलवे की उपलब्धियों और सेवाओं की जानकारी जनता तक सटीक रूप से पहुंचाई जाती है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास बढ़ता है। पटरी क्षति, बाढ़, चक्रवात या त्योहारों के समय बढ़ी भीड़ जैसी परिस्थितियों में विभाग त्वरित सूचना उपलब्ध कराता है। रेलगाड़ियों के संचालन, रद्दीकरण, मार्ग परिवर्तन और बहाली कार्यों की जानकारी समय पर जारी की जाती है। दक्षिण मध्य रेलवे विभिन्न सामाजिक माध्यमों के जरिए रेल संचालन, आधारभूत संरचना विकास, माल परिवहन सेवाओं और नवाचारों की जानकारी साझा करता है। साथ ही ई-पत्र और संदेश समूहों के माध्यम से भी नियमित सूचनाएं प्रसारित की जाती हैं। सम्मानों से दक्षिण मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग की कार्यकुशलता और सूचना प्रबंधन में उत्कृष्टता एक बार फिर प्रमाणित हुई है।

अपार्टमेंट में भीषण आग, 15 बाइक जलकर खाक

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को गच्चीबोवली स्थित टीएनजीओ कॉलोनी के एक अपार्टमेंट में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के समय इमारत में रह रहे लोगों में दहशत फैल गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि दम घुटने से दो लोगों की तबीयत बिगड़ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग तहखाने में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। देखते ही देखते घना धुआं पूरी बिल्डिंग में फैल गया, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। टीम ने ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस हादसे में तहखाने में खड़ी करीब 15 दोपहिया वाहन जलकर पूरी तरह राख हो गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल अधिकारी आग लगने के सटीक कारणों की जांच में जुटे हुए हैं।

बसवेश्वर जयंती पर के चंद्रशेखर राव ने दी श्रद्धांजलि, समानता का दिया संदेश

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को समाज सुधारक बसवेश्वर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लोगों से सामाजिक न्याय और समानता के लिए लगातार प्रयास करने का आह्वान किया। एक बयान में उन्होंने बसवेश्वर को दूरदर्शी समाजसेवी बताते हुए कहा कि उन्होंने जाति और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया और श्रम की गरिमा को बढ़ावा दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज के लिए बेहद प्रासंगिक हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार के दौरान चलाई गई कई कल्याणकारी योजनाएं इन्हीं आदर्शों से प्रेरित थीं, जिनसे दलित और बहुजन समाज के जीवन स्तर में सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम करना ही बसवेश्वर को सच्ची श्रद्धांजलि है। साथ ही लोगों से उनके सिद्धांतों को अपनाकर समानता, न्याय और मानवता पर आधारित समाज बनाने की अपील की।

कांग्रेस-बीआरएस की 'फिक्सिंग पॉलिटिक्स' से जनता को गुमराह किया जा रहा : एन.वी. सुभाष

प्रवक्ता का बड़ा आरोप, भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए दोनों दल एकजुट

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस के बीच 'फिक्सिंग पॉलिटिक्स' चल रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां आपसी समझ के तहत जनता को गुमराह करने के लिए राजनीतिक नाटक कर रही हैं। भाजपा राज्य कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुभाष ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा एक ही दिन जिलों में बड़ी सभाएं करना संयोग नहीं, बल्कि पूर्व निर्धारित रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर तेलंगाना में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए दोनों दल एकजुट हो रहे हैं। सुभाष ने केसीआर की कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा कि सत्ता से बाहर होने के 26 महीने बाद भी वे जनादेश का सम्मान नहीं कर रहे हैं और विपक्ष के नेता के रूप में विधानसभा में सक्रिय नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर जनता की समस्याओं को उठाने के बजाय केवल पार्टी विस्तार पर ध्यान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए सुभाष ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना को पहले देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार बताने वाले मुख्यमंत्री अब कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों को दबाने के लिए सीमित मुद्दों पर ही जांच की बात की जा रही है। सुभाष ने यह भी कहा कि राज्य सरकार सीबीआई जांच के लिए पूरी अनुमति देने से पीछे हट रही है और कांग्रेस तथा बीआरएस एक-दूसरे को बचा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के दौरों पर भारी जनधन खर्च हो रहा है, जबकि यह राशि किसानों के हित में उपयोग की जा सकती थी। कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए सुभाष ने कहा कि ऋणमाफी और 'रैतू भरोसा' जैसी योजनाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा मंदिरों के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए तेलंगाना सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाया। महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर भी सुभाष ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए इसका विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने इसे ऐतिहासिक कदम के रूप में आगे बढ़ाया, लेकिन विपक्ष ने बाधाएं खड़ी कीं। सुभाष ने राज्य में बढ़ती ड्रग्स समस्या और टीएसपीएससी पेपर लीक मामले को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस की 'फिक्सिंग पॉलिटिक्स' को जनता समझ रही है और भाजपा हमेशा जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करती रहेगी।

सत्ता खोने के बाद बीआरएस 'हताश और चिंतित' : तुम्मला नागेश्वर राव

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि सत्ता गंवाने के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता हताश और चिंतित हैं और कांग्रेस सरकार पर लगातार बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। खम्मम मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार भ्रष्टाचार के कारण सत्ता से बाहर हुई। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं, जिनमें केंद्र की मंजूरी के बिना 8,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन एक एकड़ भूमि को भी सिंचाई का लाभ नहीं मिला। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव पर निशाना साधते हुए तुम्मला ने कहा कि वे पार्टी में प्रभाव कम होने के बावजूद बेतुके बयान दे रहे हैं। उन्होंने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना से जुड़े भूमि अतिक्रमण और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर भी हरीश राव पर पाखंड का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार रुकी हुई परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है, जिनमें पूर्व खम्मम जिले की सीतारामा परियोजना भी शामिल है। उन्होंने बताया कि वायरा जलाशय को गोदावरी जल से भरने के लिए 100 करोड़ रुपये और सत्तुपल्ली टनल के लिए 1,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए तुम्मला ने कहा कि सरकार ने ऋणमाफी योजना के तहत किसानों के खातों में सीधे 21,000 करोड़ रुपये जमा किए हैं, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने कमीशन के लिए त्रुटिपूर्ण डिज़ाइन के साथ परियोजनाएं चलाईं, जबकि वर्तमान सरकार पारदर्शी विकास और लंबित कार्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। तुम्मला ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य तेलंगाना को समृद्ध और हराभरा बनाना है और सरकार भ्रष्ट तत्वों की आलोचना से विचलित हुए बिना अपने एजेंडे पर आगे बढ़ेगी।

फर्जी अमीर दूल्हा बनकर महिलाओं से ठगी, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एक 29 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को धनी दूल्हा बताकर महिलाओं को प्रेम जाल में फंसाकर ठगी करता था। आरोपी की पहचान के चंद्रशेखर आजाद उर्फ अर्जुन के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के गुंटूर का मूल निवासी और कुकाटपल्ली का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी सोशल मीडिया के जरिए संपन्न परिवारों की महिलाओं से संपर्क करता था और खुद को अमीर बताकर उनका भरोसा जीतता था। इसके बाद वह निवेश, आर्थिक परेशानी या निजी जरूरतों का बहाना बनाकर उनसे पैसे ऐंठता था। पुलिस को शक है कि इस तरह करीब 10 महिलाओं को ठगा गया है।

सबसे गंभीर मामले में, जुबली हिल्स की एक नाबालिग से आरोपी ने स्टार्टअप शुरू करने के नाम पर 13.11 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। पुलिस ने बताया कि इसी मामले में आरोपी पर पहले भी पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज हो चुका था। जमानत पर बाहर आने के बाद उसने फिर से पीड़िता से संपर्क कर दोबारा ठगी की।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ठगे गए पैसों से लग्जरी जीवन जीता था और महंगी कार खरीदकर खुद को अमीर दिखाता था, ताकि और लोगों को अपने जाल में फंसा सके। इस मामले से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में पुलिस ने एक महिला के खिलाफ भी केस दर्ज किया है, जो आरोपी के ड्राइवर की पत्नी बताई जा रही है। उस पर नाबालिग पीड़िता को ब्लैकमेल कर 9 लाख रुपये वसूलने का आरोप है। इसके अलावा, एक अन्य महिला ने भी शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपी ने प्रेम संबंध के नाम पर उसे धोखा दिया और उसकी सोने की चेन छीन ली। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही जीरो एफआईआर को आगे की जांच के लिए नरसिंगी पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया है। अन्य संभावित पीड़ितों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

वेलफेयर वीक के तहत कलेक्टरों की जमीनी निगरानी तेज

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वेलफेयर वीक के तहत जिला कलेक्टरों ने जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी तेज कर दी है। हैदराबाद जिला कलेक्टर हरिचंदना दासरी ने महेंद्र हिल्स क्षेत्र में रसोई, डाइनिंग हॉल और छात्रावासों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वच्छता मानकों के पालन, समय पर भोजन वितरण और रसोइयों के बेहतर प्रशिक्षण पर जोर दिया।

निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन परोसा जा रहा है, जबकि इंटरमीडिएट टॉपर्स को सम्मानित कर छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। कलेक्टर ने छात्रों के साथ भोजन भी किया और उन्हें उच्च लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित किया।

वहीं भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में कलेक्टर अंकित ने तेलकापल्ली मंडल के गुरुकुल और एकलव्य स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता, परिसर की स्वच्छता की समीक्षा की और आरओ प्लांट को तुरंत चालू करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ताजा सब्जियों के उपयोग पर जोर देते हुए स्वच्छता और बुनियादी ढांचे में सुधार के स्पष्ट निर्देश दिए।

वेलफेयर वीक के तहत स्वस्थ वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना मुख्य उद्देश्य बताया गया।

2030 में 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखें : नीतीश

> विधायक लोगों के बीच रहें > बिहार का दौरा करूंगा > अनंत ने कहा-शराबबंदी पर वही कहा जो सच

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद विधायक दल के नेता चुने जाने को लेकर सीएम हाउस में जदयू नेताओं की बैठक हुई। यह बैठक पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 2030 तक 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया।

90 मिनट चली बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, 'मैं पूरे बिहार का दौरा करूंगा। आप लोग चिंता मत कीजिए, सब अच्छा होगा। मैं जैसे पहले काम करता था, वैसे ही काम करता रहूंगा।' हालांकि निशांत कुमार को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। बैठक के बाद अनंत सिंह ने बताया, 'मीटिंग में नीतीश कुमार ने विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर काम करने को कहा है। उन्होंने अगली बार 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखकर मेहनत करने को कहा है।' बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर अनंत सिंह ने कहा, 'मैंने सिर्फ जमीनी हकीकत बताई है और यह मेरी व्यक्तिगत राय है। मैं सरकार नहीं हूं। मुझे जो सही लगा, मैंने वही कहा। अगर मेरी बात कोई नहीं मानेगा तो मैं क्या कर सकता हूं।'

जेडीयू विधायक दल के मीटिंग में 3 प्रस्ताव

श्रवण कुमार ने कहा, 'मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बैठक में चर्चा हुई है। हम लोगों से कहा गया है कि पिछली बार की तुलना में इस बार पार्टी से अधिक संख्या में मंत्री बनाए जाएंगे। बैठक में तीन प्रस्ताव लाए गए।'

> पहला प्रस्ताव-पार्टी से दो डिप्टी सीएम बनाए जाने पर उनका स्वागत किया गया। सभी विधायकों ने डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र यादव का स्वागत किया।

> दूसरा प्रस्ताव-विजेंद्र यादव ने प्रस्ताव रखा कि जदयू विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए नीतीश कुमार को अधिकृत किया जाए।

> तीसरा प्रस्ताव-डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के 20 साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों के लिए उन्हें बधाई दी।

जेडीयू विधायक बोले-निशांत अब पार्टी को लीड करें

मीटिंग से पहले जदयू विधायक महेश्वर हजारी ने कहा कि, निशांत के हिसाब से अब पार्टी चलेगी। वो जनता के बीच आएं। जैसे नीतीश कुमार को लोगों ने पसंद किया, निशांत को भी करेंगे। नीतीश कुमार के इस्तीफे और उनके राज्यसभा जाने के बाद विधायक दल का नेता का पद खाली है। सूत्रों के मुताबिक, डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी को विधायक दल का नया नेता बनाया जा सकता है। सरकार में उन्हें जदयू की ओर से नंबर 2 की भूमिका मिली है। वहीं, बिजेंद्र प्रसाद यादव भी वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन विधायक दल का नेता बनाए जाने की संभावना फिलहाल कम दिख रही है।

अफेयर से परेशान बाप ने बेटी को मार डाला

दोस्त संग कार के भीतर गला दबाया, तेजाब से चेहरा जलाकर बाराबंकी में फेंका

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में पिता ने अपने दोस्त के साथ मिलकर नाबालिग बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। पहचान मिटाने के लिए चेहरे को तेजाब से जला दिया। शव को बाराबंकी में कुर्सी रोड के किनारे फेंक दिया। इसके बाद बेटी के लापता होने की कहानी रचते हुए आईजीआरएस पर शिकायत कर दी। पुलिस ने आरोपी पिता और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया है। पिता ने बताया है कि बेटी कई लड़कों से बातचीत करती थी। 2025 में एक लड़के के साथ भाग गई थी। उसके अफेयर से परेशान होकर उसकी हत्या कर दी। घटना चिनहट थाना क्षेत्र के धावा का है। किशोरी की पहचान 16 साल की चांदनी चौबे के रूप में हुई है।

'ये जो फरसा लहरा रहे हो, सब पर मुकदमे होंगे'

महिला डीएसपी की चेतावनी फोटोग्राफी हो रही है; परशुराम जयंती पर निकला था जुलूस

मेरठ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ में रविवार को परशुराम जयंती पर जुलूस में फरसा लहराने और डंडा साथ लेकर चलने वालों को महिला डिप्टी एसपी ने सख्त हिदायत दे डाली। डिप्टी एसपी शुचिता सिंह ने मौके पर ही माइक लेकर चेतावनी दी कि जो लोग फरसा और डंडा लेकर चल रहे हैं, उनकी पहचान कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

डिप्टी एसपी का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में डीएसपी हाथ में माइक लेकर लोगों से कह रही हैं-ये जो ऊपर बैठे हैं, उन सब पर एफआईआर होगी। मैं अभी बता रही हूं, ये जो फरसा लहरा रहे हैं, डंडा लहरा रहे हैं। सबकी फोटोग्राफी हो रही है। इन सब पर मुकदमा लिखा जाएगा। जितने भी डंडे हैं अलग करिए, अलग कराओ। अब डिप्टी एसपी के इस बयान पर ब्राह्मण समाज में रोष है। लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। इसे ब्राह्मण विरोधी भी कहा जा रहा है। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर ब्राह्मण संगठनों सहित अन्य संस्थाओं की ओर से भव्य कार्यक्रम हुए। सीसीएसयू गेट से शौर्य यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा का कई स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इसमें युवा फरसे के साथ चले। चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी गढ़ रोड के सामने से जुलूस निकल रहा था। डिप्टी एसपी शुचिता सिंह की ड्यूटी जुलूस में लगी थी। जुलूस में युवक हाथ में डंडे, फरसे लिए हुए थे। इसे देखकर लेडी ऑफिसर भड़क गईं। उन्होंने जुलूस को सीसीएसयू के गेट के सामने ही रोक लिया। जुलूस रोककर हाथ में माइक लेकर लोगों को हिदायत देने लगीं।परशुराम जयंती पर मेरठ जिले में शहर से देहात तक शोभायात्राओं, जुलूस और जयंती समारोहों का आयोजन था।

महिला अपनी छह साल की बच्ची को अकेली छोड़कर 20 लाख के गहने लेकर फरार

मुजफ्फरपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। यहां सदर थाना क्षेत्र के गोबरसही श्रीनगर कॉलोनी में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपनी छह साल की मासूम बेटी को घर में अकेली रोता बिलखता छोड़कर 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गई। काफी खोजबीन के बाद जब महिला का सुराग नही मिला तो पीड़ित पति ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, महिला 26 मार्च की रात से लापता है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर पति ने सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़ित पति ने बताया कि वह मूल रूप से मोतीपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वर्ष 2019 में उसकी शादी मीनापुर के पानापुर थाना क्षेत्र की लड़की से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में हुई थी। वर्तमान में वह पत्नी और 6 साल की बेटी के साथ गोबरसही श्रीनगर कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहा था। आरोप है कि 26 मार्च की रात में उसकी पत्नी घर से अचानक गायब हो गई। तलाशी लेने पर पता चला कि वह घर में रखे 20 लाख रुपये के जेवर भी साथ ले गई है।

तालाब में डूबकर तीन सगे भाई बहनों की मौत

प्रतापगढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कंधई थाना क्षेत्र के शाल्हीपुर कंजास गांव में नहाते समय डूबकर तीन भाई बहनों की मौत हो गई। घटना के बाद जहां परिवार में कोहराम मच गया है वहीं पूरे गांव में मातम छा गया है। गांव निवासी विजय बहादुर यादव के तीन लड़के सबसे बड़ी बेटी 12 वर्ष, बड़ा बेटा 8 वर्ष और छोटा बेटा 5 वर्ष तीनों घर के सामने तालाब में नहाने गए थे। सोमवार को जब तीनों तालाब में घुसे तो बाहर ही नहीं निकले। कंजास गांव निवासी विजय बहादुर यादव के चार बच्चे थे, जिसमें से सबसे बड़ी बेटी रानी (12), बेटा मोहित (8) और रोहित (5) वर्ष और सबसे छोटा बेटा आठ माह का है, जो की मां की गोंद में है। रानी, मोहित और रोहित यह तीनों घर के बाहर बने तालाब में स्नान करने गए थे। तीनों की एक साथ तालाब में डूबने से मौत हो गई।

आजम और बेटे अब्दुल्ला की 7-7 साल की सजा बरकरार

> फर्जी पैन कार्ड मामले में कोर्ट का फैसला
> बेटे को चुनाव लड़ाने के लिए उम्र बढ़ाई थी

रामपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई गई है। रामपुर कोर्ट ने पैन कार्ड फ्रॉड से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में यह फैसला सुनाया। इससे पहले एमपी-एमएलए कोर्ट ने भी दोनों को सात साल की सजा दी थी।

इसके खिलाफ आजम और उनके बेटे ने सेशन कोर्ट में अपील की थी। मामला 2019 का है, जब भाजपा नेता और नगर विधायक आकाश सक्सेना ने कोतवाली सिविल लाइंस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अब्दुल्ला आजम पर अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने की शिकायत की थी। जांच में आजम खान की भूमिका भी सामने आई, जिसके बाद उन्हें भी आरोपी बनाया गया। भाजपा नेता और विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई, 2019 को कोतवाली सिविल लाइंस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि अब्दुल्ला आजम ने नियमों का उल्लंघन करते हुए दो पैन कार्ड बनवाए। जांच के दौरान मामले में आजम खान की भूमिका सामने आने पर उन्हें भी आरोपी बनाया गया। जिसके बाद दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार-अब्दुल्ला आजम ने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर दो अलग-अलग जन्मतिथि वाले पैन कार्ड बनवाए थे। इनमें एक में 01 जनवरी, 1993 और दूसरे में जन्मतिथि 30 सितंबर, 1990 दर्ज थी।

लंबी सुनवाई के बाद रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को दोनों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने दोनों को 7-7 साल की सजा सुनाई गई और 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इस सजा के बाद से पिता आजम और अब्दुल्ला जिला जेल में बंद हैं।

सेशन कोर्ट में सजा को दी चुनौती सजा के खिलाफ आजम और बेटे अब्दुल्ला की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दायर की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष से अधिवक्ता नासिर सुल्तान समेत अन्य वकीलों ने दलीलें दीं। अभियोजन पक्ष से एडीजीसी सीमा राणा और अपर महाधिवक्ता ने सरकार का पक्ष रखा। दोनों पक्षों की बहस 6 अप्रैल 2026 को पूरी हो गई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए 20 अप्रैल की तारीख तय की थी।

सजा बढ़ाने की मांग पर भी सुनवाई यह मामला और भी अहम इसलिए हो गया क्योंकि सजा बढ़ाने की मांग को लेकर अलग प्रक्रिया भी चल रही है।

स्वार-टांडा सीट से 2017 चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे पूर्व मंत्री काजिम अली खान उर्फ नवेद मियां ने भी सजा बढ़ाने की मांग को लेकर अपील की थी। पहले सेशन कोर्ट ने सजा बढ़ाने की अपील खारिज कर दी थी।

व्यापारी से लूट का भाई ही निकला मास्टरमाइंड

हायर किए थे गुंडे, हकीकत सुन हक्काबक्का रह गए घरवाले

अंबेडकरनगर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में अंबेडकरनगर के जहांगीरगंज इलाके में व्यापारी रईस अहमद व मोहम्मद जलाल के साथ हुई लूट की घटना में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पीड़ित मोहम्मद जलाल का भाई शाहिद ही इस पूरे लूटकांड का मास्टरमाइंड निकला। एएसपी श्यामदेव ने बताया कि शाहिद ने शातिर बदमाशों के साथ मिलकर घटना की पूरी साजिश रची थी। लुटेरों को निर्देश दिया था कि वारदात के दौरान किसी को शारीरिक नुकसान न पहुंचाया जाए। सिर्फ लूट को अंजाम दिया जाए। इस साजिश में आधा दर्जन से अधिक लोग शामिल थे। पुलिस के मुताबिक, लूट की घटना में बसखारी बाजार निवासी आयुष की कार का इस्तेमाल किया गया। वहीं, अतरौलिया थाना क्षेत्र के दुराज गांव निवासी मनीष वर्मा के घर पर लूटी गई रकम का बंटवारा किया गया। इसके अलावा अतरौलिया थाना क्षेत्र के अतरैठ गांव निवासी अभिषेक ने घटना के बाद बदमाशों को वाहन से भागने में सहयोग किया। शाहिद ने पूरी प्लानिंग की थी।

'लालू की बेटी, राहुल की बहन, अखिलेश की पत्नी ही क्यों जाएं सदन'

> पटना में जमकर बरसे सम्राट चौधरी

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज सभा को संबोधित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल के गिर जाने को लेकर राजद-कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राजद के लोग, कांग्रेस पार्टी के लोग यही चाहते हैं कि उनके परिवार की महिलाएं ही आगे बढ़ें। राहुल गांधी चाहते हैं कि सिर्फ उनकी बहन प्रियंका गांधी संसद में पहुंचने का काम करें। लालू यादव चाहते है कि सिर्फ उनकी बेटी और पत्नी ही सदन में जाएं। उनकी पत्नी ही सदन में विपक्ष का नेता बनें। यूपी में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव चाहते हैं कि सिर्फ उनकी पत्नी सांसद बनकर लोकसभा में जाएं। लेकिन पीएम मोदी चाहते हैं कि देश में 272 बहनें लोकसभा में पहुंचने का काम करें।

..तो बिहार में महिला विधायकों का संख्या 122 होती

सीएम सम्राट चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस-राजद सहित अन्य विपक्षी दलों पर हमला बोला। सम्राट चौधरी ने कहा कि 'मोदी जी ने महिलाओं के लिए सोचते हैं। मोदी चाहते थे कि परिशीमन के बाद जब चुनाव होता तो आज जो महिला विधायकों की संख्या 29 है, वो कम से कम 122 होती। लेकिन कांग्रेस के लोग ऐसा नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह विधेयक पास हो जाता, तो विधानसभा और लोकसभा दोनों ही स्तरों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ जाता।

किसी महिला के साथ गलत हुआ तो अपराधी को पाताल से ढूंढ निकालेंगे : सीएम

वहीं महिला क्राइम को लेकर सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले नीतीश कुमार अभिभावक के तौर पर महिलाओं के लिए काम कर रहे थे। लेकिन अब आपका भाई सम्राट चौधरी आपके लिए हमेशा मौजूद रहेगा। किसी भी महिला के साथ कुछ गलत हुआ तो अपराधी को पाताल से ढूंढ निकालेंगे।

'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' में शामिल हुए सम्राट चौधरी

दअसल नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को लेकर पटना में करगिल चौक पर बीजेपी की महिला मोर्चा ने आज सोमवार को 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' के लिए पदयात्रा निकाली। पदयात्रा में सीएम सम्राट चौधरी सहित बीजेपी के अन्य नेता भी शामिल हुए। इसके बाद सम्राट चौधरी ने सभा को भी संबोधित किया।

मनमाना रवैयाः आईएएस किंजल सिंह को अनबन और लापरवाही पड़ी भारी

छिनी परिवहन आयुक्त की कुर्सी

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मनमाना रवैया, आला अफसरों से अनबन, लापरवाही, दूसरे विभागों में अनावश्यक हस्तक्षेप आईएएस किंजल सिंह को भारी पड़ गया। उन्हें महज सात महीने में ही परिवहन आयुक्त पद से हटा दिया गया। इस दौरान कोई भी बड़ा उल्लेखनीय कार्य उनके खाते में नहीं है।

अब उनके हट जाने पर तमाम तरह की चर्चाएं सुर्खियों में है। प्रदेश सरकार ने 40 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें परिवहन आयुक्त पद पर तैनात रहीं किंजल सिंह को भी हटाया गया है। उनकी जगह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे आशुतोष निरंजन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्र बताते हैं कि विभागीय तालमेल के अभाव के चलते वह रडार पर थीं। अपने आला अफसरों अपर मुख्य सचिव व परिवहन मंत्री से उनकी नहीं बन रही थी।

किंजल सिंह को परिवहन आयुक्त पद की जिम्मेदारी सौंपी गई तो विभाग में बदलाव की उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कार्यकाल के दौरान उनके कई फैसले संदेह के घेरे में रहे।

इतना ही नहीं तबादला नीति आने वाली है। ऐसे में तबादलों को लेकर विवाद खड़ा होने की आशंका जताई जा रही थी। एक आरटीओ, प्रशासन उनके बेहद करीबी हैं। जिनका स्थानांतरण तय माना जा रहा है। किंजल सिंह उन्हें बचाने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाने को तैयार थीं, जबकि उनके विरोधी स्थानांतरण के लिए जीजान से लगे हुए हैं। हालांकि जब

व्यवहार से परेशान थे मातहत

सूत्र बताते हैं कि किंजल सिंह के मातहत उनके व्यवहार से परेशान थे। उनकी गुडबुक में कुछ गिनेचुने अफसर थे। उनकी सूचनाओं पर ही वह निर्णय लेती थीं। पीड़ितों का पक्ष जानने-समझने में उनकी कोई रुचि नहीं थी। हालांकि उनके व्यवहार को लेकर किसी भी अफसर ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

कसाई बाप : नशीली दवा देकर काटा बच्चियों का गला, संघर्ष तक नहीं कर पाईं; पोस्टमार्टम में डॉक्टरों के कांपे हाथ

कानपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में जुड़वां बेटियों की हत्या के मामले में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। कातिल बाप ने जुड़वां बेटियों रिद्धि और सिद्धि के गले चापड़ से काटने से पहले उन्हें नशीली दवा दी थी। इसके चलते वह बचने के लिए संघर्ष तक नहीं कर पाई। पैनल और वीडियोग्राफी में किए गए पोस्टमार्टम में इस बात की पुष्टि डॉक्टरों ने की है।

डॉक्टरों के अनुसार, यही कारण है कि बच्चियों को बचने का मौका तक नहीं मिला। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि पहली बार किसी केस में हाथ कांप गए। डॉक्टरों के अनुसार, गर्दन पर वार इतने गहरे थे कि दोनों बेटियों की श्वास नली काफी गहरी कट गई थी। अत्यधिक रक्तस्त्राव से उन्हें बचने का मौका नहीं मिला और उनकी सांसें थम गईं। वहीं, दर्दनाक घटना के बाद पूरे अपार्टमेंट में मातम पसर गया। हर कोई बस यही पूछता रहा कि आखिर एक पिता का दिल इतना पत्थर कैसे हो गया कि उसने अपनी ही जुड़वां बेटियों को इतनी भयानक मौत दी। शाम करीब छह बजे मासूमों की मां रेशमा अपनी ननद वाराणसी निवासी स्वास्तिका और बुआ सास पूनम तिवारी के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचीं। शवों को कब्रिस्तान में दफना दिया गया है।

कैमरे क्या करते जब पिता बन गया हत्यारा

दवा कंपनी के सेल्स मैनेजर शशिरंजन ने परिवार की सुरक्षा के लिए हजारों रुपये खर्च कर चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगवा रखे हैं। ये कैमरे भी उसकी बच्चियों की सुरक्षा नहीं कर सके। टू बीएचके फ्लैट में अंदर छह कैमरे लगे हैं। शशिरंजन ने बाहरियों से परिवार की सुरक्षा के लिए फ्लैट के बाहर दो कैमरे लगा रखे थे। ड्राइंग रूम, किचन और बेडरूम और लॉबी में कैमरे लगवाए थे। पूरे फ्लैट में सिर्फ पत्नी वाले कमरे और बाथरूम में कैमरे नहीं थे। जिस कमरे में दोनों बेटियों की हत्या की गई उसमें भी कैमरा लगा था। पत्नी रेशमा ने कहा कि सास गीता मिश्रा की मौत पिछले साल हुई है। उसके बाद पति का चिड़चिड़ापन और बढ़ गया। हालांकि इस बात का अंदेशा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेंगे। वरना वह बेटियों को अपने पास ही सुलाती।

कानपुर में जुड़वां बेटियों का कत्ल कानपुर के किदवईनगर के-ब्लॉक स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में शनिवार देर रात पिता शशिरंजन मिश्रा ने अपनी 11 साल की जुड़वां बेटियों रिद्धि-सिद्धि की नृशंस हत्या कर दी। आरोपी ने एक-एक कर दोनों बेटियों की गला दबाकर हत्या कर दी। बचने की गुंजाइश न रहे इसलिए गले पर चापड़ रखकर हथौड़े से वार किए। आरोपी ने वारदात से पहले बच्चियों को नशीली दवा भी खिलाई थी। पूरी वारदात कमरे में लगे सीसीटीवी में कैद है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

बरेली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के नवाबगंज थाना क्षेत्र में जादोपुर-सेंथल मार्ग पर रविवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बरगवां निवासी सिद्धार्थ (20) अपने साथी नवाबगंज के गांव अटंगा योगी निवासी रिंकू सिंह के साथ बाइक से जादोपुर की ओर से सेंथल जा रहे थे। जादोपुर-सेंथल मार्ग पर गांव देवरनियां के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। सूचना पर गई पुलिस ने शवों को सीएचसी में रखवाया है। वहां से पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन सीएचसी पर पहुंच गए। सिद्धार्थ की मौत से उनकी बहन मंजू, पिता पुरुषोत्तम गंगवार और मां शांति देवी रो-रोकर बेहाल हैं। सिद्धार्थ, बहेड़ी स्थित गन्ना उत्पादक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएससी के छात्र थे। सिद्धार्थ हेलमेट लगाए थे लेकिन रिंकू ने हेलमेट नहीं लगाया था।

सीएचसी में बिजली गुल, ऑक्सीजन न मिलने से नवजात की मौत

परिजन बोले-स्टाफ ने नहीं चलाया जेनरेटर

पीलीभीत, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पीलीभीत के बरखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज में लापरवाही के कारण एक नवजात शिशु की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि नवजात को ऑक्सीजन देते समय बिजली गुल हो गई और जनरेटर नहीं चलाया गया, जिससे उसकी जान चली गई।

इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने करीब नौ घंटे तक नवजात का शव अस्पताल परिसर में ही रखा। ग्राम जिओरहा कल्यानपुर निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी गीता देवी को 19 अप्रैल रविवार रात लगभग नौ बजे प्रसव के लिए बरखेड़ा सीएचसी में भर्ती कराया था।

सुनील का आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स मधु भारतीय और निशा ने मरीज की ठीक से देखभाल नहीं की। परिजनों को रात नौ बजे से दो बजे तक अंदर नहीं जाने दिया गया। न ही मरीज की स्थिति बिगड़ने पर उसे कहीं और रेफर किया गया।

नागपुर में नासिक जैसा केस

एनजीओ चैयरमैन पर लगा यौन उत्पीड़न और मजहबी प्रथा थोपने का आरोप

नागपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। नासिक की टीसीएस मामले के बाद नागपुर के उत्तर-पश्चिम इलाके में एक एनजीओ भी सवालों के घेरे में आ गया है। एनजीओ के चीफ पर कई गंभीर आरोप लगे हैं। मानकापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और आरोपी चीफ रियाज फाजिल काजी को गिरफ्तार किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्र्स के मुताबिक यह एनजीओ अंडरप्रिविलेज्ड बच्चों के लिए काम करता है। लेकिन इसी एनजीओ से जुड़ी एक 23 वर्षीय महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। उसका आरोप है कि 18 जुलाई 2024, जो उसका जन्मदिन था, उस दिन एनजीओ के प्रमुख ने उसे अपने केबिन में बुलाया। पीड़िता का दावा है कि बिना उसकी अनुमति के उसे जबरदस्ती गले लगाया गया, माथे पर किस किया गया और कहा गया, "मैं तुम्हें छोड़ना नहीं चाहता।" एफआईआर में इस बात का भी जिक्र है कि उस समय पीड़िता ने ज्यादा विरोध नहीं किया क्योंकि उसे अपनी नौकरी खोने का डर था। पीड़िता के मुताबिक यह कोई एक घटना नहीं थी बल्कि लगातार इसी तरह का मानसिक शोषण होता रहा।

कई मौकों पर आरोपी ने जबरदस्ती गले लगाने की कोशिश भी की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ऐसी हरकत करने से पहले सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिया करता था। उसने एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट भी बनाया था जिसके जरिए वह एनजीओ में काम करने वाली महिला कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखता था। एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि पीड़िता की बड़ी बहन भी इसी एनजीओ में बतौर प्रोजेक्ट मैनेजर नवंबर 2025 में जुड़ी थी। फील्ड विजिट के दौरान उस पर एक खास धर्म की प्रैक्टिस फॉलो करने का दबाव बनाया जाता था। एफआईआर में यह भी बताया गया है कि आरोपी के इसी व्यवहार के कारण कई महिला कर्मचारी पहले ही एनजीओ छोड़ चुकी थीं। 13 अप्रैल को भी इस एनजीओ प्रमुख पर एक गंभीर आरोप लगा था। उसने फोन कॉल पर शिकायतकर्ता, उसकी बहन और कुछ महिला सहयोगियों को अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया था।

उसने उन्हें वैश्या कहकर संबोधित किया था। यह एनजीओ मानकापुर पुलिस स्टेशन से महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और 2010 से सक्रिय रूप से काम कर रहा है। एनजीओ का दावा है कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण के क्षेत्र में बच्चों की मदद करता है।

फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, कॉल रिकॉर्ड की जांच कर रही है और सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में सीनियर इंस्पेक्टर हरीश कलेस्कर ने बताया कि कई महिलाएं शिकायत लेकर सामने आई हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है।

यात्रा पर आई इंदौर की महिला यात्री की मौत

दो दिन में जा चुकी दो श्रद्धालुओं की जान

बड़कोट, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आई महिला श्रद्धालु की देर रात जानकीचट्टी के पास मौत हो गई। यमुनोत्री धाम की यात्रा के दौरान यह दूसरी मौत हुई है। जानकीचट्टी स्वास्थ्य केंद्र डाक्टर हरदेव सिंह पंवार के अनुसार, देर रात इंदौर मध्यप्रदेश की 40 वर्षीय प्रतिभा मिश्रा को अचेतन अवस्था में अस्पताल लाया गया था, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस को सूचना देकर अगली कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले, जानकीचट्टी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को करीब पौने चार बजे एक नेपाली मजदूर द्वारा एक व्यक्ति को मृत अवस्था में जानकीचट्टी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। चिकिसकों ने उसकी सूचना पुलिस को दी और शव को पुलिस से सुपुर्द किया गया। मृतक व्यक्ति की पहचान उदय गजानन तांबे (65) निवासी नासिक, महाराष्ट्र के रूप में हुई है।

मणिपुर में बंद और तनाव के बीच सरकार सख्त

बिना छुट्टी दफ्तर नहीं पहुंचे कर्मचारियों पर गिरेगी गाज

कबीरधाम, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी बंद और तनावपूर्ण हालात के बीच राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की गैरहाजिरी पर कड़ा रुख अपनाया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति अवकाश लिए कार्यालय से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने रविवार को आदेश जारी करते हुए सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न संगठनों द्वारा बंद के आह्वान के बावजूद सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

सरकार ने क्या कहा?

सरकार ने कहा है कि हर विभाग दैनिक उपस्थिति रिपोर्ट संबंधित प्रशासनिक विभाग को भेजे। अगर कोई कर्मचारी बिना स्वीकृत छुट्टी के ड्यूटी से अनुपस्थित पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। साथ ही सभी उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में सरकारी कार्यालयों के सामान्य संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यह आदेश 19 अप्रैल से शुरू हुए पांच दिवसीय बंद के मद्देनजर जारी किया गया है। घाटी के पांच जिलों में मीरा पैबी संगठनों ने यह बंद बुलाया है। वे 7 अप्रैल को ट्रोंगलाओबी में हुए बम हमले में दो बच्चों की मौत के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। बंद से प्रभावित जिलों में इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और तेंगनौपाल शामिल हैं।

नागा बहुल इलाकों में तीन दिन के बंद का एलान

इसी बीच यूनाइटेड नागा काउंसिल ने सोमवार से नागा बहुल इलाकों में तीन दिन के बंद का एलान किया है। यह बंद 18 अप्रैल को उखरूल जिले में घात लगाकर किए गए हमले में दो नागरिकों की हत्या के विरोध में बुलाया गया है।

गृह मंत्री ने बंद वापस लेने की अपील की

राज्य के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने बंद वापस लेने की अपील करते हुए कहा कि सरकार ने त्रोंग्लाओबी घटना से जुड़े संयुक्त कार्रवाई समिति से बातचीत की है और उनकी मांगों पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि लगातार बंद से आम जनता सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। बच्चों की पढ़ाई रुक रही है, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है, किसान और व्यापारी भी परेशान हैं। ऐसे में सभी संगठनों को जनता के हित में बंद समाप्त करना चाहिए।

लेडीज संगीत में डांस करने पर भाभी की हत्या

पड़ोसियों के घर देखकर भड़का जेठ दरात से मुंह, छाती और हाथ काटे

रोहतक, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। रोहतक में जेठ ने दरात से काटकर अपनी भाभी की हत्या कर दी। महिला पड़ोसियों के यहां लेडीज संगीत पर गई थी।

वहां उसे डांस करता देख जेठ भड़क गया। जैसे ही महिला घर आई तो उसने दरात से उस पर हमला किया। उसने मुंह, छाती, हाथ समेत शरीर के कई हिस्सों पर वार किए। हमला करने के बाद जेठ फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। महिला के मायके वालों की तरफ से पुलिस के खिलाफ शिकायत दी गई है।

रोहतक के रिठाल गांव निवासी सुखबीर फोगाट के पड़ोसियों के यहां शादी है। रविवार रात को उनके लेडीज संगीत था। सुखबीर की पत्नी प्रवेश (39) उनके बुलावे पर वहां गई थी। उसने वहां अन्य महिलाओं के साथ डांस भी किया। परिवार के मुताबिक, जैसे ही प्रवेश वहां डांस करने के बाद लौटी तो घर पर जेठ जसबीर फोगाट ने उससे डांस करने पर झगड़ा करना शुरू कर दिया। तभी जसबीर घर में रखी दरात उठाकर लाया और अपनी भाभी पर हमला कर दिया। उसने मुंह, पेट और हाथ पर वार किए और फरार हो गया। उस समय प्रवेश के तीनों बच्चे घर में सो रहे थे। जबकि उसका पति सुखबीर अपनी मां को इलाज के लिए रोहतक पीजीआई लेकर गया हुआ था। प्रवेश को खून से लथपथ छोड़कर जसबीर फरार हो गया। सुखबीर जब घर आया तो प्रवेश खून से लथपथ हालत में मिली। प्रवेश को पीजीआई लेकर जाया गया, वहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सदर थाना पुलिस ने बताया कि उन्हें एक महिला की हत्या होने की सूचना मिली है।

अफसरों के लिए 'लक्ष्मण रेखा' न सेल्फी, न तोहफा; घोटालों के बाद सतर्क हुई हरियाणा सरकार

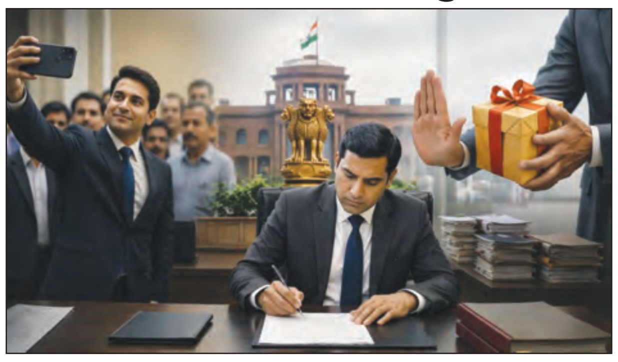

चंडिगढ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में लगातार हो रहे बैंक घोटाले के बाद सरकार सतर्क हो गई है। राज्य सरकार ने प्रशासनिक तंत्र को सतर्क करते हुए वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों को निजी व्यक्तियों से संपर्क और व्यवहार को लेकर खुद की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए व्यक्तिगत और प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा प्रोटोकॉल जरूरी हैं।

प्रस्तावित नई एसओपी के तहत अधिकारियों को अब रिकॉर्ड में किसी निजी व्यक्ति या संस्था से पहली मुलाकात का संक्षिप्त विवरण दर्ज करना होगा। आवश्यक हो तो ईमेल-आधिकारिक माध्यम से ही संवाद किया जा सकेगा। अज्ञात नंबर से आए काल या मैसेज की सत्यता की पहचान करनी होगी। प्रस्तावित एसओपी के अनुसार संवेदनशील जानकारी केवल आधिकारिक माध्यम से साझा की जाएगी। मौखिक सिफारिश की बजाय लिखित या आधिकारिक आदेश की मांग की जाएगी। कोई भी निर्णय करने से पहले संबंधित नियम और फाइल नोटिंग की अनिवार्यता का पालन करना होगा। किस प्रकार के बाहरी संपर्क ज्यादा जोखिम वाले हैं, इसका आकलन करना होगा। नियमित अंतराल पर कर्मचारियों को जागरूकता प्रशिक्षण देना अनिवार्य होगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों या सतर्कता विभाग को सूचना दी जाएगी।

आइएएस अधिकारियों से कहा गया है कि वह किसी अज्ञात या संदिग्ध व्यक्ति के साथ फोटो न खिंचवाएं। ऐसी तस्वीरों का दुरुपयोग निकटता दिखाने के लिए किया जा सकता है। बिना सत्यापन के निमंत्रण या उपहार स्वीकार न करें। निजी कार्यक्रमों या उपहारों को स्वीकार करने से हितों का टकराव बन सकता है। अनौपचारिक सिफारिशों पर तुरंत कार्रवाई न करें। व्यक्तिगत मोबाइल या इंटरनेट मीडिया पर संवेदनशील चर्चा न करें। आधिकारिक मामलों के लिए केवल सरकारी चैनल का उपयोग करें।

हरियाणा में पिछले दिनों में करीब 750 करोड़ रुपए के दो बैंक घोटाले सामने आ चुके हैं। 590 करोड़ रुपए के आइडीएफसी बैंक घोटाले की जांच सरकार जहां सीबीआइ को सौंप चुकी है, वहीं प्रशासनिक तंत्र को भी सचेत कर दिया गया है। स्पष्ट है कि अधिकारियों ने निजी बैंकों से व्यक्तिगत लाभ उठाने के चक्कर में सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया। बैंक अधिकारियों ने इन्हीं प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी पैसे को इधर से उधर घुमाया। हरियाणा सरकार ने अब अधिकारियों को निजी व्यक्तियों से संपर्क को लेकर खुद की एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

असम राइफल्स ने मणिपुर के कामजोंग जिले में चलाया बड़ा ऑपरेशन

हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा बरामद

इंफाल, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। असम राइफल्स ने खुफिया जानकारी के आधार पर काम करते हुए मणिपुर के कामजोंग जिले में एक सर्च ऑपरेशन चलाया। जानकारी मिली थी कि भारत-म्यांमार सीमा के पास कुछ जगहों पर हथियार है। यह ऑपरेशन रात के बीच किया गया था। सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने मेटल डिटेक्टर और एक विशेष प्रशिक्षित डॉग की मदद ली। इसी दौरान एक संदिग्ध जगह की पहचान हुई, जहां जमीन के अंदर छिपाकर रखा गया हथियारों का बड़ा जखीरा मिला। इसमें कई तरह के हथियार, गोलियां, विस्फोटक और अन्य युद्ध-सामग्री शामिल थी।

बरामद सभी सामान को बाद में आगे की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। इसके बाद एक और बड़ी कार्रवाई में असम राइफल्स ने राज्य पुलिस कमांडो और टेरिटोरियल आर्मी के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया। यह कार्रवाई 16 से 19 अप्रैल 2026 के बीच थौबल, तेंगनौपाल और काकचिंग जिलों में की गई। इस दौरान तीन उग्रवादी कैडरों को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि इन लोगों ने म्यांमार में ट्रेनिंग ली थी।

यूपीआई को लेकर भिड़े 'पूनावाला ब्रदर्स'

पीएम मोदी पर तहसीन की टिप्पणी का शहजाद ने दिया जबरदस्त जवाब

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। शहजाद पूनावाला और उनके भाई तहसीन पूनावाला की यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) के मुद्दे पर जोरदार भिड़ंत देखने को मिली। शुरुआत तहसीन पूनावाला की तरफ से हुई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट किया, जिसमें तहसीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झालमुड़ी खाने वाली पोस्ट को कोट किया। तहसीन ने अपनी पोस्ट में कटाक्ष करते हुए लिखा,'माननीय प्रधानमंत्री जी ने नकद भुगतान किया। दुकानदार के पास यूपीआई या ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम नहीं था। लेकिन कुल मिलाकर, यह एक सुखद बातचीत रही।'

शहजाद ने पोस्ट की यूपीआई वाली तस्वीर

तहसीन पूनावाला के पोस्ट का जवाब किसी और ने नहीं, बल्कि खुद उनके भाई और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दिया। शहजाद ने तहसीन के पोस्ट को कोट करते हुए एक तस्वीर साझा की।

इस तस्वीर में वह दुकानदार नजर आ रहा है, जिसे पीएम मोदी ने नकद भुगतान किया था और उसकी दुकान पर लगा यूपीआई का क्यूआर कोड भी दिखाई दे रहा है।

सहेजकर रखने के लिए दिया 10 का नोट

दुकानदार के पास यूपीआई था। वही यूपीआई, जिसे कांग्रेस के वित्त मंत्री चिदंबरम ने बड़े घमंड के साथ यह कहकर खारिज कर दिया था कि गरीब लोग इसका इस्तेमाल कभी नहीं कर पाएंगे। 10 रुपये का नोट इसलिए दिया गया था, ताकि दुकानदार उसे हमेशा के लिए सहेजकर रख सके।

साढ़े तीन घंटे हवा में अटकी सांसें

खराब मौसम से हैदराबाद-हुबली फ्लाइट बंगलूरू डायवर्ट, सभी यात्री सुरक्षित

हुबली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद से हुबली जा रही Fly91 की एक उड़ान खराब मौसम के कारण बंगलूरू डायवर्ट करनी पड़ी। इस दौरान विमान करीब साढ़े तीन घंटे तक हवा में रहा, जिससे यात्रियों में घबराहट का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक, यह फ्लाइट रविवार दोपहर करीब 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी और 90 मिनट में हुबली पहुंचने वाली थी। लेकिन खराब मौसम के चलते विमान को वहां उतरने की अनुमति नहीं मिल सकी। बताया गया कि विमान ने करीब एक घंटे तक हुबली के ऊपर चक्कर लगाए, ताकि मौसम सुधरने का इंतजार किया जा सके।

'तिलक हटाने और चोटी काटने से मना करने पर नौकरी से निकाला'

गुजरात के युवक ने लेंसकार्ट पर लगाया बड़ा आरोप

अहमदाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट एक नए विवाद में घिर गई है। अब खुद को कंपनी का एक पूर्व कर्मचारी बताने वाले युवक ने दावा किया है कि धार्मिक प्रतीकों को हटाने से इनकार करने पर उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। खुद को कंपनी का पूर्व कर्मचारी बताने वाले जील सोगसिया ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्हें कंपनी ने अपनी शिखा काटने, ओम का टूट मिटाने और तिलक हटाने के लिए कहा था। जब उन्होंने ऐसा करने से मना किय, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। यह आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब कंपनी में ड्रेस कोड लेकर पहले से ही विवाद चल रहा है। डॉ. आनंद रंगनाथन ने जील सोगसिया के इस वीडियो को अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है।

'पार्टीशन का जिम्मेदार मुसलमान नहीं था'

जिन्ना का जिक्र कर भारत के बंटवारे के लिए असदुद्दीन ओवैसी का कांग्रेस पर सीधा अटैक

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भारत के बंटवारे को लेकर दावा किया है कि इसके लिए मुसलमान जिम्मेदार नहीं थे। हैदराबाद के सांसद ने यह भी दावा किया है कि देश विभाजन के लिए मोहम्मद अली जिन्ना के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के नेता भी जिम्मेदार थे। असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात में सूरत के लिंबायत में रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया है कि मौलाना अबुल कलाम आजाद ने भारत का बंटवारा रोकने के लिए बहुत कोशिश की थी, लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने उनकी अपील पर गौर नहीं किया।

'भारत के दो टुकड़े करने में कांग्रेस शामिल'

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 'मजलिस से डर (विरोधियों को) इसलिए है, क्योंकि सबकी लीडरशिप होती है भारत में अगर किसी की लीडरशिप नहीं हो सकती तो जालिम लोग कहते हैं कि मुसलमान की लीडरशिप नहीं हो सकती है। बार-बार क्या बोलते हैं, अरे एक पार्टीशन हो गया...' ...अरे तुम झूठ बोल रहे हो। पार्टीशन का जिम्मेदार मुसलमान नहीं था। क्योंकि 90 फीसद मुसलमान तो वोट डाल ही नहीं सकते थे, उस जमाने में...। जब उस जालिम जिन्ना ने इस मुल्क के दो टुकड़े किए। और क्या दो टुकड़े करने वालों में कांग्रेस पार्टी शामिल नहीं है? बिल्कुल है...।

गांधी, नेहरू और मौलाना आजाद का नाम लिया

उन्होंने आगे यहां तक दावा किया कि '...ये मैं नहीं कह रहा हूं...मौलाना अबुल कलाम आजाद ने अपनी किताब इंडिया विंस फ्रीडम में कह रहे हैं कि मैं गांधी के पास गया, मैं नेहरू के पास गया कि भारत के टुकड़े मत होने दो..। और मौलाना आजाद ने क्या लिखा, वो आप उस किताब को पढ़ लीजिए। मैं भारत की जम्हूरियत को मजबूत होने के लिए कह रहा हूं..।' दरअसल, ओवैसी कांग्रेस और टीएमसी की ओर से पश्चिम बंगाल में एआईएमआईएम को 'बीजेपी की बी टीम' बताए जाने को लेकर भी भड़के हुए हैं।

नेपाल में तुर्की एंबेसी को लेकर लकी बिष्ट का बड़ा दावा

कहा-यह कूटनीति नहीं, धार्मिक कट्टरता का दरवाजा है

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व एनएसजी कमांडो और सोशल मीडिया पर सक्रिय लकी बिष्ट एक बार फिर अपने एक ट्वीट को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने नेपाल में संभावित तुर्की दूतावास को लेकर गंभीर और विवादित दावे किए हैं।

उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। नेपाल जैसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील देश में किसी भी नए विदेशी दूतावास की मौजूदगी क्षेत्रीय राजनीति और सुरक्षा के नजरिए से देखी जा रही है। इसी संदर्भ में लकी बिष्ट का यह दावा सामने आया है, जिसमें उन्होंने इसे केवल कूटनीतिक कदम न मानकर इसके पीछे "छुपे हुए एजेंडे" की आशंका जताई है। 'नेपाल के अंदर एंबेसी के आड़ में बहुत बड़ा खेल शुरू होने वाला है। अगर तुर्की की एंबेसी नेपाल में खुलती है, तो यह सिर्फ कूटनीति नहीं होगी यह धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने का दरवाजा होगा। इतिहास गवाह है कि तुर्की ने उन संगठनों को समर्थन दिया है जो समाज में विभाजन और हिंसा फैलाते हैं। तुर्की ने ही इस्माइल हानिया को वीआईपी पासपोर्ट दिए, जब आईएसआईएस अपने चरम पर था तुर्की ने जिहादी रास्ते खोले, और सीरिया को बर्बाद करने में भी इसकी भूमिका रही है।

पश्चिम एशिया युद्ध से सबक : भारतीय सेना भी ईंधन बचाने में जुटी, बायोगैस के इस्तेमाल पर जोर

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया युद्ध की वजह से पूरी दुनिया ने ईंधन संकट देखा है। भारत में भी एलपीजी सिलेंडर के लिए लंबी लाइनों ने चुनौती स्पष्ट कर दी। भारतीय सेना भी इस मुश्किल वक्त में नई रणनीति पर काम कर रही है। ईंधन बचाने को लेकर नई योजना तैयार की जा रही है। इस योजना के तहत सेना बायोगैस जैसे वैकल्पिक कुकिंग साधन के इस्तेमाल पर जोर देगी। इसके अलावा सोलर और विंड एनर्जी का बड़े स्तर पर उपयोग करने की तैयारी है।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि आर्मी जल्द ही बायोगैस स्टोव खरीदने के आदेश जारी करेगी। इसके अलावा सेना के बड़े काफिलों की आवाजाही को लगभग 400 किलोमीटर तक सीमित करने और उससे आगे रेल नेटवर्क के ज्यादा इस्तेमाल पर भी विचार किया जा रहा है। इस बारे में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सेना के वाहनों की रोजमर्रा की आवाजाही पर सीमित प्रतिबंध लगाने पर विचार हो रहा है, ताकि किसी भी प्रकार के ऑपरेशन पर असर न पड़े। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, राशन लाना, सामान ढोना और सैनिकों को ले जाने जैसे कामों को एक साथ करने पर जोर दिया जाएगा। जहां संभव होगा, वहां सीएनजी या इलेक्ट्रिक किराए के वाहनों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशनल उड़ानों जैसे रेकी, घायल सैनिकों को निकालना और आपातकालीन स्थिति में तैनाती पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सिर्फ रूटीन उड़ानों को बेहतर तरीके से मैनेज करने की बात की जा रही है। जानकारी के लिए बता दें कि वर्तमान में हर सैनिक को खाना बनाने के लिए रोजाना 125 ग्राम गैस दी जाती है। इसके अलावा सेना की हर यूनिट में 4 से 6 कुकहाउस होते हैं, जहां करीब 125 से 150 सैनिकों के लिए रोज खाना बनाया जाता है।

जापान में 7.4 की तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

सुनामी की चेतावनी जारी, तबाही की आशंका

टोक्यो, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान में सोमवार को 7.4 की तीव्रता का भूकंप आया है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि सोमवार दोपहर को देश के उत्तर-पूर्वी तट के पास 7.4 की शुरुआती तीव्रता वाला भूकंप आया। इस तीव्रता का भूकंप बहुत ज्यादा नुकसान कर सकता है। भूकंप के बाद एजेंसी ने इवाते आओमोरी और होक्काइडो प्रांतों में 3 मीटर (9.84 फीट) तक ऊंची सुनामी आने की चेतावनी दी है। ऐसे में बड़े नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। हालांकि अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

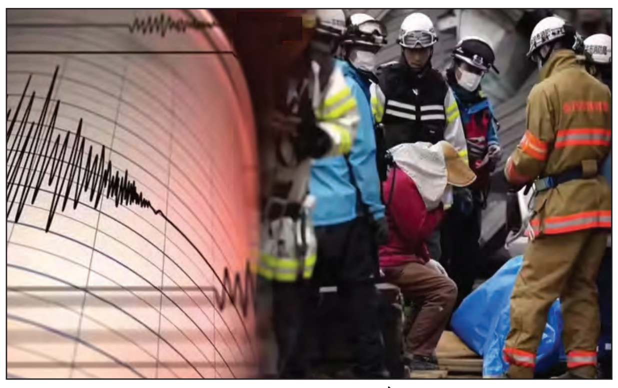

जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र प्रशांत महासागर में था और यह 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था। जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 'ऊपरी 5' मापी गई। ये इतनी तेज थी कि लोगों का इधर-उधर चलना-फिरना मुश्किल हो गया। जापान के इवाते प्रान्त, होक्काइडो के प्रशांत तट के मध्य भाग और आओमोरी प्रान्त के प्रशांत तट के लिए सुनामी चेतावनी जारी की गई है। मियागी और फुकुशिमा प्रान्तों के लिए भी परामर्श जारी किए गए हैं।

जापान दुनिया के उन देशों में शुमार है, जहां बहुत ज्यादा भूकंप आते हैं। प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर पर होने के चलते यहां कई टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। इसकी वजह से जापान में भूकंप आते रहते हैं। सुनामी आने के लिहाज से भी जापान संवेदनशील है। जापान में अक्सर सुनामी से नुकसान होता है।

जापान में बहुत ज्यादा भूकंप आते हैं। इसे देखते हुए यहां इस तरह के इंतजाम किए गए हैं, जिससे कम से कम नुकसान हो। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने आधुनिक भूकंप चेतावनी प्रणाली विकसित की है और समुद्र में सुनामी सेंसर का व्यापक नेटवर्क स्थापित किया है। इससे भूकंप और सुनामी आने का आंकलन किया जाता है।

इंडोनेशिया में भी आया था 7.4 का भूकंप

इस महीने की शुरुआत में एशिया के एक और देश इंडोनेशिया में 7.4 का भूकंप आ चुका है। 2 अप्रैल को देश के उत्तर-पूर्व में मोलुक्का सागर क्षेत्र में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र इंडोनेशिया के टेरनेट से 127 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में था। इंडोनेशिया में भी भूकंप के तेज झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी।

फ्रांस ने इलॉन मस्क को पुछताछ के लिए बुलाया

X पर डीपफेक कंटेंट फैलाने का आरोप

पेरिस, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस की जांच एजेंसियों ने इलॉन मस्क को पेरिस में पूछताछ के लिए बुलाया है। यह मामला उनकी कंपनी X (पहले ट्विटर) पर चाइल्ड एब्यूज और डीपफेक कंटेंट फैलने के आरोपों से जुड़ा है। यह जांच जनवरी 2025 में शुरू हुई थी। शुरुआत में आरोप था कि X का एल्गोरिद्म फ्रांस की राजनीति को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल हो सकता है। बाद में जांच का दायरा बढ़ाकर X के एआई चैटबॉट 'ग्रोक' को भी शामिल किया गया।

X के एआई चैटबॉट पर महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने का आरोप है। इसी केस में पूर्व सीईओ लिंडा याकारिनो और कुछ कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही ब्रिटेन और ईयू में भी जांच शुरू हो गई है।

अल्लाह के नाम पर : इंडिया आउट चिल्लाने वाला देश मांग रहा मदद

बोला- कर्ज की मियाद बढ़ाओ

माले, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मालदीव सरकार ने भारत से 400 मिलियन डॉलर के करेंसी स्वैप समझौते को तीसरी बार बढ़ाने की गुजारिश की है। भारत ने अभी तक मालदीव के इस अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि समझौते की सख्त प्रकृति के कारण भारत के लिए कर्ज की अवधि को तीसरी बार बढ़ा पाना मुश्किल हो सकता है। यह इस साल मालदीव पर भारत का यह सबसे बड़ा बकाया है। मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली मालदीव की सरकार को सितंबर 2026 से पहले भारत को 50 मिलियन डॉलर के दो और ट्रेजरी बिल चुकाने हैं। हालांकि, मालदीव की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसकी कर्ज चुकाने की संभावना कम जताई जा रही है।

मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीएमसी की सरकार है। मोहम्मद मुइज्जू ने सितंबर 2023 में हुए चुनावों में इंडिया आउट का नारा देकर यह चुनाव जीता था। उन्होंने सरकार बनते ही सबसे पहले मालदीव में मौजूद भारतीय सैन्य टुकड़ी को देश छोड़ने का फरमान सुनाया। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत से उपहार में मिले हेलीकॉप्टर, विमान और नेवी शिप को भी लौटाने की पेशकश की। भारतीय सैनिक मालदीव में असैन्य मिशन पर तैनात थे। इसके बावजूद उन्होंने पूरे चुनाव में भारत विरोधी रुख अपनाए रखा। मुइज्जू ने अपने पहले विदेश दौरे के लिए भारत की जगह चीन को प्राथमिकता दी।

मालदीव आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इस कारण उसकी आर्थिक स्थिति काफी खराब है। विदेश मुद्रा भंडार के कम होने से भुगतान असंतुलन का खतरा भी बरकरार है। मालदीव की सरकार ने पिछले कुछ दशकों में अपने देश में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए भारत से भारी मात्रा में कर्ज लिया है। हालांकि, इनमें से अधिकतर कर्ज की किश्तों को चुकाया नहीं गया है और उनकी समयसीमा बढ़ती रही है। 2024 में, जब मालदीव गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू ने भारत से 100 मिलियन डॉलरके ट्रेजरी बिलों की अवधि बढ़ाने की गुजारिश की थी। उस समय भारत ने मालदीव के अनुरोध को मान लिया था।

दि प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर 2024 की भारत यात्रा के दौरान मोहम्मद मुइज्जू ने भारत के साथ दो वित्तीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें पहला, 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप सुविधा और दूसरा- भारतीय रुपये में 3,000 करोड़ की दूसरी स्वैप लाइन। इन दोनों समझौतों से मालदीव को कुल 700 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता मिली। तब से भारत ने 400 मिलियन डॉलर की डॉलर-आधारित स्वैप सुविधा के भुगतान की अवधि दो बार बढ़ाई है।

चींटियों के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़ा है चीन, पूरी दुनिया परेशान

बीजिंग, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। चींटिया बेहद समझदार और संवेदनशील होती हैं। वह कॉलोनी बनाकर रहती हैं। उन्हें मेहनतकश माना जाता है, मगर कुछ लोग हैं, जो उनकी मेहनत पर डाका डाल देते हैं।

इस मामले में चीन के लोग काफी आगे हैं। हाल ही में अफ्रीकी देश केन्या में एक चीनी नागरिक को खास तरह की चींटियों को लेकर पकड़ा गया है। अब यह जानना दिलचस्प है कि आखिर ये चीनी चींटियों का क्या करते हैं। बीबीसी के अनुसार, केन्या की राजधानी नैरोबी के एयरपोर्ट पर पकड़े गए इस चीनी नागरिक पर बीते महीने ही चींटियों की तस्करी के आरोप लगाए गए थे। अब उसे कीनियाई कोर्ट में इन चींटियों की तस्करी के आरोप में एक साल की सजा सुनाई गई है और साथ ही 10 लाख कीनियाई शीलिंग का जुर्माना भी लगाया गया है। उसके बैग से 2,000 से ज्यादा चींटियां मिली थीं।

रिपोर्टों के अनुसार, अफ्रीकी चींटियों की डिमांड सबसे ज्यादा है। केन्या के अधिकारियों के अनुसार, यूरोप और एशिया में इन चींटियों की डिमांड सबसे ज्यादा है। एक चींटी की कीमत 220 डॉलर होती है।

भारतीय रुपये में बात करें तो यह कीमत करीब 21,000 रुपये बैठती है। इन चींटियों की सबसे ज्यादा तस्करी करने में चीन के लोग काफी आगे हैं।

बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, बरसात के मौसम में केन्या की रिफ्ट घाटी में स्थित एक शांत कृषि प्रधान शहर गिलगिल और उसके आसपास के हजारों चींटी के टीलों से चींटियों के झुंड निकलते देखे जा सकते हैं। गिलगिल एक फलते-फूलते अवैध व्यापार का केंद्र बन गया है। चींटियों के पीछे ज्यादातर चीनी, वियतनाम और बेल्जियम के लोग पड़े होते हैं, जो उन्हें ऑनलाइन ब्लैक मार्केट में बेचते हैं।

चींटियों में प्रजनन बारिश के दौरान ही होता है। प्रजनन की रस्म के दौरान पंखों वाले नर चींटे घोंसले से निकलकर रानी चींटियों को प्रेग्नेंट करते हैं, जो इस समय उड़ान भरती हैं। तस्करों के लिए यह वक्त रानी चींटियों का शिकार करने और उन्हें बेचने का सबसे उपयुक्त माना जाता है।

पाकिस्तान की भाषा बोलने लगे बांग्लादेशी विदेश मंत्री

इशाक डार से मिलकर सार्क पर किया बड़ा ऐलान

ढाका, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा है कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को फिर से शुरू करना प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति का एक मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने यह बात तुर्की के अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में एक मंत्री-स्तरीय पैनल में हिस्सा लेने के दौरान कही। इस पैनल में खलीलुर रहमान, पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और अफगानिस्तान के परिवहन मंत्री अजीजी शामिल थे। खलीलुर रहमान को अमेरिका का करीबी माना जाता है। वह मोहम्मद यूनुस की सरकार में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे।

बांग्लादेशी विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में सार्क की स्थापना के लिए पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पहल के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। पाकिस्तान की आतंकवादी नीतियों के कारण सार्क पिछले लगभग एक दशक से निष्क्रिय पड़ा है। रिपोर्ट में बताया गया कि बैठक में मौजूद पैनल इस बात पर सहमत हुआ कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं, और इस क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का एकमात्र तरीका बातचीत और कूटनीति ही है। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन को फिर से शुरू करना प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति का एक मुख्य उद्देश्य है। बांग्लादेशी विदेश मंत्री ने इस बैठक में बांग्लादेश में रोहिंग्या संकट की ओर दुनिया का ध्यान खींचा। उन्होंने विस्थापन संकट के दौर में वैश्विक शरणार्थी सुरक्षा प्रणाली विषय पर आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि रोहिंग्या संकट का स्थायी और प्रभावी समाधान रखाइन प्रांत के भीतर ही मौजूद है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को केवल मानवीय सहायता तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि रोहिंग्या लोगों की सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वैच्छिक वापसी के लिए अनुकूल माहौल बनाने में अधिक सक्रिय और रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

दादागिरी कर रहा अमेरिका : ईरान के राष्ट्रपति की पाकिस्तान को दो-टूक

बोले- ट्रंप पर रत्ती भर भरोसा नहीं

तेहरान, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने चेतावनी दी है कि अमेरिका पुरानी गलतियों को दोहराने और कूटनीति से विश्वासघात करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने मौजूदा तनाव के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर इसके बुरे नतीजों की भी चेतावनी दी। रविवार शाम को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ हुई बातचीत में ईरानी राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय घटनाक्रमों, संघर्ष विराम से जुड़े मुद्दों और इस्लामाबाद में हो रहे शांति वार्ता पर चर्चा की।

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम बुधवार को समाप्त होने वाला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सोमवार को ईरान वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचने वाले हैं, जबकि तेहरान ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि वह पाकिस्तान में प्रतिनिधिमंडल भेजेगा या नहीं। ईरानी सरकारी टीवी ने एक अज्ञात जानकार सूत्र के हवाले से कहा कि अमेरिका की अत्यधिक और तर्कहीन मांगों के साथ-साथ उसके बदलते रुख के कारण वार्ता के दूसरे दौर की कोई योजना नहीं है।

अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए हर तर्कसंगत और कूटनीतिक मार्ग अपनाया जाना चाहिए। हालांकि, वाशिंगटन के साथ बातचीत में सतर्कता और अविश्वास एक अपरिहार्य आवश्यकता है।

पेजेशकियन ने अमेरिका के रवैये की कड़ी आलोचना की। उन्होंने बातचीत और संघर्ष विराम की अवधि के दौरान अमेरिका पर वादों का लगातार उल्लंघन, दादागिरी और मनमाने व्यवहार करने का आरोप लगाया। ईरानी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिकी सरकार और ट्रंप पर भरोसा नहीं है। उन्होंने ईरान की तथाकथित नौसैनिक घेराबंदी के संबंध में अमेरिका की उकसाने वाली और गैर-कानूनी कार्रवाइयों को संघर्ष-विराम की सहमति का स्पष्ट उल्लंघन और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के विपरीत बताया।

उन्होंने कहा, इस तरह की कार्रवाइयां, और साथ ही ईरान के खिलाफ अमेरिकी अधिकारियों की धमकी भरी बयानबाजी, अमेरिका की गंभीरता को लेकर अविश्वास को ही बढ़ाती हैं। इससे यह भी साफ होता है कि अमेरिका पुरानी गलतियों को दोहराना चाहता है और कूटनीति से विश्वासघात करना चाहता है।

होर्मुज संकटः असीम मुनीर ने ट्रंप को मिलाया फोन

ट्रंप ने कहा फील्ड मार्शल की सलाह पर अमल करेंगे

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने अमेरिकी नाकाबंदी के विरोध में इस्लामाबाद शांति वार्ता में आने से इनकार कर पाकिस्तान की टेंशन बढ़ा दी है। इस बीच पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। इस बीच दावा किया जा रहा है कि ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान पर लगी नाकाबंदी पर फिर से विचार करने को तैयार हैं। एक पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि मुनीर ने ट्रंप से कहा कि ईरान की नाकाबंदी बातचीत में एक रुकावट है, जिस पर ट्रंप ने जवाब दिया कि वह इस सलाह पर विचार करेंगे।

इसके अलावा, एक ईरानी सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि अमेरिका की नाकाबंदी शांति वार्ता की संभावनाओं को कमजोर कर रही है। सूत्र ने आगे कहा कि ईरान की रक्षात्मक क्षमताएं—जिसमें उसका मिसाइल कार्यक्रम भी शामिल है—चर्चा का विषय नहीं हैं। इस बीच, ईरान के एक जहाज पर अमेरिकी हमले ने हालात को और बिगाड़ दिया है। ईरान ने धमकी दी है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बंद कर देगा। इसके अलावा उसने अमेरिका को जवाब देने की चेतावनी भी दी है। ईरान अमेरिका पर भरोसा नहीं कर सकता और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता रहेगा। इस माहौल में आगे की बातचीत में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है।

अमेरिका ने रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास उसकी नौसैनिक नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे ईरानी ध्वज वाले एक मालवाहक पोत पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया जिसके बाद ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी बंदरगाहों पर पिछले सप्ताह अमेरिकी नाकेबंदी शुरू होने के बाद से यह पहली घटना है जब पोत को रोका गया। ईरान के सरकारी प्रसारणकर्ता के अनुसार, ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने सशस्त्र पोत को रोके जाने की घटना को समुद्री डकैती और युद्धविराम का उल्लंघन बताया।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने यह दिखा दिया है कि वह शांति वार्ता को लेकर गंभीर नहीं है। ईरान जा रहे जहाज को जब्त किए जाने और लेबनान में इजरायली हमलों का जिक्र करते हुए, बगाई ने कहा कि अमेरिका बातचीत को लेकर गंभीर नहीं है और ईरान बातचीत के अगले दौर में शामिल नहीं होना चाहता। बगाई ने आगे कहा कि ईरान अपनी स्पष्ट रूप से रखी गई मांगों में कोई बदलाव नहीं करेगा और वह किसी भी समय सीमा या अल्टीमेटम में विश्वास नहीं रखता है।

ईरान युद्ध से आर्थिक दबाव में एशिया के कई देश

तेल-गैस सप्लाई रुकी, फैक्ट्रियां ठप, एक्सपर्ट बोले- ये आर्थिक संकट सुनामी जैसा

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में 28 फरवरी से शुरू हुआ युद्ध एशिया-प्रशांत इलाके पर उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से और ज्यादा असर डाल रहा है। शुरुआत में लगा था कि तेल और गैस की कमी का असर धीरे-धीरे दिखेगा, लेकिन हकीकत में कई देशों की अर्थव्यवस्था और आम जिंदगी पर अचानक बड़ा झटका लगा है। कई विशेषज्ञ इसकी तुलना कोविड जैसे बड़े संकट से कर रहे हैं।

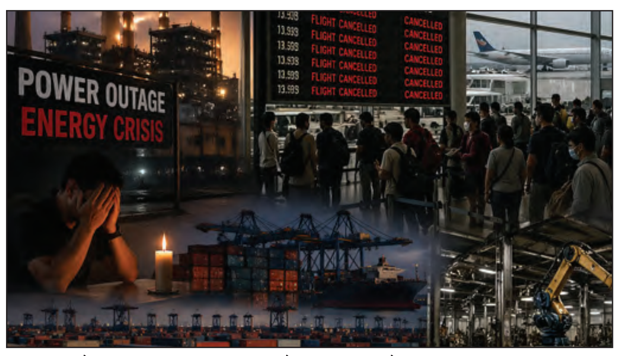

भले ही जल्द शांति समझौता हो जाए, लेकिन इस पूरे क्षेत्र पर इसका असर लंबे समय तक रहने वाला है। आने वाले महीनों में उड़ानें रद्द होने, खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने, फैक्ट्रियों के रुकने, सामान की सप्लाई में देरी और बाजारों में रोजमर्रा की चीजों की कमी देखने को मिल सकती है। इसमें प्लास्टिक बैग, इंस्टेंट नूडल्स, वैक्सीन, सिरिंज, लिपस्टिक, माइक्रोचिप और स्पोर्ट्सवियर जैसी चीजें भी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मिडिल ईस्ट के रास्तों से व्यापार कुछ और हफ्तों तक बाधित रहा, तो कई देशों में हालात बिगड़ सकते हैं, अशांति फैल सकती है और मंदी आ सकती है। कई कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं और सरकारें महंगाई को काबू में रखने के लिए भारी कर्ज ले रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, साल के अंत तक एशिया में लाखों लोग गरीबी में जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के मुताबिक, दुनिया की अर्थव्यवस्था लगभग हर जगह धीमी हो रही है क्योंकि दुनिया के करीब 20% तेल की सप्लाई बाजार से बाहर हो गई है। मिडिल ईस्ट से आने वाला तेल-गैस रुकने से पूरे एशिया की सप्लाई चेन हिल गई है।

एशिया-प्रशांत पर सबसे ज्यादा असर इसलिए पड़ा क्योंकि यह क्षेत्र मिडिल ईस्ट के तेल और गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर है, यहां की अर्थव्यवस्था आपस में गहराई से जुड़ी है और पहले से ही ऊर्जा की मांग ज्यादा थी जबकि सप्लाई कम पड़ रही थी। यहां तक कि अगर होर्मुज की समस्या कल ही ठीक भी हो जाए तो भी तेल और गैस की सप्लाई को पहले जैसे स्तर पर आने में सालों लग सकते हैं। चीन जैसे अमीर देशों पर असर थोड़ा कम होगा क्योंकि उनके पास ज्यादा संसाधन हैं, लेकिन बाकी एशिया में हालात ज्यादा खराब हैं। कई देशों की असली स्थिति उतनी अच्छी नहीं है जितनी दिखाई जा रही है।

वियतनाम के किसान, भारत के मजदूर, श्रीलंका के होटल मालिक, फिलीपींस के ड्राइवर और हांगकांग-सिंगापुर के कारोबारी सबकी चिंता बढ़ी हुई है। कई सरकारें बाहर से शांत दिखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अंदर ही अंदर हालात संभालना मुश्किल हो रहा है।

उत्तर कोरिया ने क्लस्टर बमों का किया परीक्षण

किम जोंग-उन की बेटी भी रहीं मौजूद

प्योंगयांग, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के अपने नवीनतम प्रक्षेपण में क्लस्टर बमों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण नेता किम जोंग-उन की देखरेख में हुई है। दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सिनफो क्षेत्र से सुबह लगभग 6:10 बजे पूर्वी सागर की ओर दागी। कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के एक दिन बाद, कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने ह्वासोंग-11 रा सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की रिपोर्ट प्रकाशित की।

केसीएनए ने कहा कि परीक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य हथियार प्रणाली में लगे क्लस्टर बम वारहेड और विखंडन माइन वारहेड की शक्ति का मूल्यांकन करना था।

केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 136 किलोमीटर दूर स्थित लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक द्वीप के पास एक लक्ष्य क्षेत्र पर पांच मिसाइलों ने हमला किया। यह अत्यधिक घनत्व वाला क्षेत्र था, जिससे उनकी युद्ध क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई। इसके साथ ही जारी की गई तस्वीरों में किम की बेटी जू-ए भी नजर आई, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें उनके उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है।

किम ने परीक्षण प्रक्षेपण पर अत्यंत संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र को नष्ट करने के लिए उच्च घनत्व वाली मारक क्षमता के साथ-साथ उच्च परिशुद्धता वाली मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विभिन्न क्लस्टर बम वारहेड का विकास और परिचय कोरियाई पीपुल्स आर्मी की परिचालन मांग को अधिक संतोषजनक और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है।

नेता ने हथियार विकास के लिए जिम्मेदार विज्ञान अनुसंधान समूहों को भी प्रोत्साहित किया और कहा कि वे हमारी सेना की युद्ध तत्परता के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने और अद्यतन करने के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखेंगे।

एससी में अमित जोगी का केस लड़ रहे ये 5 दिग्गज वकील

23 अप्रैल को होगी सुनवाई, अमित जोगी को एचसी ने दी है उम्रकैद की सजा

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को राहत नहीं मिली है।

पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी के मामले की सुनवाई अब सुप्रीम कोर्ट में 23 अप्रैल को होगी। अमित जोगी के दोनों मामलों की संयुक्त सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने अमित जोगी को इस हत्याकांड का आरोपी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

अमित जोगी की ओर से दो सुप्रीम कोर्ट में दो याचिका लगाई गई हैं। पहला मामला है जिसमें सीबीआई को अपील करने की अनुमति दी गई। वहीं, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब 23 अप्रैल को दोनों मामलों की एक साथ में सुनवाई होगी।

अमित जोगी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों मामलों की संयुक्त सुनवाई 23 अप्रैल को निर्धारित की गई है। मेरी ओर से आज वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा, सिद्धार्थ दवे तथा शशांक गर्ग उपस्थित हुए। मेरी कानूनी टीम का हृदय से आभार। न्यायपालिका पर मुझे पूर्ण विश्वास है।

रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने अमित जोगी को आरोपी माना था।

इसके बाद कोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को उम्रकैद की सजा दी थी। इसके साथ ही जुर्माना लगाया गया था। कोर्ट ने कहा था कि 3 हफ्ते के अंदर अमित जोगी को सरेंडर करना होगा। अमित जोगी इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए थे।

रामावतार जग्गी हत्याकांड मामले में अजित जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी ठहराए जाने के हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की गई है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में अमित जोगी ने दलील दी है कि उनके साथ अन्याय हुआ है, क्योंकि हाईकोर्ट ने उन्हें सुने बिना ही सीबीआई की दलील पर 40 मिनट में फैसला सुना दिया।

ओरछा में देवता के रूप में नहीं बल्कि राजा के रूप में होती है रामजी की पूजा

एक स्वपन से जुड़ी है भव्य चतुर्भुज मंदिर की अद्भुत कथा

भारत में कई मंदिर हैं, जो अपने इतिहास और रहस्य के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। आज हम आपको मध्य प्रदेश के एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां भगवान नारायण के अवतार प्रभु राम मर्यादा पुरुषोत्तम के स्वरूप में नहीं बल्कि राजा राम के रूप में विराजमान हैं। साथ ही यह मंदिर इतिहास, वास्तुकला और आस्था का अनोखा संगम है। आइए जानते हैं इस मंदिर के बारे में खास बातें। भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है। भारत भूमि के कोने-कोने में भगवान की महिमा का बखान करते कई भव्य और अद्भुत देवालय हैं। ऐसा ही अद्भुत, खूबसूरत वास्तुकला वाला मंदिर मध्य प्रदेश के ओरछा में स्थित है, जहां मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र भगवान नहीं बल्कि राजा के रूप में पूजे जाते हैं। मंदिर निर्माण के पीछे की कथा भी भक्ति से भरी पड़ी है। बेतवा नदी के किनारे बसा ऐतिहासिक कस्बा ओरछा की हर दीवार, हर पत्थर और हर हवा में इतिहास की कहानियां हैं। इन्हीं कहानियों में से एक है नारायण को समर्पित चतुर्भुज मंदिर। आइए जानते हैं मंदिर के बारे में खास बातें।

राजा मधुकर शाह के शासनकाल में हुआ था निर्माण - 1558 में बुंदेला राजवंश के राजा मधुकर शाह के शासनकाल में निर्मित यह मंदिर हिंदू मंदिर वास्तुकला का शानदार नमूना है। इस मंदिर का शिखर (विमान) 344 फीट की ऊंचाई तक पहुंचता है, जो भारत के सबसे ऊंचे मंदिर शिखरों में से एक है। नाम के अनुसार चतुर्भुज अर्थात चार भुजाओं वाला यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। लेकिन इस मंदिर की कहानी सिर्फ भव्यता और वास्तुकला तक सीमित नहीं है। इसमें एक अनोखा धार्मिक मोड़ भी है, जो आज भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा - किंवदंती के अनुसार, रानी गणेश कुंवारी ने एक स्वप्न देखा जिसमें भगवान राम ने उन्हें अपना मंदिर बनाने का आदेश दिया। रानी की भक्ति से प्रभावित होकर राजा मधुकर शाह ने मंदिर निर्माण की अनुमति दे दी। रानी अयोध्या गईं और वहां से भगवान राम की एक पवित्र मूर्ति लेकर लौटीं। मंदिर का निर्माण चल रहा था, लेकिन रानी ने सुरक्षा के कारण मूर्ति को कुछ समय के लिए रानी महल में रख दिया। जब मंदिर तैयार हो गया और मूर्ति को चतुर्भुज मंदिर में स्थापित करने का समय आया, तो मूर्ति अपनी जगह से हिली ही नहीं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, एक बार महल में स्थापित मूर्ति को हटाना वर्जित था। इस रहस्यमयी घटना के कारण राम की मूर्ति रानी महल में ही रह गई और वह महल राम राजा मंदिर में बदल गया, जहां आज भी भगवान राम की पूजा देवता के रूप में नहीं, बल्कि राजा के रूप में की जाती है।

भगवान राम चतुर्भुज स्वरूप में - वहीं, मूल रूप से राम के लिए बनाया गया चतुर्भुज मंदिर भगवान विष्णु यानी चतुर्भुज नारायण का धाम बन गया। मंदिर का निर्माण कई दशकों तक चला और मधुकर शाह के पुत्र वीर सिंह देव के शासनकाल में पूरा हुआ। मंदिर वास्तुकला का अद्भुत नमूना है, चतुर्भुज मंदिर 15 फीट ऊंचे चबूतरे पर बना है। इसका क्रॉस आकार वाला लेआउट बेसिलिका जैसा दिखता है। इसमें नागर शैली के साथ मुगल प्रभाव भी साफ देखा जा सकता है। मेहराबदार दरवाजे, बारीक नक्काशी, जालियां और ऊंचा शिखर इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं। मंदिर की ऊंचाई 105 मीटर (344 फीट) है, जो इसे दूर से ही आकर्षक बनाती है।

वास्तुकला और आस्था का अनोखा संगम - चतुर्भुज मंदिर पूरे वर्ष श्रद्धालुओं से भरा रहता है। जन्माष्टमी और वैकुंठ चतुर्दशी जैसे त्योहारों पर यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। मंदिर ना सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि बुंदेला राजवंश की भक्ति और कलात्मकता का भी प्रमाण है। ओरछा घूमने आने वाले पर्यटक चतुर्भुज मंदिर को देखकर हैरान रह जाते हैं। यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इतिहास, वास्तुकला और आस्था का अनोखा संगम है।

आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर

उनकी जन्मकुण्डली के ग्रह-नक्षत्र किन बातों की ओर करते हैं संकेत

वैशाख शुक्ल पंचमी आदिगुरु शंकराचार्य जयंती के रूप में मनाई जाती है। इस वर्ष 21 अप्रैल, मंगलवार को श्री आदिजगद्गुरु शंकराचार्य जयंती है। इस दिन को ज्योतिष दिवस के रूप में भी वर्षों से मनाया जा रहा है। शंकराचार्य की जन्मकुण्डली में ग्रह स्थिति ब्रह्माण्ड के अनेक रहस्यों का उजागर करती है, जब-जब धरती पर महान पुरुष अवतरित हुए हैं उस समय के ग्रह नक्षत्र उनकी महानता का संकेत कुण्डली के द्वादश भाव एवं नौ ग्रहों द्वारा दृष्टिगोचर होता है।

जन्मकुण्डली के ग्रह-नक्षत्रों का विश्लेषण - आदिगुरु शंकराचार्य का व्यक्तित्व अलौकिक गुणों से युक्त था। स्मार्त सम्प्रदाय में इन्हें भगवान शिव का अवतार भी माना गया है। आठ वर्ष की आयु में ही चारों वेदों का ज्ञान एवं 12 वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत तथा 16 वर्ष की आयु में उपनिषदों पर भाष्य लिखकर शंकराचार्य बनने के पीछे उनकी शसक्त जन्मकुण्डली और ग्रह नक्षत्रों का हाथ है।

कर्क लग्न का जन्म

विद्वानों के अनुसार आदिगुरु शंकराचार्य का जन्म कर्क लग्न में हुआ था, जन्मकुण्डली में ग्रहराज सूर्य अपनी उच्च अवस्था में विराजमान हैं, राहु लाभ स्थान पर वृष राशिगत है, कर्म स्थान पर मेष राशि का सूर्य, बुध तथा शुक्र अपना विशेष प्रभाव दिखाते हैं। दशम भाव में सूर्य पूर्ण रूप से बली होता है, दशम भाव में सूर्य दिग्बल प्राप्त करता है। आदिगुरु शंकराचार्य की कुण्डली में उच्च राशि का सूर्य दिग्बली होने के कारण कर्म क्षेत्र में वृद्धि कर रहा है।

अष्टम भाव से जुड़े हुए हैं गूढ़ रहस्य

अष्टम भाव को मृत्यु भाव कहा जाता है, यहाँ से अन्य भाव एवं ग्रहों के संयोग से आयु की गणना की जाती है। अष्टम भाव से ही गूढ़ विद्या एवं प्रकृति के रहस्यों को उजागर करने की शक्ति प्राप्त होती है। आदिगुरु शंकराचार्य की कुण्डली में अष्टम भाव में कुम्भ राशि का गुरु गूढ़ रहस्यों एवं वेद-पुराणों में पारंगत बना रहा है। अक्सर देखा गया है, जिन व्यक्तियों की जन्मपत्री में अष्टम भाव में बलवान अवस्था में गुरू बैठा हो, तो उनका झुकाव ज्योतिष, तंत्र, मंत्र आदि प्राच्य गूढ़ विद्याओं की तरफ होता है।

उदाहरण स्वरूप, जैसे धनु लग्न की जन्मपत्री में अष्टम भाव में उच्च का गुरू व्यक्ति को महान धर्म का ज्ञाता एवं ज्योतिर्विद बनाता है। धनु लग्न में गुरू लग्नेश की भूमिका में होता है, इसलिए अष्टम भाव में उच्च का गुरू ब्रह्माण्ड के अनेक रहस्यों को उजागर करता है। मीन राशि का मंगल भी सहयोगी है। शनि छठे घर में धनु राशि का, केतु पंचम स्थान पर वृश्चिक राशि का तथा चन्द्रमा मिथुन राशि में स्थित होकर आदिगुरु शंकराचार्य की कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

जब कोई साथ न दे, रास्ते बंद लगने लगे!

ये 10 संकेत बता रहे हैं कि शुरू होने वाला है आपका अच्छा समय

मुश्किल वक्तः बदलाव की पहली आहट जीवन का कठिन दौर अक्सर हमें तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि हमें नया बनाने के लिए आता है। कई लोग बताते हैं कि जब वे अपने सबसे कमजोर दौर से गुजर रहे थे, उसी समय उनके भीतर सबसे बड़ा परिवर्तन शुरू हुआ। नौकरी में असफलता, रिश्तों का टूटना या अकेलेपन का एहसास ये सब केवल घटनाएं नहीं, बल्कि संकेत भी हो सकते हैं।

अकेलापनः सजा नहीं, तैयारी आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में भीड़ के बीच अकेलापन महसूस करना आम हो गया है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि यह केवल मानसिक थकान नहीं, बल्कि आत्म-चिंतन का समय भी हो सकता है। जब व्यक्ति खुद के साथ समय बिताता है, तब वह अपनी असली इच्छाओं और लक्ष्यों को समझ पाता है।

रुकावटें क्यों आती हैं? कई बार हम पूरी मेहनत करते हैं, लेकिन परिणाम नहीं मिलते। यह स्थिति सबसे ज्यादा निराश करती है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह समय पुराने ढांचे के टूटने का होता है। जैसे किसी इमारत को मजबूत बनाने के लिए पहले उसे तोड़ा जाता है, वैसे ही जीवन में नई शुरुआत से पहले पुरानी चीजें हटती हैं।

रिश्तों का बदलना भी संकेत अचानक कुछ लोगों का दूर हो जाना या रिश्तों का खत्म होना अक्सर दर्द देता है। लेकिन यह भी एक स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकती है। हर व्यक्ति हमारे जीवन की हर यात्रा में साथ नहीं चलता। समय के साथ प्राथमिकताएं और रास्ते बदलते हैं, और उसी के अनुसार रिश्ते भी।

भीतर की यात्रा की शुरुआत एक और महत्वपूर्ण बदलाव तब दिखता है जब व्यक्ति बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने भीतर झांकने लगता है। पहले जहां शिकायतें होती थीं, अब सवाल उठने लगते हैं "मैं क्या चाहता हूं?" या "मैं सही दिशा में हूं या नहीं?" यही आत्म-विश्लेषण आगे बढ़ने का रास्ता खोलता है।

शांति की तलाश बढ़ना कई लोग महसूस करते हैं कि उन्हें अब भीड़ या शोर पसंद नहीं आता। वे शांत जगहों और सरल पलों में सुकून ढूंढने लगते हैं। यह बदलाव मानसिक परिपक्वता का संकेत हो सकता है।

सहनशक्ति का बढ़ना धीरे-धीरे व्यक्ति महसूस करता है कि जो बातें पहले उसे तोड़ देती थीं, अब उनका असर कम हो गया है। यही मानसिक मजबूती का संकेत है।

पुराने घाव क्यों लौटते हैं? कठिन समय में अक्सर पुरानी यादें और दर्द फिर से सामने आने लगते हैं। यह प्रक्रिया असहज जरूर होती है, लेकिन जरूरी भी। जैसे खेत को बोने से पहले साफ किया जाता है, वैसे ही मन को भी नए अनुभवों के लिए तैयार किया जाता है।

बिना कारण विश्वास क्यों आता है? कई बार बिना किसी ठोस वजह के भी भीतर से एक आवाज आती है कि "सब ठीक हो जाएगा।" मनोविज्ञान में इसे आंतरिक विश्वास कहा जाता है, जो कठिन समय में व्यक्ति को आगे बढ़ने की ताकत देता है।

दृष्टिकोण में बदलाव जब व्यक्ति दूसरों की राय से प्रभावित होना कम कर देता है, तब वह अधिक स्वतंत्र महसूस करता है। यही स्वतंत्रता उसे अपने फैसले खुद लेने का साहस देती है।

लोगों के जीवन के यू-टर्न को यदि हम सुनें तो प्रेरणा मिलेगी

सभी लोगों के जीवन में यू-टर्न जरूर आता है। यानी कोई ऐसी घटना, जिसने जीवन की चाल बदल दी।

तो हमारे जीवन में कभी कठिन समय चल रहा हो और हम प्रेरणा लेना चाहें तो कुछ सफल और असफल लोगों के जीवन के यू-टर्न से प्रेरणा लीजिए कि इनके जीवन में कब-कब ऐसा कुछ घटा, जिसने इनको ऊंचाई या निचाई दे दी।

और इसके लिए आपको तसल्ली से दूसरों को सुनना पड़ेगा।

यदि कोई उलझन में हो, परेशानी में हो तो उसे भी खूब दिल खोलकर सुनिए। अब तो दूसरों का डिप्रेशन दूर करने के लिए, उनकी उलझन मिटाने के लिए कॉल सेंटर खुल गए हैं। कनाडा के मोंट्रियल शहर में एक कॉल सेंटर खुला है, जो अपने आप में हेल्पलाइन है। उसको टेल-एड मोंट्रियल कहते हैं।

यहां जब कोई फोन लगाए तो सामने वाला आपकी बात तसल्ली से सुनता है। कोई जजमेंट नहीं देता, बस सुनता है। तो लोगों के जीवन के यू-टर्न को यदि हम सुनें तो हमें प्रेरणा मिलेगी, सामने वाला हल्का हो जाएगा और दोनों का काम हो जाएगा।

आंखों में आंसू, जुबां पर मां का नाम!

आपदा के बाद खुले मचेल माता के कपाट जय माता दी से गूंजा किश्तवाड़

जम्मूः किश्तवाड़ के पाडर इलाके में स्थित पवित्र मचेल माता मंदिर के कपाट लगभग 3 महीने के बाद बैसाखी पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलते ही हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में हाजिरी लगाई और जयकारे लगाए। लेकिन इस बार यह आयोजन केवल एक सामान्य धार्मिक यात्रा तक सीमित नहीं है। बल्कि यह एक भीषण त्रासदी के बाद जीवन के फिर से उठ खड़े होने और अटूट आस्था का एक भावुक प्रतीक बन गया है।

पिछले साल आई थी प्राकृतिक आपदा

गौरतलब है कि पिछले साल इसी क्षेत्र के चसौती गांव में आई भीषण प्राकृतिक आपदा ने भारी तबाही मचाई थी। जिसमें 60 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। उस आपदा ने भले ही इस शांत पहाड़ी इलाके में कई घर उजाड़ दिए हों और अपनों को छीन लिया हो, लेकिन वह यहां के लोगों की आस्था को नहीं डिगा सकी। तीन महीने बाद जब मंदिर के दरवाजे दोबारा खुले तो श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इस बात की गवाह बनी कि विपत्ति के समय में भी मनुष्य अपने विश्वास और अध्यात्म से ही आगे बढ़ने की शक्ति प्राप्त करता है।

मचेल माता के कपाट खुलना दिया ये संदेश

चसौती गांव की उस भयानक त्रासदी के घाव अभी हरे हैं। मंदिर परिसर में पहुंचे स्थानीय श्रद्धालुओं की आंखों में माता के दर्शन की खुशी तो थी, लेकिन साथ ही उन 60 दिवंगत आत्माओं के लिए शांति की सामूहिक प्रार्थना भी थी। कई परिवार जिन्होंने उस प्राकृतिक आपदा में अपने परिजनों को खोया था। वे भी माता के दरबार में सुकून और सांत्वना की तलाश में पहुंचे। बैसाखी का त्योहार नई फसल और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में मचेल माता के कपाट खुलना इस बात का संदेश है कि आपदा के खौफनाक साये के बाद अब फिर से जीवन पटरी पर लौट रहा है।

इस बार विशेष ध्यान दिया गया है

पिछले साल की दर्दनाक घटना से सबक लेते हुए इस बार प्रशासन और स्थानीय कमेटियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। मौसम की लगातार निगरानी और रास्तों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि आस्था के इस सफर में कोई और अनहोनी न हो।

चाणक्य ने बताए पार्टनर को खुश रखने के 4 सूत्र

कभी आपने महसूस किया है कि कुछ रिश्ते बिना किसी वजह के मन को सुकून दे जाते हैं, जबकि कुछ रिश्ते होते हुए भी अधूरे लगते हैं? यही फर्क समझाने के लिए चाणक्य नीति आज भी प्रासंगिक मानी जाती है। आचार्य चाणक्य ने रिश्तों को सिर्फ निभाने की नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी और संतुलन के साथ मजबूत बनाने की सीख दी है। आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में जहां लोग अक्सर अपने फायदे के हिसाब से रिश्ते बनाते हैं, वहीं सच्चे दोस्त और जीवनसाथी की पहचान करना आसान नहीं रह गया है। लेकिन अच्छी बात यह है कि अगर सही नजरिया अपनाया जाए, तो हर रिश्ता मजबूत, सच्चा और खुशहाल बन सकता है। इस लेख में हम आपको चाणक्य नीति के 4 ऐसे सकारात्मक सूत्र बता रहे हैं, जो आपके रिश्तों को बेहतर बना सकते हैं।

रिश्तों की असली ताकतः समझ और संतुलन

रिश्ते सिर्फ साथ रहने या बातें करने से नहीं बनते, बल्कि एक-दूसरे को समझने और सम्मान देने से मजबूत होते हैं। चाणक्य के अनुसार, सही व्यवहार और संतुलित सोच से कोई भी रिश्ता लंबे समय तक टिक सकता है।

हर समय साथ निभाने की आदत

जरूरत ही नहीं, अपनापन भी दिखाएं

सच्चा दोस्त या जीवनसाथी वही होता है, जो सिर्फ जरूरत के समय ही नहीं, बल्कि बिना किसी कारण भी आपके साथ जुड़ा रहे।

जैसे, एक दोस्त जो बिना काम के भी हाल-चाल पूछ ले, या जीवनसाथी जो छोटी-छोटी खुशियों में शामिल हो यही रिश्ते को खास बनाते हैं।

भावनाओं की कद्र करना

सुनना भी है रिश्ते की मजबूती

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी बात को समझा जाए। अगर आप अपने पार्टनर या दोस्त की भावनाओं को महत्व देते हैं, तो रिश्ता अपने आप गहरा हो जाता है।

उदाहरण के तौर पर, जब कोई मुश्किल में हो और आप सिर्फ सलाह देने के बजाय उसे ध्यान से सुनें तो यह भरोसा बढ़ाता है।

बराबरी से निभाना रिश्ता

एकतरफा नहीं, साथ मिलकर चलें

चाणक्य नीति कहती है कि संतुलन हर रिश्ते की नींव है। अगर दोनों तरफ से प्रयास हो, तो रिश्ता मजबूत बनता है।

मान लीजिए, दोस्ती में एक व्यक्ति हमेशा पहल करता है, तो धीरे-धीरे दूरी बढ़ सकती है। लेकिन जब दोनों बराबरी से समय और प्रयास देते हैं, तो रिश्ता टिकाऊ बनता है।

सफलता में सच्ची खुशी

एक-दूसरे की तरक्की में साथ दें

सच्चे रिश्ते की पहचान यह है कि वह आपकी सफलता में दिल से खुश हो। अगर आपका जीवनसाथी या दोस्त आपकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता है और आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, तो यह रिश्ता लंबे समय तक खुशहाल रहता है।

कैसे बनाएं रिश्तों को और बेहतर

रिश्तों को मजबूत बनाना कोई मुश्किल काम नहीं, बस थोड़ी समझदारी और ईमानदारी की जरूरत होती है।

-समय दें और संवाद बनाए रखें

-छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढें

-भरोसे को सबसे ऊपर रखें

-जरूरत पड़ने पर खुलकर बात करें

कभी-कभी एक छोटी सी कोशिश भी रिश्ते में बड़ा बदलाव ला सकती है। कभी-कभी "ना" कहना भी खुद के लिए सबसे बड़ा "हां" होता है।

हर रिश्ता सच्चा नहीं होता, और हर मुस्कान के पीछे साफ इरादे नहीं होते। समझदारी इसी में है कि हम लोगों को उनके व्यवहार से पहचानें, ना कि सिर्फ उनकी बातों से। सही समय पर सही फैसला आपको मानसिक शांति दे सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 अप्रैल - 2026

गर्मी का कहर: सूरज देवता का गुस्सा चरम पर

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में अप्रैल का अंतिम सप्ताह आग की लपटों भरा साबित हो रहा है। सूरज की तपिश ने आम आदमी को घर की चौखट से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया है, लेकिन बाहर निकलते ही पसीने की धाराएं बहने लगती हैं। इंसान ही नहीं, सड़कों पर भटकते कुत्ते, पेड़ों की डालियों पर तड़पते पक्षी और खेतों में लू के थपेड़ों से परेशान पशु भी इस गर्मी के सितम से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग की चेतावनी ने हड़कंप मचा दिया है, दोपहर के समय बेवजह बाहर न निकलें, वरना जान जोखिम में पड़ सकती है। राज्य में पारा 45 डिग्री को छू चुका है और आने वाले दिनों में 47-48 तक पहुंचने की आशंका है। अमीरों के पास एयर कंडीशनर और कूलर हैं, लेकिन गरीब जनमानस, जो झोपड़ियों में रहता है, वह इस भट्ठी जैसे मौसम से कैसे जूझ रहा है? सभी जिलों में ऐसे गर्मी से पीड़ित लोगों की दास्तान एक जैसी नजर आ रही है।

लखनऊ की सड़कें दोपहर में वीरान हो जाती हैं। राजधानी का तापमान 44 डिग्री पार कर गया है। यहां के झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रहने वाले मजदूर रामू कहते हैं, साहब, दिन भर ठेला खींचते हैं, लेकिन दोपहर में छाया ढूंढते फिरते हैं। घर में तो पंखा भी गर्म हवा उड़ाता है। रामू जैसे हजारों लोग गर्मी से बचने के लिए पुराने कपड़ों से छत पर छाया बनाते हैं या नदी किनारे सोते हैं। बच्चे स्कूल से लौटते ही मिट्टी के घड़े से पानी पीते हैं। अमीर बस्तियों में कूलर की आवाज गूंजती है, लेकिन गरीबों के लिए एक गीला कपड़ा ही सहारा है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ रहे हैं। पिछले तीन दिनों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। महिलाएं रात को भी पसीने से तरबतर रहती हैं, नींद नहीं आती। वे कहती हैं, बच्चों को गोद में लेकर लेटती हैं, लेकिन गर्मी इतनी कि सांस लेना मुश्किल।

कानपुर में हालात और भयावह हैं। यहां का पारा 45.5 डिग्री तक पहुंच गया। चमड़ा उद्योग के मजदूरों का दर्द सबसे ज्यादा है। फूलपुर की तंग गलियों में रहने वाली शकुंतला बाई बताती हैं, घर में बिजली नहीं आती, पंखा चले तो भी क्या। दिन भर सड़क पर पानी बेचते हैं, लेकिन खुद को पानी नहीं मिलता। वे गर्मी से निपटने के लिए नीम की पत्तियां चबाती हैं और सिर पर गीला तौलिया बांधती हैं। बच्चे दोपहर में खेलना भूल गए हैं, बस घर के अंदर अंधेरे कमरे में दुबके रहते हैं। पशु चिकित्सालयों में गर्मी से मरते जानवरों की संख्या बढ़ रही है। कुत्ते और गायें लू के थपेड़ों से गिर पड़ी हैं। किसान खेतों में फसलें सूखते देख रो रहे हैं, लेकिन खुद भी डिहाइड्रेशन से जूझ रहे हैं। गंगा नदी किनारे लोग नहाने जाते हैं, लेकिन पानी भी गुनगुना हो चुका है।

वाराणसी के घाटों पर गर्मी ने घाटों को सुनसान कर दिया। पारा 46 डिग्री के करीब है। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु अब सुबह जल्दी उतरते हैं, दोपहर में तो घाट खाली पड़े रहते हैं। काशी की गलियों में रहने वाले रिक्शा चालक रामप्रसाद कहते हैं, पैसेंजर नहीं मिलते, लेकिन भूखे नहीं सो सकते। गर्मी से सिर चकराता है, नमक-पानी का घोल पीते हैं। गरीब परिवारों में महिलाएं चूल्हा जलाना बंद कर देती हैं, बस ठंडे चावल खा लेती हैं। बच्चे स्कूल नहीं जाते, घर में लेटे रहते हैं। बुजुर्गों की हालत सबसे खराब है। वे छत पर सोने की कोशिश करते हैं, लेकिन हवा भी आग की तरह गर्म। गौशालाओं में गायें दम तोड़ रही हैं, चारा सूख चुका है। डॉक्टर सलाह देते हैं, नारियल पानी पिएं, लेकिन गरीबों के लिए वह भी महंगा साबित हो रहा है।

प्रयागराज में संगम का पानी भी गर्म हो गया है। कुंभ क्षेत्र के आसपास रहने वाले मजदूरों का जीवन नर्क बन गया। तापमान 45 डिग्री से ऊपर। झोपड़ियों में रहने वाली विधवा कमला कहती हैं, पति चले गए, अब ये गर्मी ही दुश्मन है। दिन भर पानी के टैंकर के इंतजार में खड़ी रहती हूं। बच्चे डायरिया से पीड़ित हो रहे हैं, अस्पताल भरे पड़े हैं। रात में भी नींद नहीं आती, लोग नदी किनारे इकट्ठा होकर हवा का इंतजार करते हैं। किसानों की फसलें जल रही हैं, आलू और गेहूं बर्बाद हो गए। पशु-पक्षी भी तड़प रहे हैं। स्थानीय लोग पुरानी परंपरा निभा रहे हैं, गर्मी से बचने के लिए गुड़-चने खाते हैं और सिर पर पगड़ी बांधते हैं। आगरा में ताजमहल की संगमरमर की चादरें भी गर्म हो रही हैं। पारा 44.8 डिग्री। पर्यटन प्रभावित हो गया है, लेकिन गरीब दिहाड़ी मजदूरों का क्या? सिकंदरा की बस्तियों में रहने वाले मोहन लाल कहते हैं, एसी का सपना देखते हैं, लेकिन गीले कपड़े से काम चलाते हैं। शाम को पार्क में सोते हैं। महिलाएं सिर पर भुट्टा भूनकर बेचती हैं, लेकिन खुद भूखी रह जाती हैं। बच्चे दोपहर में छुप जाते हैं, खेलना बंद। अस्पतालों में इलेक्ट्रोलाइट की किल्लत हो गई है। खेतों में किसान मूंगफली की फसल बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन लू ने सब बर्बाद कर दिया। सड़कों पर कुत्ते बेहोश पड़े मिल रहे हैं।

मेरठ में गन्ने के खेत सूख रहे हैं। तापमान 45.2 डिग्री। उद्योग क्षेत्र के मजदूर दोपहर को छुट्टी ले लेते हैं, लेकिन गरीब किसान खेतों में ही डटे रहते हैं। लिसाड़ी गेट की झोपड़ियों में रहने वाली राधा कहती हैं, पंखा नहीं, बिजली बिल भर नहीं पाते। छत पर भूसे का पहाड़ा बनाया है। बच्चे स्कूल जाना छोड़ चुके हैं, घर में दुबके रहते हैं। रात को बिजली कट जाती है, तो गर्मी और बढ़ जाती। पशुओं को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है, ज्यादा पानी पिएं, लेकिन गरीबों के पास पीने का ही अभाव है।

झांसी में बुंदेलखंड की धरती तप रही है। पारा 46.5 डिग्री तक। यहां सूखे की मार पहले से थी, अब गर्मी ने काम तमाम कर दिया। महोबा रोड की बस्ती में रहने वाले किसान हरि सिंह बताते हैं, फसल मर गई, मजूरी भी नहीं मिल रही। गर्मी से बचने के लिए कीकर के पेड़ तले सोते हैं। महिलाएं चमेली के फूल तोड़कर बेचती हैं, लेकिन सिर पर गर्मी का बोझ। बच्चे डिहाइड्रेशन से गिर रहे हैं। गौशालाओं में हजारों पशु मर चुके हैं। नर्मदा नदी सूखी पड़ी है। लोग नींबू पानी बनाकर पीते हैं, लेकिन चीनी भी महंगी।

गोरखपुर में पूर्वांचल का पारा 44 डिग्री पार। बाढ़ के बाद अब गर्मी की बारी। कुशीनगर रोड पर झोपड़पट्टी में रहने वाली सुनीता कहती हैं, बच्चे रोते रहते हैं, ठंडक नहीं मिलती। नदी में नहाते हैं, लेकिन पानी गर्म। मजदूर ईंट भट्ठों पर काम करते हैं, लेकिन दोपहर बंद। अस्पतालों में सांप के काटने के साथ हीट स्ट्रोक के केस बढ़े। किसान धान की नर्सरी डालने से हिचक रहे हैं। पशु पानी के टैंकरों पर निर्भर।अलीगढ़ और मुरादाबाद में भी यही हाल। अलीगढ़ में लॉक उद्योग ठप, मजदूर घरों में कैद। मुरादाबाद की गलियों में चमड़े के कामगार पसीने से लथपथ। हर जगह गरीब जनमानस घरेलू नुस्खों पर जी रहा है। गुलकंद खाना, प्याज का रस पीना, सिर पर ठंडा पानी डालना। बच्चे मिट्टी में लोटते हैं, ठंडक के लिए। महिलाएं रात भर जागती हैं, पति को ठंडा पानी पिलाती हैं। बुजुर्ग दुआ मांगते हैं, बारिश की। कुल मिलाकर इस गर्मी ने उत्तर प्रदेश को भट्टी बना दिया है।

सख्ती से ही समाधान

राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर लगातार बढ़ते सड़क हादसे चिंता का सबब बन चुके हैं। सरकार ने इन सड़कों को तेज और सुरक्षित यात्रा के उद्देश्य से बनाई है, लेकिन यही मार्ग कई बार बडी दुर्घटनाओं का कारण बनते जा रहे हैं। ऐसे में नियमों के सख्त पालन और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करके ही इन दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस गंभीर समस्या पर चिंता जताते हुए स्पष्ट कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर प्रशासन की लापरवाही और अव्यवस्था के कारण सड़कें 'खतरों का गलियारा' बनती जा रही हैं। अदालत ने निर्देश दिया है कि बिना वाहनों की पार्किंग को हाईवे किनारे पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए और अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण को समयबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह आदेश केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा की दिशा में ठोस पहल का संकेत है। देखा जाए तो सड़क दुर्घटनाओं के पीछे केवल चालक की गलती ही जिम्मेदार नहीं होती। कई बार सड़क किनारे खड़े भारी वाहन, अपर्याप्त चेतावनी संकेत, खराब रोशनी और अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था भी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं। रात के समय इन समस्याओं का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में हाईवे पर पर्याप्त लाइटिंग, कैमरे और चेतावनी संकेतों की व्यवस्था अनिवार्य रूप से किया जाना आवश्यक है। सरकार द्वारा पिछले वर्षों में सड़कों के निर्माण पर करोड़ों नहीं बल्कि अरबों रुपये खर्च किए गए हैं। एक्सप्रेस-वे को भी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। लेकिन यदि इन सड़कों पर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होता है, तो यह निवेश आखिर किस काम का है। सड़क निर्माण के साथ-साथ उसकी निगरानी और रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है, जितना कि निर्माण। सुरक्षा उपायों की अनदेखी से न केवल हादसे बढ़ते हैं, बल्कि पीड़ित परिवारों को जीवनभर का दर्द भी झेलना पड़ता है। हाईवे पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई स्थानों पर ट्रक और अन्य भारी वाहन सड़क किनारे खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे तेज रफ्तार वाहनों के लिए खतरा बढ़ जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जिला प्रशासन और परिवहन विभाग को इस दिशा में स्पष्ट निर्देश देना एक सकारात्मक कदम है। यदि इन निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए, तो कोई कारण नहीं बनता कि सड़कों पर विभत्स दुर्घटनाओं का दृश्य कहीं देखने को मिल जाए। इसके साथ ही पुलिस और परिवहन विभाग की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि वे नियमित निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। केवल निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी समानरूप से ध्यान देना भी आवश्यक है। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की ही जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिकों का भी कर्तव्य है। वाहन चालकों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए सावधानी और जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाना चाहिए। यदि प्रशासन सख्ती और नागरिक जागरूकता साथ-साथ आगे बढ़ें, तो निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

अपर्णा यादव के झंडा जलाने पर समाजवादियों ने किया पुलिस केस

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधानसभा के सामने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के झंडे जलाने वाली घटना ने मुलायम सिंह यादव के परिवार में छिपी रस्साकशी को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और मुलायम के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव ने महिला आरक्षण बिल के संसद में पारित न होने पर यह कड़ा कदम उठाया। इस कृत्य से सपा के नेता भड़क उठे हैं और हजरतगंज कोतवाली में अपर्णा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तहरीर दे दी गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे इमोशन हर्ट करने वाला बताते हुए नरमी बरती, लेकिन परिवार के इस खुल्लमखुल्ला टकराव ने मुलायम खानदान की राजनीतिक एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपर्णा का यह बागी तेवर नया नहीं है; वे पहले भी कई बार सपा के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल चुकी हैं, जो परिवार की आंतरिक जंग को और गहरा बनाता जा रहा है।

महिला आरक्षण बिल का संसद में अटकना विपक्षी दलों के लिए राजनीतिक मुद्दा बन गया था। अपर्णा यादव, जो भाजपा की टिकट पर 2022 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ के पुष्पांजलि विधान क्षेत्र से जीतीं, ने इसे महिलाओं के अपमान के रूप में देखा। विधानसभा भवन के सामने धरना देते हुए उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। अपर्णा ने कहा, महिलाओं के हक के लिए यह जरूरी था। सपा और कांग्रेस ने बिल पास नहीं होने दिया, इसलिए उनका विरोध जायज है। यह घटना लखनऊ की सियासी गलियों में आग की तरह फैल गई। सपा नेताओं ने इसे पार्टी के सम्मान पर हमला करार दिया। पूर्व विधायक मनोज कुमार ने तहरीर देते हुए कहा, यह अराजकता है। अपर्णा को पद से हटाया जाए और कानूनी कार्रवाई हो। अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया दिलचस्प रही। उन्होंने कहा, किसी के इमोशन को हर्ट नहीं करना चाहिए। यह बयान अपर्णा के प्रति अप्रत्यक्ष निंदा तो था, लेकिन परिवार की एकता बचाने की कोशिश भी नजर आई। अखिलेश, जो मुलायम के बड़े बेटे और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लंबे समय से परिवार में प्रभुत्व बनाए हुए हैं। अपर्णा का भाजपा से जुड़ाव और अब खुला विरोध उन्हें चुनौती दे रहा है। मुलायम सिंह यादव का निधन 2022 में होने के बाद परिवार दो धड़ों में बंट चुका था: अखिलेश गुट और प्रतीक-अपर्णा गुट। अपर्णा ने 2024 लोकसभा चुनाव में सपा के खिलाफ भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया था, जो पारिवारिक कलह का प्रतीक था। अब झंडा जलाने की घटना ने इस रस्साकशी को चरम पर पहुंचा दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अपर्णा का यह कदम भाजपा हाईकमान को संदेश है कि वे सपा के खिलाफ मुखर रहेंगी, जिससे उत्तर प्रदेश की सियासत में नया मोड़ आ सकता है।अपर्णा का सपा विरोध कोई आज की बात नहीं है। 2022 विधानसभा चुनाव से पहले ही उन्होंने सपा छोड़ दी थी। मुलायम के निधन के बाद परिवार में संपत्ति और राजनीतिक विरासत के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ। अपर्णा ने सपा को महिला विरोधी बताते हुए भाजपा जॉइन की। चुनाव में उन्होंने अखिलेश के करीबी को हराया, जो सपा के लिए बड़ा झटका था। उसके बाद 2023 में सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से प्रतीक यादव को हटाए जाने पर अपर्णा ने खुलकर अखिलेश की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था, सपा में भाईचारे का नामोनिशान नहीं बचा।

2024 लोकसभा चुनाव के दौरान अपर्णा ने लखनऊ में सपा प्रत्याशी रवि प्रकाश को निशाना बनाया और भाजपा की राजा भैया का प्रचार किया। एक रैली में उन्होंने सपा पर परिवारवाद का आरोप लगाया, जो अखिलेश के लिए व्यक्तिगत आघात था।

नौकरी में यौन उत्पीड़न : टीसीएस से लेंसकार्ट तक फायदा उठाते दरिंदे

स्नेहा सिंह

आज के माहौल में यह जानना भी ज़रूरी हो गया है कि अपनी बेटी या बहू किस कंपनी में काम करती है, कंपनी कहां स्थित है और उसका तत्काल बॉस कौन है।

शिक्षित महिलाएं अपने ज्ञान का उपयोग आर्थिक कमाई के लिए कर रही हैं और अपने परिवार तथा समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। विदेशों की तरह महानगरों में पति-पत्नी दोनों नौकरी कर समृद्ध जीवन जीते हैं और अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दे पाते हैं। कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है और कई कंपनियों में महिला सीईओ भी देखने को मिल रही हैं। स्टार्टअप क्षेत्र में भी महिलाएं शीर्ष स्थान पर हैं।

नौकरी करने वाली महिलाओं को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें यौन उत्पीड़न भी शामिल है।

हालांकि इस समस्या से निपटने की समझ उनमें विकसित हुई है और कानून भी उनकी रक्षा के लिए मौजूद हैं।

टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) की नासिक शाखा में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न और कथित धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला देशभर की कार्पोरेट कंपनियों में चर्चा का विषय बन गया है। इस घटना के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं और उनके परिवारों में सतर्कता बढ़ी है।

सभी कंपनियों में ऐसा नहीं होता, लेकिन जब प्रतिष्ठित कंपनी में भी ऐसे आरोप सामने आते हैं, तो छोटे संस्थानों की स्थिति पर सवाल उठता है।

जहां मानव संसाधन (एचआर) विभाग होता है, वहां यदि वही जिम्मेदार व्यक्ति गलत आचरण करने लगे तो कर्मचारियों के पास विकल्प सीमित हो जाते हैं। कर्मचारियों का मूल्यांकन एचआर रिपोर्ट पर निर्भर करता है और नकारात्मक रिपोर्ट नौकरी को खतरे में डाल सकती है। ऐसे में कई लोग मजबूरी में चुप रह जाते हैं।

कई बार कर्मचारियों पर अलग-अलग तरह के दबाव डाले जाते हैं।

जो लोग विरोध नहीं कर पाते, वे धीरे-धीरे परिस्थितियों के आगे झुक जाते हैं और शोषण का शिकार बनते हैं। महिलाओं की चुप्पी को अक्सर उनकी सहमति समझ लिया जाता है, जो एक गलत मानसिकता को दर्शाता है। जहां लाचारी होती है, वहीं शोषण जन्म लेता है।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब नौकरी की मजबूरी का फायदा उठाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जाता है। देश में महिलाओं ने कई ऊंचे पद हासिल किए हैं, महिला मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रपति तक, फिर भी कार्यस्थल पर वे शोषण का आसान लक्ष्य बन जाती हैं, खासकर मध्य स्तर की नौकरी करने वाली महिलाएं। कुछ महिलाएं विरोध कर नौकरी छोड़ देती हैं, जबकि कुछ मजबूरी में सहन करती रहती हैं। टीसीएस प्रबंधन की सराहना की जा सकती है कि उसने आरोप सामने आने पर त्वरित कार्रवाई की और जांच में सहयोग दिया। मामला अब अदालत के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है, जहां विभिन्न तरह की राय सामने आ रही हैं।

कोई भी कंपनी यह दावा नहीं कर सकती कि वहां यौन उत्पीड़न के मामले बिलकुल नहीं होते। महिलाओं को रोजमर्रा में छोटी-बड़ी टिप्पणियां, मजाक या अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ता है, चाहे वह आफिस हो या सार्वजनिक परिवहन।

कई कंपनियां ड्रेस कोड और व्यवहार संबंधी नियम बनाती हैं, लेकिन कर्मचारियों की मानसिकता बदलना आसान नहीं है।

आधुनिकता का दिखावा करने वाली कंपनियों के भीतर भी कई बार अंधेरा छिपा होता है। पब्लिक रिलेशन और छवि प्रबंधन के कारण कई घटनाएं सामने नहीं आ पातीं।

धर्म परिवर्तन का मुद्दा संवेदनशील है। यदि यह स्वेच्छा से हो तो स्वीकार्य है, लेकिन दबाव या मजबूरी में हो तो विवाद उत्पन्न होता है। नौकरी करने वाली महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारियां भी होती हैं, जिसके कारण वे कई बार नौकरी छोड़ने का जोखिम नहीं उठा पातीं।

कार्पोरेट जगत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और वे नेतृत्व की भूमिकाओं में भी आगे आई हैं।

दूसरी ओर कई महिलाएं अब गलत व्यवहार को नजरअंदाज करने के बजाय उसका विरोध करना सीख रही हैं और आवश्यकता पड़ने पर शिकायत भी करती हैं।

लेंसकार्ट जैसी कंपनी भी ड्रेस कोड विवाद में घिरी थी, जहां बिंदी या टीका लगाने पर रोक की बात सामने आई थी, जिसे बाद में कंपनी ने स्पष्ट किया। सोशल मीडिया पर इसकी कड़ी आलोचना हुई।

कई राज्यों में मल्टीनेशनल कंपनियां हैं, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं काम करती हैं। कुछ मामलों के बाद कंपनियों ने सुरक्षा उपायों को मजबूत किया है। पॉश एक्ट (2013) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित एक महत्वपूर्ण कानून है। इसके तहत कुछ प्रमुख न्यायिक निर्णय-

विशाखा बनाम राज्य राजस्थान-सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न महिला के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

एपरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल बनाम ए.के. चोपड़ा-नियोक्ता कर्मचारियों के आचरण के लिए जिम्मेदार हैं।

टीसीएस आईसीसी बनाम तनुजा प्रिया भट्ट-सुरक्षित कार्यस्थल और प्रभावी आंतरिक शिकायत समिति आवश्यक है।

पूर्णिमा अडवाणी बनाम भारत संघ-पॉश कानून सरकारी संस्थानों पर भी लागू होता है।

संचयनी शर्मा बनाम नेशनल इंश्योरेंस-यौन उत्पीड़न केवल शारीरिक ही नहीं, मौखिक/इशारों में भी हो सकता है।

मधु बनाम राज्य केरल-आरोपों को संभावना के आधार पर भी सिद्ध किया जा सकता है।

अंजलि भारद्वाज बनाम भारत संघ-सभी सरकारी विभागों में शिकायत समितियां अनिवार्य हैं।

एचडीएफसी बैंक बनाम विनोद कुमार-तीसरे पक्ष द्वारा उत्पीड़न होने पर भी नियोक्ता जिम्मेदार हो सकता है।

कमलजीत कौर बनाम पंजाब एंड सिंध बैंक-शिकायत समिति का गठन न होने पर नियोक्ता दोषी माना जा सकता है।

विनिता श्रीवास्तव बनाम सहारा इंडिया-जीरो टोलरेंस नीति अपनाने पर ज़ोर। यह लेख कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता और कानूनी अधिकारों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

वैश्विक औसत से बहुत दूर है सत्ता में महिलाओं की भागीदारी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी ओर विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हांलाकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विष्लेषण करे तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहे या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक महिलाओं की बढ़ नहीं पाई है। महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रौचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हांलाकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थी। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही।

जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य है। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य है। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य है।

खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं है। जहां महिलाओं की सीटे आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। आज सरपंच पति या प्रधान पति वाली बात भी नहीं रही है। पिछले चुनाव परिणाम भी यह साफ कर चुके हैं कि आज महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेती है। यही कारण है कि सरकार बनने और बनाने में महिलाओं मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और अधिक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसे में एक बात साफ हो जानी चाहिए कि बिना आरक्षित सीटों के विधानसभाओं या संसद में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी बढ़ने की कल्पना करना बेमानी होगी। यह तो संवैधानिक बाध्यता से ही संभव हो पाएगा।

खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे

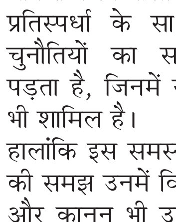

डॉ टी महादेव राव

गुब्बारे में हवा फुलाकर जिस तरह उसे बड़ा बताया जाता है ठीक उसी तरह एक आवारा बिल्ला उस मोहल्ले में सीना तानकर चलता। खुद को बलवान और महान बताता। कुछ बिल्लियां उससे प्रभावित थीं जिन्हें बिल्ले के साथ रहकर खाना पीना और इज्जत मिल जाती थी।

इन चेलों और चेलियों की अंधभक्ति से बिल्ला भूल गया कि वह बिल्ला है, शेर नहीं। खुद को शेर का वंशज मानता रहा कुछ दिनों तक। बाद में खुद को शेर मानने लगा, कहने लगा। किसी से भी कहीं भी भिड़ जाना, बेवजह दावा बोलना और चिल्ला चिल्लाकर मोहल्ले को सिर पर उठा लेना आम बात हो गई बिल्ले की। उसी मोहल्ले में कुछ वफादार कुत्ते भी थे, जो बिल्ले और बिल्लियों की हरकतों से वाकिफ़ थे और इन्हें कमजोर और कामचोर मानकर इनके मुंह नहीं लगते थे।

इनकी चुप्पी को उनकी कमजोरी और अपनी बहादुरी मानकर लकड़ी के फट्टे की तरह बिल्ला ग्रुप ऐंठता।

दूसरे मोहल्ले का एक बिल्ला आया और वह घमंडी बिल्ले को दरकिनार कर कुत्तों से मिला और बताया कि यह उस मोहल्ले से भागा हुआ घमंडी बिल्ला है जिसे बहुत मार पड़ी थी वहां जब घरों से दूध दही चोरी से खा जाता था। देखो इसके दाहिना कान नीचे से कटा हुआ है, यह तभी हुआ था।

कुत्तों को घमंडी बिल्ले को छेड़ने और सताने का मौका मिल गया। रोज बहस मुबाहिसा होता। कई कई बार बिल्ला नदारद पाया जाता सिर्फ कुछ बिल्ले और बिल्लियां कुत्तों से लड़ती झगड़तीं। वैसे बिल्लियों की संख्या कुत्तों से ज्यादा थी। इसलिए वे खुद को मोहल्ले के दादा, नाना, राजा पता नहीं क्या क्या समझते थे। बिल्ला भी इसी मुगालते मे था। उसने सोच क्यों न एक मीटिंग कराकर खुद को मोहल्ले का शहंशाह घोषित कर दिया जाए।

मीटिंग में कुत्तों ने कहा जैसा चल रहा हा, तुम लोगों को खाना पीना मिल रहा है, वैसे ही रहो। ज्यादा तीन पांच न करो। लेकिन अहंकारी बिल्ला न माना। जब से दूसरे मोहल्ले से पिटकर आने वाली बात सामने आई तब से बिल्ले का समर्थन और जी हुजूर करने वाले कम होने लगे।सो चिल्ल पों, म्याऊं म्याऊं और भौ भौ के बीच कुछ भी ठीक नहीं था। आवाज़ों से घबराकर बोला और उसके साथी खामोश हो गए। कुत्तों ने जीत की जश्न मनाई। बिल्ला और उसकी बिल्लियां अपना सा मुंह लेकर रह गए।

बिल्ले को खुश करने अब बिल्लियों में से कुछ इनी गिनी बिल्लियों ने मोर्चा निकालने की सोची।

कुत्तों के घरों के सामने कुछ बिल्लियों ने धरना दिया। कुत्ते डाउन डाउन, बिल्लियां जिंदाबाद, कुत्ता नहीं, बिल्ला चाहिए। हमें राजा होने का बिल्ला चाहिए म्याऊं म्याऊं की आवाजों से बेखबर कुत्ते अपने अपने घरों में आराम कर रहे थे। जब बिल्लियों ने देखा कि कोई असर नहीं हो रहा है तो वे खिसिया गईं और सामने दिखे खंभे को एक साथ नोचने लगीं। अचानक सारी बिल्लियां दहाड़ मारकर खंभे से दूर गिर गईं क्यों शॉर्ट सर्किट के कारण खंभे से उन्हें बिजली का झटका जो लगा था।

नियमित रूप से पीना शुरू करें जौ का पानी बिना दवाइयों के दूर होंगी कई दिक्कतें!

पुराने समय में लोग अपने शरीर को स्वस्थ और ताजगीपूर्ण बनाए रखने के लिए प्राकृतिक उपायों पर निर्भर रहते थे। इनमें से एक शक्तिशाली और प्राकृतिक तरीका है जौ का पानी पीना।

दरअसल, जौ का पानी आयुर्वेद में लंबे समय से प्रयोग किया जाता रहा है और इसे शरीर की अंदरूनी सफाई और स्वास्थ्य बनाए रखने का एक असरदार उपाय माना जाता है। यह न केवल शरीर को हाइड्रेट रखता है, बल्कि कई दिक्कतों को भी दूर करता है। इसके सेवन का तरीका और फायदे आगे इस लेख में बताते है।

जौ का पानी बनाने की विधि

गर्मियों में जौ का पानी तैयार करना बहुत आसान है। इसके लिए आधा कप जौ को अच्छे से धोकर 30 मिनट तक भिगो दें, फिर इसे 4 कप पानी में मध्यम आंच पर 20–25 मिनट उबालें। उबालने के बाद पानी को छान लें और कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। स्वाद के लिए इसमें नींबू का रस, शहद और कुछ पुदीना पत्तियां डाल सकते हैं।

पाचन सुधारता है

जौ का पानी पेट की मांसपेशियों को आराम देता है और पाचन तंत्र को सुचारु बनाता है।

इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर कब्ज को कम करता है।

ये भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है।

इसके नियमित सेवन से एसिडिटी और गैस की समस्या भी कम होती है।

शरीर को डिटॉक्स करता है

जौ का पानी प्राकृतिक रूप से शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

ये लिवर और किडनी के कार्य को समर्थन देता है, जिससे शरीर स्वच्छ और स्वस्थ बना रहता है।

हाइड्रेशन मिलेगा

गर्मियों में जौ का पानी पीने से शरीर को ठंडक मिलती है।

ये पानी की कमी को पूरा करता है।

इसके सेवन से थकान या गर्मी से होने वाली कमजोरी को कम करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है

जौ में एंटीऑक्सीडेंट्स और कई पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

इससे सर्दी, खांसी और वायरल संक्रमणों से लड़ने में मदद मिलती है।

लिवर की बीमारी का ये सबसे कॉमन लक्षण ज्यादातर लोगों को नहीं पता, आप भी नहीं हैं अनजान?

लिवर की बीमारियों का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ता जा रहा है। जो समस्याएं पहले उम्र बढ़ने के साथ देखी जाती थीं वह अब कम उम्र वालों को भी प्रभावित कर रही हैं। लिवर हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जो भोजन को ऊर्जा में बदलने, शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने, पाचन को ठीक रखने के साथ खून साफ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में अगर लिवर में कोई दिक्कत आ जाए तो इसका असर पूरे शरीर पर पड़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ खानपान और दिनचर्या में गड़बड़ी, शराब की आदत के साथ मोटापा, वायरल संक्रमण जैसी स्थितियों को लिवर के लिए खतरा बढ़ाने वाला बताते हैं। यही वजह है कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए लिवर को ठीक रखने वाले उपाय करते रहना जरूरी हो जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, अगर लिवर की समस्याओं का शुरुआती स्तर पर ही पता चल जाए तो इलाज करके किसी बड़े खतरे को रोका जा सकता है। हालांकि ज्यादातर लोग समय रहते इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। आइए लिवर की बीमारी के ऐसे ही एक संकेत के बारे में जानते हैं जो बहुत कॉमन है पर ज्यादातर लोग इससे अनजान होते हैं।

लिवर के शुरुआती संकेतों को पहचानिए

लिवर की बीमारियों के बारे में दुनियाभर में जागरूकता बढ़ाने, इसकी शुरुआती पहचान और इलाज को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, लिवर की बीमारी के शुरुआती संकेतों को समय रहते पहचानना बेहद जरूरी है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो साधारण सी बीमारी भी लिवर फेलियर तक पहुंच सकती है। पीलिया यानी आंखों-त्वचा का रंग पीला पड़ने वाली स्थिति लिवर रोगों का आम संकेत है, जिसे अक्सर लोग एक अलग समस्या मान लेते हैं।

लिवर में होने वाली दिक्कतों के कारण आपको लगातार थकान, भूख कम लगने, पेट में भारीपन, मतली-अपच, शरीर में कमजोरी और बिना कारण वजन घटने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

कई बार त्वचा में खुजली या हल्की सूजन भी महसूस हो सकती है।

यह समझना जरूरी है कि पीलिया भी लिवर की बीमारियों का एक लक्षण है।

जब लिवर ठीक से काम नहीं करता तो शरीर में बिलीरुबिन बढ़ने लगता है।

इस वजह से आंखों और त्वचा का रंग पीला पड़ जाता है।

पीलिया की समस्या का लिवर से क्या संबंध है?

लिवर में होने वाली समस्या या इसके ठीक से काम न करने की स्थिति में लिवर बिलीरुबिन नामक तत्व को ठीक तरीके से शरीर से बाहर नहीं निकाल पाता है। बिलीरुबिन का स्तर बढ़ने के कारण आपको आंखों और त्वचा में पीलापन नजर आने लगता है, जिसे पीलिया कहते हैं।

बिलीरुबिन एक पीले रंग का पिगमेंट होता है, जो पुरानी लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने से बनता है। आमतौर पर लिवर इसे शरीर से बाहर निकालता रहता है। रक्त में जब इसका स्तर सामान्य से ज्यादा हो जाता है और लिवर इसे बाहर नहीं कर पाता तो इससे त्वचा और आंखें पीली पड़ जाती हैं।

इस तरह की दिक्कतें हैं तो भी हो जाएं सावधान

लिवर की बीमारी या लिवर के ठीक से काम न करने से पीलिया के अलावा कई अन्य तरह की भी समस्याएं होने लगती हैं, जिसपर समय रहते ध्यान देना और इलाज जरूरी है।

लिवर में समस्या के कारण शरीर में पानी जमा होने लगता है। इससे पेट, पैरों या टखनों में सूजन आ जाती है।

पेशाब का रंग गहरा होना या मल के रंग में बदलाव भी लिवर की समस्या का संकेत हो सकता है।

लिवर की दिक्कतों के कारण याददाश्त में कमी बहुत ज्यादा नींद आने जैसे लक्षण भी हो सकते हैं।

अगर आपको पेट में बहुत ज्यादा दर्द, अक्सर उल्टी आने या काले-खूनी रंग का मल आ रहा है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लंच के बाद भारी हो जाती हैं आंखें, घेर लेती है नींद? जानिए क्या है कारण, ये कोई बीमारी तो नहीं

रोज दोपहर को लंच के बाद क्या आपकी भी आंखें भारी होने लगती हैं, बार-बार जम्हाई आती है और कंप्यूटर पर काम करना मुश्किल हो जाता है? अगर हां तो आप अकेले नहीं हैं। यह समस्या ज्यादातर लोगों को परेशान कर रही है। कई बार लोगों को ऑफिस में नींद आने के कारण शर्मिंदगी तक महसूस होने लगती है। मेडिकल भाषा में इसे पोस्टप्रांडियल सोम्नोलेंस कहा जाता है।

भोजन के बाद शरीर में आने वाली सुस्ती और नींद के लिए कौन से कारण जिम्मेदार हैं, कहीं ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं है? इस बारे में जानना जरूरी है।

अक्सर लोग सोचते हैं कि शायद सिर्फ ज्यादा खाने से ऐसा होता है, लेकिन इसके पीछे कई वजहें हो सकती हैं, जिसपर ध्यान देना जरूरी हो जाता है।

ज्यादा नींद आने की वजह क्या है?

मेडिकल विशेषज्ञ कहते हैं, रात में पूरी नींद न लेने, शरीर में पानी की कमी, खराब डाइट, तनाव या कुछ मेडिकल समस्याओं के कारण दिन में आपको नींद आ सकती है। अगर लंच के बाद हर दिन बहुत ज्यादा थकान होने लगे, तो यह सिर्फ आलस नहीं बल्कि शरीर का कोई संकेत भी हो सकता है। लंच के बाद नींद आने की सबसे आम वजह भारी और हाई-कार्ब वाले भोजन को माना जाता है।

जब आप ज्यादा मात्रा में चावल, रोटी, तला-भुना या मीठा खाते हैं, तो शरीर को उसे पचाने के लिए अधिक ऊर्जा लगानी पड़ती है, जिससे सुस्ती महसूस हो सकती है।

हाई-कैलोरी डाइट के बाद नींद अधिक आना आम है।

इन कारणों को जान लीजिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर कभी-कभार लंच के बाद नींद आती है तो यह सामान्य है, लेकिन अगर रोज ये समस्या बनी रहती है, कमजोरी महसूस होती है और काम करना मुश्किल जाता है तो इसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

आमतौर पर खाना खाने के बाद नींद आने की समस्या उनमें अधिक होती है, जिनका पाचन और नींद का पैटर्न सही नहीं होता है। तमाम शोध और अध्ययन बताते हैं कि इसके पीछे एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया है, लेकिन इसमें खानपान और जीवनशैली की भी बड़ी भूमिका हो सकती है।

थायरॉयड की समस्या, एनीमिया, स्लीप एपनिया, और हार्मोनल गड़बड़ी दिनभर थकान का कारण हो सकती है। इससे भी नींद आती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

खाने के बाद नींद और थकान आने की एक बड़ी वजह नींद का पूरा न होना या नींद से जुड़े विकार भी हो सकते हैं। इसके अलावा जब आप खाना खाते हैं तो पाचन अंगों में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है और मस्तिष्क में कम हो जाता है, जिससे सुस्ती या नींद आ सकती है।

इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार शैलात भोजन के बाद नींद आने की समस्या से बचाव के लिए संतुलित आहार का सेवन करें। एक साथ अधिक भोजन करने के बजाय थोड़ा-थोड़ा कर कई बार खाएं। योग या व्यायाम करें।

भोजन के पाचन तंत्र में पहुंचते ही भोजन एनर्जी यानी ग्लूकोज में बदल जाता है। इस प्रक्रिया में कई हार्मोन रिलीज होते हैं, जो मस्तिष्क को झपकी लेने या नींद का संकेत देने का काम करते हैं।

हाई प्रोटीन और कार्ब्स से भरपूर खाना खाने से शरीर में नींद को रेग्युलेट करने वाला सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे नींद या आलस महसूस होता है।

अगर आप शारीरिक गतिविधि पर कम ध्यान देते हैं। तो इसकी वजह से भी नींद भी प्रभावित हो सकती है और भोजन के बाद नींद या आलस महसूस हो सकता है।

इस समस्या से बचने के लिए क्या करें?

इस समस्या से बचने के लिए सबसे पहले लंच हल्का रखें। एक बार में बहुत ज्यादा खाने के बजाय संतुलित मात्रा में खाएं और प्रोटीन, फाइबर व सलाद शामिल करें। खाने के तुरंत बाद कुर्सी पर बैठने के बजाय 5-10 मिनट टहलें। हल्की वॉक शरीर को एक्टिव रखती है और नींद कम करती है। पोस्ट-मील एक्टिविटी थकान घटाने में मदद कर सकती है। पर्याप्त पानी पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी थकान बढ़ाता है।

रात की नींद पूरी करें। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे सोना जरूरी है।

ग्लोइंग स्किन और फिट बॉडी के लिए रोजाना पिएं ये सुपर जूस

अगर आप रोजाना हमारे बताए गए इस खास जूस को अपने आहार में शामिल करेंगे, तो सिर्फ एक महीने के अंदर ही आपकी स्किन में निखार और चमक नजर आने लगेगी। ये जूस न केवल त्वचा को अंदर से पोषण देता है, बल्कि शरीर को भी कई तरह के आवश्यक तत्व प्रदान करता है।

कौन सा जूस है फायदेमंद?

इस जूस में तीन सुपरफूड्स डाले जाते हैं, जो कि हैं -सेब, चुकंदर और गाजर। यहां हम आपको इसके फायदे भी बताएंगे।

सेब के फायदे

सेब में भरपूर विटामिन C होता है, जो कोलेजन बनाने में मदद करता है।

कोलेजन त्वचा की लचीलापन बनाए रखता है और झुर्रियों को कम करता है।

इसमें फ्लावोनॉइड्स और फिनोलिक कंपाउंड्स होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से लड़कर त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। सेब का रस त्वचा को अंदर से हाइड्रेट करता है, जिससे त्वचा ताजगी और प्राकृतिक चमक पाती है।

चुकंदर के फायदे

चुकंदर में नाइट्रिक ऑक्साइड होता है, जो रक्त वाहिकाओं को फैलाकर ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है।बेहतर रक्त संचार से त्वचा को पोषण और ऑक्सीजन मिलती है।

चुकंदर जिगर को साफ करता है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है।नियमित सेवन से त्वचा में प्राकृतिक लालिमा और निखार आता है।

गाजर के फायदे

गाजर में बीटा कैरोटीन होता है, जो शरीर में जाकर विटामिन A में बदल जाता है।यह त्वचा की नमी बनाए रखने और ड्राईनेस रोकने में मदद करता है। बीटा कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स झुर्रियों और उम्र के निशानों को कम करते हैं। यह त्वचा को सूरज की UV किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

छाती में भारीपन रहता है, चलने पर सांस फूल जाती है, इसका उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।

- अरविंद जैन, हनमकोंडा

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है । औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है। चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 56 वर्ष है। पिछले 6 महीनों से चलने पर श्वास भरता है, छाती में भारीपन रहता है, थोड़ा वजन भी बढ़ गया है। उचित परामर्श दें।

- श्रीपति राव, एलेंदु

उत्तर : वजन बढ़ने पर शरीर में ऐसे लक्षणों का आना आम बात है। इनको अभी से नियंत्रित करने पर आप भविष्य में हृदय रोग से अपना बचाव कर सकते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर श्वास में उठाव, छाती में भारीपन, शूल, वजन का बढ़ना संभव है। अतः आप लैपिड प्रोफाइल टेस्ट करवा लें। तेल-घी की मिठाइयां, तले पदार्थ व गरिष्ठ भोजन करना बंद करें। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु व कोलेस्ट्रोजिन टिकिया गुनगुने पानी से लेवें। भोजन के बाद नागार्जुनाभ्र रस, अर्जुन टिकिया लेवें भोजन करने के बाद ही ऊंझा अर्जुनारिष्ट 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। नित्य व्यायाम करें। हर रोज सुबह पैदल चलने की आदत डालें। भरपेट भोजन करने की आदत बदलें। धीरे-धीरे सारे लक्षणों से आपको मुक्ति मिलेगी।

प्रश्न : मेरी आंखों की पलकों में सूजन, आंखों में जलन और खाज आने लगी है। ऐसा मस्कारा और नेत्र पेंसिल के प्रयोग के बाद हुआ है। क्या यह रिएक्शन है? क्या इसका आयुर्वेद में उपचार है?

- श्रीमती अनुराधा गुप्ता, महबूबनगर

उत्तर : आंखों की पलकों में सूजन, दिखाई देने में धुंधलापन, आंखों में खाज और जलन निश्चित रूप से आपके द्वारा प्रयुक्त मस्कारे और दूसरे प्रसाधन सामग्री के प्रयोग का ही एलर्जिक रिएक्शन है। आप तुरंत ऐसी प्रसाधन सामग्री का प्रयोग बंद करें। आंखों में आईटोन आई डालें। औरा की एलेक्झी टैबलेट्स दो-दो गोली दिन में तीन बार लेवें। एलेक्झी सिरप का भी प्रयोग किया जा सकता है। बृहद हरिद्रा खंड 3-3 ग्राम भोजन के पूर्व गुनगुने पानी से लेवें। यदि कष्ट बढ़ता नजर आए तब तुरंत ही नेत्र चिकित्सालय पहुंचे। किसी भी तरह की नेत्र प्रसाधन सामग्री, कॉस्मेटिक्स के प्रयोग को पूरा बंद कर दें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

मुंह की बदबू से लेकर गैस की समस्या भी होगी दूर बस इस्तेमाल करें पुदीने की पत्तियां

पहाड़ों में कई चीजें ऐसी मिलती हैं, जो शरीर के लिए लाभदायक होती हैं। इन्हीं में शामिल हरी-भरी पहाड़ियों में छुपी पिपरमेंट की पत्तियां। इन ताजगी भरी, हरी पत्तियों को सदियों से न केवल घरेलू उपायों में बल्कि आयुर्वेदिक उपचार में भी महत्वपूर्ण माना गया है।

पहाड़ों की ठंडी और स्वच्छ मिट्टी में उगने वाली ये पत्तियां अपने में प्राकृतिक औषधीय गुण समेटे रहती हैं। इनका उपयोग खाने, चबाने या चाय में डालकर लंबे समय से किया जा रहा है।

इन पत्तियों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर और मस्तिष्क दोनों को आराम और ताजगी प्रदान करते हैं। नियमित सेवन से आपको स्वास्थ्य और ऊर्जा दोनों में लाभ मिलता है। आइए जानते हैं कि इन पत्तियों का सही उपयोग कैसे किया जाए और इनके सेवन से मिलने वाले प्रमुख फायदे क्या हैं।

मुंह की ताजगी

पिपरमेंट में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करके बदबू को दूर करते हैं। चबाई गई पत्तियों या पिपरमेंट ऑयल का उपयोग करने से सांस ताजी रहती है और मुंह का स्वाद भी सुधरता है।

सिरदर्द और थकान कम करना

पिपरमेंट की खुशबू मानसिक तनाव और हल्की सिरदर्द को कम करने में मदद करती है। इसमें मौजूद मेंथोल मांसपेशियों को आराम देता है और रक्त परिसंचरण को बढ़ाता है। यह थकान महसूस होने पर मानसिक ताजगी और राहत प्रदान करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाना

पिपरमेंट में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। यह सर्दी-जुकाम, वायरल इन्फेक्शन और अन्य संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है।

ताजगी और ऊर्जा

पत्तियों का सेवन शरीर और मस्तिष्क दोनों में ऊर्जा और ताजगी बनाए रखता है। यह थकान कम करता है और मानसिक सतर्कता बढ़ाता है। सुबह खाली पेट पिपरमेंट चबाना या पत्तियों की चाय पीने से दिनभर एनर्जी बनी रहती है।

राम गोपाल वर्मा का बड़ा खुलासा फिरौती केस से जुड़ा नाम

दावा- सलमान खान की फिल्म का अंडरवर्ल्ड कनेक्शन

बॉलीवुड और अंडरवर्ल्ड का कनेक्शन एक समय चर्चा में रहा है। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने उस दौर की याद दिलाते हुए सलमान खान की फिल्म 'चोरी चोरी चुपके चुपके' को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 2001 में रिलीज इस फिल्म के पीछे अंडरवर्ल्ड की परछाई थी, जिसका असर इसके निर्माण और रिलीज पर पड़ा। यह फिल्म सलमान खान, प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी स्टारर थी, जिसे सरोगेसी जैसे विषय पर बनी शुरुआती फिल्मों में गिना जाता है। लेकिन कहानी से ज्यादा चर्चा इसके विवादों और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन को लेकर हुई।

हुसैन जैदी से बातचीत में राम गोपाल वर्मा ने बताया कि फिल्म की शुरुआत दिलचस्प तरीके से हुई। फाइनेंसर भरत शाह को एक व्यक्ति ने संपर्क किया, जिसने दावा किया कि उसके पास सलमान खान की डेट्स हैं। शुरुआत में शक हुआ, लेकिन जब सलमान ने पुष्टि की तो भरत शाह को भरोसा हो गया और उन्होंने फिल्म में पैसा लगा दिया।

रामू के मुताबिक, कुछ समय बाद भरत शाह को पता चला कि फिल्म के प्रोड्यूसर नाजिम रिजवी के कथित तौर पर अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील से संबंध हैं। हालांकि शाह को लगा कि वह वैध बिजनेस कर रहे हैं और किसी दूसरे के

कनेक्शन से उन्हें फर्क नहीं पड़ना चाहिए।

मामला तब गंभीर हुआ जब इंडस्ट्री के एक कारोबारी को 5 करोड़ रुपए की फिरौती का कॉल आया। मदद के लिए वह भरत शाह के पास पहुंचा। कहा जाता है कि अंडरवर्ल्ड से बातचीत के बाद रकम घटाकर 2 करोड़ कर दी गई। इसके बाद कई लोग ऐसे मामलों में शाह से मदद मांगने लगे।

प्रेग्नेंसी में भी काम जारी रखेंगी दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। खास बात यह है कि इस अवस्था में भी दीपिका अपने काम से ब्रेक नहीं लेंगी और आने वाली फिल्मों की शूटिंग जारी रखेंगी। रविवार को दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी 'दुआ' के साथ एक फोटो शेयर कर अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी।

इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका अपनी प्रेग्नेंसी के बीच भी प्रोफेशनल जिम्मेदारियों को पूरी अहमियत दे रही हैं। फिलहाल वे फिल्म 'राका' की शूटिंग कर रही हैं। सोर्स ने बताया, दीपिका फिल्म 'राका' के लिए कुछ इंटेंस एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं। वे अपनी पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान इस फिल्म की शूटिंग जारी रखेंगी।

दीपिका ने इंस्टाग्राम पर एक कोलाज या सिंगल फोटो के बजाय एक बेहद ही सिंपल और प्यारी तस्वीर शेयर की है। इसमें उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है। फोटो में रणवीर और दीपिका के हाथ अपनी बेटी को थामे हुए नजर आ रहे हैं।

रैम्प वॉक में अब उम्रदराज महिलाओं का जलवा

इस महीने, ग्लोबल फैशन मैगजीन वोग ने कुछ ऐसा किया जो उसने पहले कभी नहीं किया था। उसने अपने कवर पर दो 76 वर्षीय महिलाओं को जगह दी। फैशन मैगजीन के कवर पर उम्र की बाधा को तोड़कर वोग ने खुद को पुराना नहीं बल्कि समकालीन साबित कर दिया। या कम से कम फैशन जगत में तो ऐसा ही लगने लगा है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक फैशन जगत में सीनियर मॉडलों को इतनी तवज्जो पहले कभी नहीं मिली।

फैशन की दुनिया की भाषा में, सीनियर होने का अर्थ 30 वर्ष से ज्यादा की उम्र से लगाया जाता है। फैशन सर्च इंजन टैगवॉक के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया के टॉप 20 ब्रांडों ने रनवे शो में प्लस-साइज़ मॉडल के अलावा अधिक उम्र की मॉडलों को शामिल किया। पिछले महीने हुए एक फैशन शो की शुरुआत 50 वर्षीय स्टेफनी कैवली ने की, जो रैंप पर 40 से अधिक उम्र की 15 मॉडलों में से एक थीं। बोटेगा वेनेटा में नौ सीनियर मॉडल थीं। टॉम फोर्ड में नौ (महिला और पुरुष), गिवेंची में आठ, बालेन्सियागा में पांच और लुई वितां में चार सीनियर मॉडल शामिल हुईं। फैशन की दुनिया से परे भी, एक नया चलन पनप रहा है। इसमें फैशन जगत या उससे जुड़े लोग अपनी उम्र छिपाने के बजाय उसे उजागर करना पसंद करते हैं। पूर्व सुपरमॉडल और वर्तमान में एस्टी लॉडर की एंबेसडर, 61 वर्षीय पॉलिना पोरिजकोवा, इंस्टाग्राम पर इसका नेतृत्व कर रही हैं। वह अपने 14 लाख फॉलोअर्स के साथ बिना मेकअप वाली तस्वीरों के माध्यम से अपनी झुर्रियों और बढ़े वजन को दिखाती हैं। यह उस इंडस्ट्री में एक चौंकाने वाला बदलाव है जो लंबे समय से यौवन को महिमामंडित करने के लिए प्रसिद्ध रही है।

'कोई मुझे काम नहीं दे रहा' अर्चना पूरन सिंह को अफसोस!

अर्चना पूरन सिंह ने साल 1982 में महज 20 साल की उम्र में फिल्म 'निकाह' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। वह उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे और टीवी, दोनों पर साथ-साथ काम किया और दोनों ही मोर्चों पर शोहरत बटोरी। साल 1987 में वह नसीरुद्दीन शाह के साथ फल्मि 'जलवा' में लीड रोल में नजर आईं। अब तक 100 से अधकि फिल्मों और टीवी शोज में काम कर चुकीं 63 साल की अर्चना को मौजूदा वक्त में 'द कपिल शर्मा शो' में जज के रूप में पहचाना जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस कॉमेडी शो ने उन्हें नए दौर में खूब पॉपुलैरिटी दी। लेकिन एक्ट्रेस का मानना है कि कहीं ना कहीं इस कारण उनका एक्टगिं करियर 'ठप' पड़ गया। ताजा इंटरव्यू में उनका यह दर्द छलका है, जो कहीं ना कहीं 'पछतावा' बनकर भी उभरा है। नब्बे के दशक में 'बाज' और 'जज मुजरिम' जैसी फल्मिों में आइटम नंबर, फिर 'इंसान', 'कुछ कुछ होता है', 'दे दना दन' और 'बोल बच्चन' जैसी फिल्मों में अपने कॉमेडी अवतार के लिए सुर्खीयां बटोरने वाली अर्चना पूरन सिंह ने 2019 में, नवजोत सिंह सिद्धू की जगह 'द कपिल शर्मा शो' में जज के तौर पर एंट्री की थी। इसके बाद से ही वह इस शो का हिस्सा हैं। यह शो पहले टीवी पर आता था और अब ओटीटी पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नाम से प्रसारित होता है।

डायरेक्टर एटली बने पिता, अक्षय तृतीया पर घर में आई लक्ष्मी

फिल्ममेकर एटली और उनकी पत्नी प्रिया एटली के घर अक्षय तृतीया के दूसरे दिन यानी सोमवार को मां लक्ष्मी स्वरूप एक प्यारी सी बेटी का जन्म हुआ है, जिससे उनके परिवार में खुशियों की नई सौगात आई है। इस खुशी भरी खबर को बेहद खास अंदाज में उनके बेटे मीर ने अपने माता-पिता के सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है। मीर ने बताया कि वह अब एक छोटी बहन का बड़ा भाई बन गया है।

बेटी के आगमन के साथ ही परिवार के लिए यह एक खूबसूरत नया अध्याय शुरू हो गया है, जो घर में अपार खुशियां लेकर आया है। इस घोषणा के बाद से ही फैंस और शुभचिंतकों की ओर से एटली के साथ बेटे मीर और प्रिया एटली को ढेर सारी बधाइयां और प्यार मिल रही हैं। इंस्टाग्राम पर, 'जवान' के निर्देशक ने अपने पहले बच्चे, बेटे मीर के जरिए बेटी के जन्म की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। गुलाबी बैकग्राउंड पर, एक छोटा लड़का खिलौने वाली कार पर बैठा हुआ दिखाई दे रहा है। पोस्ट में लिखा है, 'वाह! मुझे एक छोटी बहन मिल गई है। हम, प्रिया और एटली, एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बन गए हैं।'

'डेज ऑफ अवर लाइव्स' फेम पैट्रिक मुल्डून का निधन

57 की उम्र में ली अंतिम सांस

एक्टर और प्रोड्यूसर पैट्रिक मुल्डून का 19 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 57 साल के थे। वह शो 'डेज ऑफ अवर लाइव्स' और फिल्म 'स्टारशिप ट्रूपर्स' में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। कैलिफोर्निया के सैन पेड्रो में जन्मे मुल्डून ने यूएससी से ग्रेजुएशन किया। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में ही एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। तब उन्हें सिटकॉम 'हूज द बॉस?' के दो एपिसोड में काम करने का मौका मिला। मुल्डून ने 'डेज ऑफ अवर लाइव्स' में ऑस्टिन रीड का किरदार निभाया था, जिसे उन्होंने 1992 से 1995 तक और फिर 2011 से 2012 तक दोहराया।

'हैप्पी बर्थडे बच्ची', अजय देवगन और काजोल ने बेटी न्यासा को दी जन्मदिन की बधाई

आज अजय देवगन और काजोल देवगन की बेटी न्यासा देवगन अपना बर्थडे मना रही हैं। इस मौके पर दोनों एक्टर्स ने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट शेयर कर न्यासा को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने न्यासा के साथ एक फोटो शेयर कर एक खास नोट लिखा, जो काफी इमोशनल है।

काजोल ने एक बेहद प्यारा मैसेज शेयर कर अपनी बेटी के लिए अपना प्यार जताया। काजोल ने अपने इंस्टाग्राम पर नॉर्थ बॉम्बे सरबोजनिन दुर्गा पूजा समिति से अपनी और निसा की दो खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में मां-बेटी दोनों ही बेहद सुंदर लग रही थीं।

तस्वीरों में काजोल सफेद साड़ी में नजर आ रही हैं, जिस पर लाल रंग का प्रिंट है, वहीं निसा पीले रंग के लहंगे में दिख रही हैं, जिस पर सफेद एम्ब्रॉयडरी है। न्यासा ने खुले बाल और स्टाइलिश ईयररिंग्स के साथ अपना लुक पूरा किया था।

फोटो शेयर करते हुए काजोल ने अपनी बेटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'मैं बहुत शुक्रगुजार हूं...जब न्यासा पैदा हुई तो मेरी दुनिया बदल गई...मेरी बेटी के लिए मैं हर दिन भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं...तुम परफेक्ट हो और हमेशा मेरी ही रहोगी। हैप्पी हैप्पी बर्थडे तुम्हें और मुझे।' काजोल के इस पोस्ट के बाद फैंस ने भी कमेंट सेक्शन के जरिए न्यासा को जन्मदिन की बधाई दी।

विद्युत जामवाल ने अमेरिका में सुनाया गायत्री मंत्र

बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल ने अमेरिका में आयोजित सिनेमाकॉन 2026 इवेंट में वैदिक मंत्रों का पाठ किया। दरअसल विद्युत हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में योग गुरु 'धल्सिम' का किरदार निभा रहे हैं। सिनेमाकॉन इवेंट में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। इस दौरान स्क्रीनिंग से पहले विद्युत ने मंच पर वैदिक मंत्रों का पाठ किया, जिसने दुनिया के सबसे शोरगुल वाले इवेंट्स में से एक में शांति का माहौल बना दिया।

ट्रेलर की स्क्रीनिंग से पहले विद्युत जामवाल ने भारतीय परंपरा के अनुसार प्रार्थना से शुरुआत की। उन्होंने सूर्य मंत्र, चंद्र मंत्र और गायत्री मंत्र का पाठ किया। इस दौरान उनके हॉलीवुड को-स्टार नोआ सेंटिनियो भी उनके साथ खड़े नजर आए।

इस खास अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए विद्युत ने लिखा, कुछ उपलब्धियां मुझे जीवन के उद्देश्य की गहरी अनुभूति कराती हैं। लास वेगास के सिनेमाकॉन में प्रार्थना करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मेरे भारतीय मंत्रों ने वहां शांति और सुकून की एक लहर पैदा कर दी। मुझे वहां मौजूद हर व्यक्ति के साथ एक गहरा और अनकहा बंधन महसूस हुआ, जो भाषा और शब्दों से परे था। वैदिक मंत्र सीमाओं से परे शांति का संदेश देते हैं।

मम्मा कहने पर भड़कीं श्रुति हासन पैपराजी से बोलीं- क्या बक रहे हो तुम

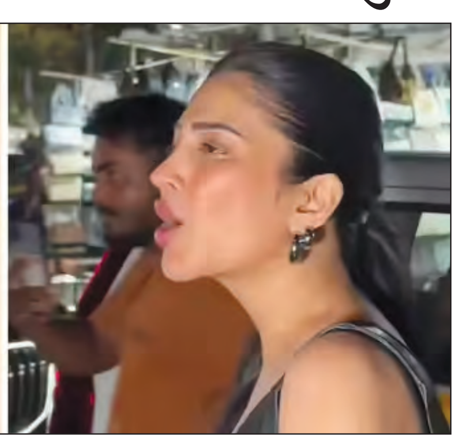

एक्ट्रेस और सिंगर श्रुति हासन हाल ही में मुंबई में पैपराजी पर बुरी तरह भड़क गईं। यह वाकया एक रेस्टोरेंट के बाहर हुआ, जहां श्रुति डिनर के लिए पहुंची थीं। शख्स ने उन्हें 'मम्मा' कहकर बुलाया, ये सुनते ही श्रुति का पारा चढ़ गया और उन्होंने तुरंत वहां अपना गुस्सा उतार दिया।

घटना के वीडियो में श्रुति हासन जब रेस्टोरेंट से बाहर निकलकर अपनी कार की तरफ बढ़ रही थीं, तभी वहां मौजूद फोटोग्राफर्स ने उन्हें कवर करना शुरू कर दिया। इसी बीच भीड़ में से किसी ने उन्हें 'मम्मा' कहा। श्रुति इसी बात पर बिफर गईं। वीडियो में श्रुति काफी गुस्से में नजर आ रही हैं। उन्होंने तुरंत पैपरजी की तरफ मुड़कर पूछा, ₹कौन है मम्मा? तुम्हारी मम्मा है? क्या बक रहे हो तुम?₹ इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी कार चेक की और बिना पोज दिए तुरंत वहां से निकल गईं।

'पति पत्नी और वो दो' में 3 एक्ट्रेसेस से रोमांस करेंगे आयुष्मान

आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, रकुल प्रीत और वामिका गब्बी स्टारर फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज हो गया है। मुदस्सर अजीज के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म जबरदस्त कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरी नजर आ रही है।

यह इस साल की 6वी सीक्वल फिल्म होगी। इससे पहले बॉर्डर 2, मर्दानी 3, वध 2, द केरला स्टोरी 2, गिनी वेड्स सनी जैसी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। हालांकि बॉर्डर 2 के अलावा इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पाई।

यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि इससे पहले ये होली के मौके पर 4 मार्च को रिलीज होनी थी। लेकिन पोस्ट प्रोडक्शन में देरी के कारण इसे पोस्टपोन करना पड़ा था।

टीजर में आयुष्मान खुराना 'प्रजापति पांडे' के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी लाइफ में कन्फ्यूजन का लेवल काफी ज्यादा है। आयुष्मान एक या दो नहीं, बल्कि तीन महिलाओं के बीच फंसे हुए हैं। फिल्म में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। टीजर में विजय राज एक पुलिस वाले के रोल में दिख रहे हैं, जो कॉमेडी को और बढ़ा रहे हैं। मेकर्स ने पहले इस फिल्म को होली के मौके पर 4 मार्च 2026 को रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, अब इसकी रिलीज को टाल दिया गया है। नई घोषणा के मुताबिक, फिल्म अब 15 मई 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी।

सोनम बाजवा की पंजाबी सिंगर से नोकझोंक

न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादविंदर सिंह स्टेडियम में रविवार को पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच खेले गए IPL मुकाबले को देखने एक्ट्रेस सोनम बाजवा और पंजाबी सिंगर जी खान भी पहुंचे। इस दौरान दोनों की मुलाकात हुई, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में दोनों आपस में बात कर रहे हैं और एक-दूसरे से शिकायत भी कर रहे हैं। इस दौरान सोनम बाजवा को कहते हुए सुना गया- मैं तुहाड्डे नाल गल नहीं करनी (मुझे आपसे बात ही नहीं करनी)। जी खान की एकतरफा टिप्पणियों और बयानबाजी के बाद यह पहला मौका था जब सोनम बाजवा ने सार्वजनिक रूप से जी खान के साथ मजाकिया अंदाज में इस तरह कोई बात कही है। इससे पहले जी खान अपने शोज और इंटरव्यूज के दौरान सोनम बाजवा को लेकर कमेंट्स और एकतरफा तारीफ करते रहे हैं। वह सोनम बाजवा को अपना क्रश बता चुके हैं।

लुधियाना में पुल पर रील बनाकर फंसी युवती

लुधियाना में फिरोजपुर रोड पर बने एलीवेटिड पुल पर चलते ट्रैफिक के दौरान वेस्टर्न ड्रेस पहनकर रील बनाने वाली युवती और उसके कैमरामैन साथी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। युवती ने बैकग्राउंड में पंजाब गाना लगाकर मूव्स दिखाए थे। पुलिस ने यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वायरल रील के आधार पर की है।

हालांकि, पुलिस अब तक यह पहचान नहीं कर पाई है कि रील बनाने वाले युवती और युवक कौन हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों की पहचान के लिए साइबर और टेक टीम की मदद ली जा रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जाएगा। पुलिस ने पब्लिक प्लेस में अश्लील कृत्य करने, अव्यवस्था फैलाने, आम लोगों के लिए असुविधा पैदा करने और आम लोगों के लिए खतरा पैदा करने जैसी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

रांची में मेडिकल छात्रा से गैंगरेप का मामला

भाजपा ने एसएसपी कार्यालय का किया घेराव, स्पीडी ट्रायल की मांग

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में डेंटल सर्जरी (एमडीएस) की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में झारखंड में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय दिलाने और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रांची एसएसपी कार्यालय का घेराव किया।

बड़ी संख्या में पहुंचे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि इस मामले में स्पीडी ट्रायल और कठोर सजा सुनिश्चित नहीं की गई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य में बहू-बेटियों की अस्मत खुलेआम लूटी जा रही है और राज्य की सरकार असंवेदनशील बनी हुई है।

इसके पहले रविवार की शाम को भी भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को लेकर रांची में मशाल जुलूस निकाला था। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए एसएसपी कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सिटी एसपी ने बताया कि कार्यकर्ताओं को कार्यालय के बाहर ही रोक दिया गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की गई है। सभी आरोपी सलाखों के अंदर है।

भाजपा का एसएसपी कार्यालय का किया घेराव

गैंगरेप की यह वारदात बीते 9 अप्रैल को लालपुर थाना क्षेत्र स्थित गोकुल वाटिका अपार्टमेंट में हुई थी। पीड़िता को उसकी एक सहेली ने बर्थडे पार्टी के बहाने बुलाया था।

आरोप है कि सोची-समझी साजिश के तहत पहले बर्थडे केक और फिर पिज्जा में नशीला पदार्थ मिलाकर छात्रा को बेहोश किया गया। इसके बाद मुख्य आरोपी मो दानिश ने उसके साथ दुष्कर्म किया। अगली सुबह हालत बिगड़ने और अत्यधिक रक्तस्राव होने पर छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

इस मामले में रांची पुलिस की एसआईटी ने तकनीकी सेल की मदद से मुख्य आरोपी मो. दानिश और उसके सहयोगी फहद मल्लिक को पश्चिम बंगाल के खड़गपुर से गिरफ्तार किया था। वहीं, साजिश में शामिल पीड़िता की सहेली को पहले ही रांची से गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरोह का चौथा फरार सदस्य शादाब, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी, उसने शनिवार को अदालत में सरेंडर कर दिया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जेल भेजे गए शादाब को जल्द ही रिमांड पर लिया जाएगा। उससे पूछताछ के जरिए वारदात की पूरी कड़ियां जोड़ी जाएंगी। पुलिस का कहना है कि मामले में साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषियों को सजा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

गुवा में चक्का जाम, खदान ठप

भूख हड़ताल के बाद आंदोलन हुआ उग्र, 500 बेरोजगारों को जॉब देने की मांग पर ग्रामीण अड़े

चाईबासा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा क्षेत्र में 12 गांवों के मुंडा-मानकी के बैनर तले चल रहा आंदोलन शनिवार सुबह 72 घंटे की भूख हड़ताल समाप्त होने के बाद और उग्र हो गया है। सोमवार सुबह करीब 4 बजे से आंदोलनकारियों ने मुख्य मार्गों को जाम कर दिया, जिससे खदान क्षेत्र का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। तीन दिनों तक चली भूख हड़ताल के दौरान न तो गुवा प्रशासन और न ही सेल प्रबंधन का कोई अधिकारी ग्रामीणों से वार्ता के लिए पहुंचा। इससे ग्रामीणों में असंतोष बढ़ गया। भूख हड़ताल समाप्त होने के बाद हुई बैठक में ग्रामीणों ने 20 अप्रैल को चक्का जाम करने का निर्णय लिया था। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग क्षेत्र के 500 बेरोजगार युवकों को रोजगार प्रदान करना है। उनका कहना है कि जब तक इस संबंध में लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेल प्रबंधन की ओर से एचआर महाप्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह, डीजीएम सीएसआर अनिल कुमार और अमित तिर्की मौके पर पहुंचे।

प्यार के लिए घर से भागी रुखसार

महादेवगढ़ मंदिर आकर बनी राधिका और प्रेमी अजय से रचाई शादी

खंडवा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा स्थित महादेवगढ़ मंदिर एक बार फिर चर्चा में है, जहां अक्षय तृतीया के अवसर पर एक प्रेमी युगल ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए विवाह रचाया। राजस्थान की रहने वाली युवती रुखसार ने भोपाल के युवक अजय के साथ विधि-विधान से सात फेरे लिए। विवाह से पहले मंदिर परिसर में युवती की 'घर वापसी' करवाई गई, जिसके बाद उसका नाम बदलकर राधिका रखा गया।

महादेवगढ़ मंदिर में पंडितों की उपस्थिति में पूरे वैदिक रीति-रिवाज के साथ विवाह संपन्न हुआ। पूजा-अर्चना, हवन और मंत्रोच्चार के बीच युवती के माथे पर तिलक लगाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में 'जय श्रीराम' और 'बजरंग बली' के जयकारे भी लगाए गए। मंदिर प्रबंधन ने पूरे आयोजन को धार्मिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न कराया। युवक-युवती ने स्वयं संपर्क कर विवाह की इच्छा जताई थी। इसके बाद जिला प्रशासन को सूचना देकर सभी

औपचारिकताओं के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विवाह से पहले युवती की 'घर वापसी' करवाई गई, जिसके तहत उसका नाम रुखसार से बदलकर राधिका रखा गया। युवती ने बताया कि उसे शुरू से ही सनातन धर्म के प्रति झुकाव था और वह अपनी इच्छा से इस मार्ग पर चली है। उसने कहा कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए कार्य को शुभ और स्थायी माना जाता है, इसलिए इसी दिन विवाह का निर्णय लिया गया।

युवती ने स्पष्ट किया कि यह विवाह उसने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ किया है। इस समारोह में उसके परिवार का कोई भी सदस्य शामिल नहीं हुआ। वहीं, युवक अजय भोपाल का निवासी बताया जा रहा है जो राजस्थान के एक कंपनी में कार्यरत है। वहीं, दोनों की मुलाकात हुई और धीरे-धीरे यह संबंध प्रेम में बदल गया।

विवाह के बाद युवक अजय ने दावा किया कि युवती के परिवार की ओर से उन्हें धमकियां मिल रही हैं।

उसने प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे अपने वैवाहिक जीवन को सुरक्षित तरीके से शुरू कर सकें। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल है, वहीं प्रशासन की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर।

'डीजल उड़ गया', थाने में खड़े टैंकर से 2000 लीटर डीजल गायब

पुलिस का जवाब सुनकर फरियादी सन्न

मऊगंज, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मऊगंज से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। पुलिस की कस्टडी से 2000 लीटर डीजल गायब हो गया है। वहीं, पुलिस की थ्योरी है कि बंद टैंकर से तेल उड़ गया है। यह कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है।

पूरा मामला मऊगंज जिले के हनुमना थाना अंतर्गत पिपराही चौकी का है। साल 2022 में पुलिस ने मऊगंज निवासी सुमित कुमार गुप्ता की पिकअप गाड़ी को 2000 लीटर डीजल के साथ जप्त किया था। अवैध परिवहन का आरोप लगा था। इसके बाद मामला कलेक्टर कोर्ट पहुंचा। पीड़ित सुमित ने हार नहीं मानी, कानूनी लड़ाई लड़ी। कोर्ट के आदेश पर सुमित ने 1,81,630 रुपये का भारी-भरकम जुर्माना सरकारी खजाने में जमा किया। उसे उम्मीद थी कि जुर्माना भरने के बाद उसे उसकी गाड़ी और डीजल वापस मिल जाएगा।

लेकिन जैसे ही सुमित चौकी पहुंचा, उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। टैंकर का ताला बंद था, लेकिन अंदर डीजल की एक बूंद तक नहीं थी। जब सुमित ने थाने में गुहार लगाई, तो उसे जो जवाब मिला वो हैरान करने वाला था। साहबों ने कह दिया ' डीजल उड़ गया '। अब सवाल यह है कि कड़े पहरे और बंद ताले के बीच 2000 लीटर डीजल कैसे उड़ सकता है? क्या इसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया गया?

वहीं, आज पीड़ित सुमित गुप्ता दोहरी मार झेल रहा है। साढ़े तीन लाख की चपत लग चुकी है और ऊपर से शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। सुमित गुप्ता ने कहा कि मैं थाने गया तो टैंकर के अंदर एक बूंद डीजल नहीं था। पीड़ित का कहना है कि हमने जो जुर्माना की राशि जमा की है। उसे लौटाया जाए।

गौरतलब है कि फरियादी हैरान है। आखिर 2000 लीटर डीजल टैंक से कैसे उड़ सकता है। फरियादी न्याय के लिए अब दर-दर भटक रहा है। डीजल के साथ-साथ जुर्माने की राशि का भी उसे नुकसान हुआ है।

अक्षय तृतीया की रात जामताड़ा के ज्वेलरी दुकान में चोरी

जामताड़ा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जामताड़ा थाना क्षेत्र में अक्षय तृतीया की रात शुभम ज्वेलर्स को चोरों ने निशाना बनाया। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में चिंता और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान के पीछे लगे वेंटिलेटर को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। फिर दुकान के भीतर रखी अलमारी को खंगाल डाला।

वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए। सोमवार सुबह जब दुकानदार मनोज कुमार बर्मन दुकान खोलने पहुंचे, तो उन्होंने पीछे का वेंटिलेटर टूटा हुआ पाया। अंदर जाने पर देखा कि अलमारी खुली है। उसमें रखा सामान गायब है। जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि चोर दुकान से करीब 2 ग्राम सोना और 5 किलोग्राम चांदी के आभूषण लेकर फरार हुए हैं। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपए बताई जा रही है।

सरकार हमें रोजगार का मौका दे रही है

20 सालों तक जिन हाथों में थे हथियार वह बदल रहे भविष्य, खुद बताई अपनी कहानी

मोहला मानपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में सरेंडर कर चुके नक्सली अब बदलाव की नई कहानी लिख रहे हैं। कभी नक्सल संगठन का हिस्सा रहे लोग अब मुख्यधारा में लौटकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति का असर अब जमीन पर साफ दिखाई देने लगा है।

हाल ही में आत्मसमर्पण करने वाले पांच पूर्व नक्सलियों को अब नया जीवन देने की पहल की जा रही है। जिला प्रशासन इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत विशेष प्रशिक्षण दे रहा है। इन पूर्व नक्सलियों को सोलर एनर्जी से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और रिपेयरिंग की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। इस प्रशिक्षण का मकसद साफ है हथियार छोड़कर अब ये लोग

हुनर के जरिए अपनी नई पहचान बना सकें। सरेंडर कर चुके नक्सली आरती तुलावी ने कहा कि हम लोग नक्सल संगठन से जुड़कर रास्ता भटक गए थे। करीब 20 साल तक उस रास्ते पर रहे। लेकिन सरकार की पुनर्वास योजना से प्रभावित होकर हमने घर वापसी की। अब सरकार हमें रोजगार का मौका दे रही है और सोलर पैनल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे हमारा भविष्य बेहतर हो सके। वहीं, सरेंडर करने वाले जीवन तुलावी ने कहा कि सिर्फ रोजगार ही नहीं, बल्कि ये प्रशिक्षण हम लोगों को समाज में सम्मान के साथ जीने का नया मौका भी दे रहा है। मैं और मेरे साथी करीब 20 साल तक संगठन में रहे। धीरे-धीरे महसूस हुआ कि हम अपने जीवन का असली मकसद भूल गए हैं। इसलिए संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौटे। अब सरकार हमें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दे रही है, जो हमारे लिए एक बड़ा अवसर है।

जिले में सरेंडर नक्सलियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सोलर पैनल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही महिला नक्सलियों को सिलाई-कटाई का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें।

जिला पंचायत सीईओ भारती चंद्राकार ने बताया कि जिले में सरेंडर कर चुके नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों की कुल संख्या 136 है। इनमें से पांच सरेंडर नक्सलियों का सर्वे कर उन्हें चिन्हित किया गया है। चयनित हितग्राहियों को मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें।

स्वर्णरेखा किनारे फिर मिला 227 किलो का बम

पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में दहशत, सेना ने शुरू की डिफ्यूज की तैयारी

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के पानीपड़ा-नागुड़साई स्थित स्वर्णरेखा नदी के तट पर दूसरी बार मिले विशालकाय बम (करीब 227 किलोग्राम) ने इलाके में फिर से दहशत का माहौल बना दिया है। कई दिनों से ग्रामीण भय के साए में जी रहे हैं। सूचना मिलने के बाद भारतीय सेना की विशेष टीम मौके पर पहुंची और बम का निरीक्षण कर स्थिति का आकलन किया।

सेना की टीम ने प्रारंभिक जांच के बाद पूरे मामले की रिपोर्ट संबंधित विभाग को भेजने की बात कही। रिपोर्ट के आधार पर ही बम को निष्क्रिय (डिफ्यूज) करने की अंतिम प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हालांकि,विस्फोट कब किया जाएगा, इसे लेकर अभी तककोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

गौरतलब है कि इससे पहले 17 मार्च को भी इसी क्षेत्र में मिले दो बम को बहरागोड़ा पुलिस की पहल पर सेना की टीम ने सफलतापूर्वक डिफ्यूज किया था। उस दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए 10 वाय 10 फीट के दो गड्ढे खोदे गए थे। बम को बालू से भरे बोरों से ढककर सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया गया था।

इस बार भी वही प्रक्रिया अपनाने की तैयारी

सेना की टीम इस बार भी उसी प्रक्रिया के तहतबम को निष्क्रिय करने की तैयारी में जुट गई है। रविवार को बम की मापी की गई और यह तय किया गया कि गड्ढा कितना बड़ा खोदा जाएगा। इसके साथ ही बालू से भरे बोरों की व्यवस्था और अन्य सुरक्षा उपायों की योजना बनाई जा रही है।

अब अगले चरण में गड्ढा खोदने और सुरक्षा घेरा तैयार करने का काम शुरू होगा। इसके बाद ही बम को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

लगातार दूसरी बार इतने बड़े बम की बरामदगी से आसपास के गांव में दहशत का माहौल है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है और सुरक्षा बलों की निगरानी बढ़ा दी गई है।

बहरागोड़ा और चाकुलिया का क्षेत्र द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के दौरान ब्रिटिश-अमेरिकी एयरफोर्स (यूएसएएफ) का एक प्रमुख बेस था। अमेरिकी सैन्य दस्तावेजों के मुताबिक, चाकुलिया और बहरागोड़ा के इलाके में 1942-43 के दौरान 'बी-29 सुपरफोर्ट्रेस' जैसे भारी बमवर्षक विमानों के लिए हवाई पट्टियां बनाई गई थीं।

द्वितीय युद्ध में चाकुलिया और आसपास के क्षेत्रों का उपयोग बमों के भंडारण, ईंधन डिपो और मरम्मत केंद्र के रूप में किया जाता था। युद्ध समाप्त होने के बाद बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त गोला-बारूद को नष्ट करने या सुरक्षित रूप से जमीन में दबाने या नदी में विसर्जित करने के निर्देश थे।

चंडीगढ़ के कॉलेज में मुलाकात, फिर दोस्ती और प्यार

हिमाचल के फौजी की बेटी ने अफ्रीकन लड़के से की शादी

हमीरपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में हुई एक और शादी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। यह शादी हमीरपुर जिले के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के कक्कड़ गांव में हुई है। यहां एक फौजी की बेटी ने दक्षिण अफ्रीका के लड़के साथ सात फेरे लिए। शादी पूरे हिंदु रीति रिवाजों को तहत हुई है।

दूल्हन और दूल्हे ने सात फेरे भी लिए। इस शादी में दक्षिण अफ्रीका से आए मेहमान भी पहुंचे। अब इस शादी के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहा हैं। हिमाचली दुल्हन और अफ्रीकन दूल्हा काफी खुश नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, फौजी की बेटी रुक्मिणी देवी की अफ्रीकन युवक के साथ चंडीगढ़ के एक कॉलेज में मुलाकात हुई थी।

छत्तीसगढ़ सरकार एक दिन का विशेष सत्र बुलाएगी

सीएम साय बोले– निंदा प्रस्ताव पास होगा रायपुर में विपक्ष के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने पर बीजेपी ने आज रायपुर में जनआक्रोश रैली निकाली। भाजपा महिला मोर्चा की जनआक्रोश यात्रा बलबीर जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम पहुंची, जहां सभा का आयोजन किया गया।

वहीं साय सरकार एक दिन का विशेष सत्र बुलाएगी। विशेष सत्र इसी महीने आयोजित हो सकता है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि विपक्ष के रुख के खिलाफ एक दिन का विधानसभा सत्र बुलाएंगे, जिसमें निंदा प्रस्ताव पास होगा।

विशेष सत्र बुलाने की प्रक्रिया में सबसे पहले मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट मंत्री मिलकर सत्र

आयोजित करने का फैसला लेते हैं। इसके बाद इस निर्णय को औपचारिक मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा जाता है, और राज्यपाल की स्वीकृति के बाद ही विशेष सत्र बुलाया जाता है।

जनआक्रोश यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, डिप्टी सीएम अरुण साव, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद रूपकुमारी चौधरी, कमलेश जांगड़े और लक्ष्मी वर्मा समेत जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि यह महिलाओं का आक्रोश है और इंडी महागठबंधन महिला विरोधी है।

हिमाचल में 6 साल की बच्ची लापता

हमीरपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिला के अंतर्गत आने वाले बड़सर उपमंडल की ग्राम पंचायत कड़साई के गांव कलबाड़ा की साढ़े 6 वर्षीय बच्ची रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गई है। तीन दिन बीत जाने बाबजूद भी बच्ची का कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। बच्ची के लापता होने के बाद से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। दूसरी ओर बच्ची के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्ची की मां मंजू भगवान से बच्ची की सलामती की दुआ मांग रही है। जानकारी के अनुसार नायरा बुधवार के दिन सुबह 8 बजे के करीब अपने घर के पास खेल रही थी, तभी वह अचानक लापता हो गई थी।

बाबू खेमानी से कारोबारियों ने ली आईडी

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया है कि, बाबू खेमानी के जरिए शहर के कई बड़े कारोबारी और रसूखदार लोग सट्टा खेल रहे थे। पुलिस को खेमानी के मोबाइल से स्थायी ग्राहकों की लंबी सूची मिली है, जिसमें कई प्रभावशाली नाम शामिल बताए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, बाबू खेमानी ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क में 'आईडी ऑनर' की भूमिका निभा रहा था। वह अलग-अलग नामों से सट्टा खेलने के लिए कई आईडी उपलब्ध कराता था। आईपीएल मैचों के दौरान खेमानी 'प्रिडिक्शन' और टिप्स के नाम पर लोगों को टेलीग्राम लिंक में जोड़ता। यही से लोगों को सट्टा नेटवर्क में एंट्री मिलती थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि यह नेटवर्क लंबे समय से एक्टिव था और इसमें करोड़ों का लेन-देन हो रहा था। क्राइम ब्रांच ने बाबू खेमानी को मुंबई से गिरफ्तार कर 3 दिन की रिमांड पर लिया है। सोमवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं उसके भाई करण खेमानी की तलाश जारी है, जो इस पूरे नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार बाबू खेमानी के मोबाइल जांच में रवि भवन के कई कारोबारियों की कुंडली सामने आई है। रवि भवन के कारोबारी सट्टा खेलने और खिलाने के सिंडिकेट में शामिल है। जिन कारोबारियों का नाम सामने आया है, वो कवर और मोबाइल कारोबार के बड़े नाम है। अफसरों का कहना है कि, आने वाले दिनों में पुलिस इन लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाएगी।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि सट्टे की रकम वसूलने के लिए बाबू और उसके साथियों ने अलग से लोगों को लगा रखा था। पैसे नहीं देने वालों को धमकाया जाता था और कई मामलों में बदनाम करने की धमकी दी जाती थी।

ढाई साल के बेटे का सिर कुचलकर की हत्या

पैदल चलने से किया मना तो मां ने मार डाला, अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी

रायगढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक मां ने अपने ढाई साल के बच्चे का सिर पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने बच्चे के अपहरण की झूठी कहानी गढ़कर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। बाद में बच्चे का शव जंगल की खाई में मिला, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

मामला कापू थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक आरोपी महिला का नाम सोनमति सरोती मंछवार है। मायके जाने के दौरान उसने बेटे को गोद से नीचे उतार दिया, लेकिन बेटे ने पैदल चलने से मना कर दिया, जिससे नाराज होकर महिला ने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद वह मायके चली गई।

दरअसल ग्राम पारेमेर फिटिंगपारा के रहने वाले बोधसाय मंछवार (28) ने 19 अप्रैल को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि उसके साढ़े 4 साल की बेटी ढूलबाई और ढाई साल का बेटा अनुज मंछवार है।

गुरुवार सुबह करीब 5 बजे वह जंगल में चार तोड़ने के लिए गया था, उस समय घर में उसकी पत्नी और दोनों बच्चे मौजूद थे। दोपहर में जब वह घर लौटा तो घर सूना मिला। शाम को उसकी साढ़े 4 साल की बेटी ढूलबाई अकेले घर पहुंची। पूछने पर उसने बताया कि मां सोनमति सरोती मंछवार उसे घर भेजकर छोटे भाई अनुज को लेकर रानी गौवा जंगल स्थित नानी के घर गई है। ऐसे में बोधसाय ग्रामीणों के साथ रात में उनकी तलाश के लिए निकला, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

अगले दिन सुबह उसकी पत्नी सोनमति अकेले घर लौटी। वह शराब के नशे में थी और अनुज के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी देने के बजाय टालमटोल करती रही। लगातार दो दिनों तक परिजनों और ग्रामीणों ने जंगल में खोजबीन की, लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चल सका।

शनिवार रात रानीगौवा पहाड़ के पास एक पगडंडी किनारे महुआ पेड़ के पास पत्थर पर खून के धब्बे दिखाई दिए। आसपास तलाश करने पर गहरी खाई में मासूम अनुज का शव मिला। सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और वह खून से लथपथ हालत में पड़ा था।

इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर संदेह के आधार पर महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

अमेरिका, चीन, रूस... सब पड़े हैं ईरान के यूरेनियम के पीछे

कीमत इतनी कि 360 डिग्री बदल जाएगी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली,20 अप्रैल(एजेंसियां)। ईरान-अमेरिका का संकट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं इस युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने एक ऐसी शर्त रख दी है, जिसे ईरान पूरा नहीं करना चाहेगा।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना यूरेनियम उसे सौंप दे। ईरान के यूरेनियम पर सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि चीन और रूस की भी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के पास 440 किलो 60% संवर्धित यूरेनियम है। वहीं ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी यह 'रणनीतिक संपत्ति' किसी को नहीं सौंपेगा।

ईरान के पास उच्च संवर्धित यूरेनियम की मात्रा इतनी है कि उससे 10 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। साथ ही कीमत इतनी कि कई देशों की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बदल जाएगी।

क्या है यूरेनियम और इतना जरूरी क्यों?

यूरेनियम भारी रासायनिक तत्व है। यह एक चांदी जैसी सफेद धातु है। यह सोने से थोड़ा कम लेकिन सीसे से लगभग 70% अधिक भारी होता है। यह प्राकृतिक रूप से रेडियोधर्मी होता है, जिसका अर्थ है कि इसके परमाणु धीरे-धीरे टूटते रहते हैं और ऊर्जा छोड़ते हैं।

यूरेनियम की सबसे बड़ी खासियत इसकी विखंडन क्षमता है। जब यूरेनियम-235 के नाभिक पर न्यूट्रॉन की बौछार की जाती है, तो वह दो हिस्सों में टूट जाता है और भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त करता है। इसी ऊर्जा का इस्तेमाल परमाणु रिएक्टरों में बिजली बनाने के लिए किया जाता है।

यूरेनियम के इसी गुण के कारण इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में भी होता है।

प्राकृतिक यूरेनियम मुख्य रूप से दो आइसोटोप्स (U-238 और U-235) का मिश्रण होता है।

U-238 लगभग 99.3% मात्रा में पाया जाता है, लेकिन यह आसानी से विखंडित नहीं होता।

वहीं U-235 केवल 0.7% होता है। यही वह हिस्सा है जो बिजली बनाने या विस्फोट के काम आता है।

1 किलो यूरेनियम उतनी बिजली पैदा कर सकता है जितनी लगभग 15000 किलो कोयला जलने पर मिलती है।

जापान पर अमेरिका ने किया था हमला

यूरेनियम ना केवल किसी देश का विकास कर सकता है, बल्कि दुनिया को दहला भी सकता है। साल 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हम इसका असर देख भी चुके हैं।

6 अगस्त 1945 को अमेरिकी बॉम्बर 'एनोला गे' ने जापान के हिरोशिमा में लिटिल बॉय नामक यूरेनियम बम गिराया था।

इससे 3 किमी तक सब कुछ नष्ट हो गया और तुरंत 70,000 से 80,000 लोग मारे गए थे। इसका असर कई वर्षों तक रहा था।

क्या अब ज्यादा आएगा बिजली का बिल? 30,000 करोड़ की वसूली को ट्रिब्यूनल ने दी हरी झंडी

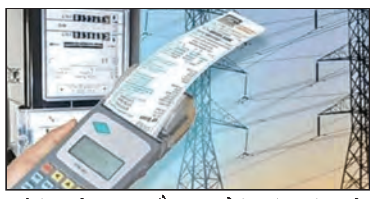

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में बिजली इस्तेमाल करने वालों के बिजली बिल जल्द ही बढ़ सकते हैं। ऐसा बिजली अपीलीय ट्रिब्यूनल के एक अहम फैसले के बाद हो सकता है।

ट्रिब्यूनल ने दिल्ली बिजली नियामक आयोग की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें करीब 30,000 करोड़ रुपए के बकाया को चुकाने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई थी। यह बकाया बिजली बांटने वाली कंपनियों (जिन्हें डिस्कॉम भी कहा जाता है) को किए जाने वाले उन भुगतानों से जुड़ा है, जो अभी बाकी हैं।

ट्रिब्यूनल ने खारिज की अपील

रिपोर्ट के अनुसार, यह रकम बिजली क्षेत्र में 'रेगुलेटरी असेट्स' के नाम से जाने वाले बकाया को चुकाने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। डीईआरसी ने एपीटीएल से इस बकाया को चुकाने के लिए और समय मांगा था। उसने दलील दी थी कि अगर इस रकम को चुकाने की अवधि बढ़ा दी जाए, तो कंज्यूमर्स के बिजली बिलों में अचानक होने वाली बढ़ोतरी से बचा जा सकेगा। हालांकि, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रिब्यूनल द्वारा इस अपील को खारिज किए जाने के बाद अब दिल्ली को बकाया चुकाने के लिए पहले से तय समय सीमा का ही पालन करना पड़ सकता है।

2028 तक प्रोसेस पूरा करने का आदेश

यह मामला अगस्त 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए एक आदेश से जुड़ा है। कोर्ट ने सभी राज्यों के बिजली नियामकों को निर्देश दिया था कि वे अप्रैल 2024 से इस तरह के बकाया को चुकाना शुरू करें और अप्रैल 2028 तक इस प्रोसेस को पूरा कर लें। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कोर्ट ने नियामकों को यह छूट भी दी थी कि अगर बकाया रकम की वसूली के लिए जरूरी हो, तो वे बिजली की दरों में बदलाव कर सकते हैं।

बढ़ सकता है बिजली का बिल

दिल्ली में यह स्थिति इसलिए भी ज्यादा संवेदनशील है, क्योंकि हाल के वर्षों में बिजली की दरें कम की गई हैं, जबकि दूसरी तरफ बकाया रकम लगातार बढ़ती रही है। कुछ अन्य राज्यों के विपरीत, जहां सरकारें इस तरह के खर्चों का बोझ खुद उठाने के लिए आगे आ सकती हैं, दिल्ली में बिजली वितरण का काम निजी कंपनियों द्वारा किया जाता है।

नतीजतन, आने वाले महीनों में इस बकाया को चुकाने का बोझ कंज्यूमर्स पर ही पड़ सकता है। यह बोझ बिजली के बढ़े हुए बिलों, सरकारी सब्सिडी में कटौती, या फिर इन दोनों के मिले-जुले रूप में कंज्यूमर्स को उठाना पड़ सकता है।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 27 अंक चढ़ा, निफ्टी 25350 के पार पहुंचा

मुंबई,20 अप्रैल(एजेंसियां)। भू-राजनीतिक चुनौतियों और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों के सतर्क होने के कारण सोमवार को बाजार के उतार-चढ़ाव भरे सत्र में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग बिना बदलाव के बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 26.76 अंक या 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,520.30 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसने 78,942.45 का उच्च और 78,203.30 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 739.15 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.30 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 24,364.85 पर बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे गिरकर 93.10 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सोमवार को जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 3% की बढ़त दर्ज की गई जबकि हिंडाल्को के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख विजेता रहीं। लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचसीएल टेक और कोटक महिंद्रा बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 4.76 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 94.68 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने को लेकर नए सिरे से उठे विवादों ने वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा कर दी।

निवेशकों ने मध्य पूर्व में हाल ही में हुई गड़बड़ियों को पूर्ण पैमाने पर संघर्ष की शुरुआत के बजाय संभावित वार्ता रणनीति के रूप में देखा। उन्होंने आगे कहा कि इस सप्ताह युद्धविराम की समाप्ति को देखते हुए, बाजार के भागीदार सतर्क बने हुए हैं और आगे के घटनाक्रमों का इंतजार कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में गिरावट देखी गई। मेरिकी बाजार शुक्रवार को काफी बढ़त के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 683.20 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 504.86 अंक या 0.65 प्रतिशत बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ। निफ्टी 156.80 अंक या 0.65 प्रतिशत चढ़कर 24,353.55 पर समाप्त हुआ।

अमेरिका के खजाने से निकल जाएंगे 166 अरब

इतिहास में सबसे बड़े रिफंड का किसे होगा फायदा?

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को दो महीने पहले असंवैधानिक करार दे दिया था। आज से उन कंपनियों के लिए रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो रही है जिन्होंने टैरिफ चुकाया था। इसे अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़ा रिफंड माना जा रहा है।

यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) इसके लिए एक पोर्टल सिस्टम लॉन्च कर रहा है। अमेरिकन कंपनियां इसमें टैरिफ के रिफंड के लिए आवेदन कर सकती हैं।

इन कंपनियों का सरकार पर 166 अरब डॉलर का रिफंड प्लस

इंटरेस्ट बकाया है। सीबीपी का अनुमान है कि मंजूरी मिलने के बाद 60 से 90 दिन में रिफंड जारी कर दिया जाएगा। लेकिन इसमें ज्यादा समय भी लग सकता है।

इस प्रोग्राम को कंसोलिडेटेड एडमिनिस्ट्रेशन एंड प्रोसेसिंग ऑफ एंट्रीज नाम दिया गया है। ट्रंप ने पिछले साल अप्रैल में कई देशों पर टैरिफ लगा दिया था। लेकिन 20 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इस टैरिफ को असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि टैरिफ तय करने का अधिकार संसद को है।

टैरिफ का सफर

किसे मिलेगा रिफंड?

हालांकि कोर्ट ने रिफंड के बारे में कुछ नहीं कहा था लेकिन यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने पिछले महीने कहा कि इंटरनेशनल एमरजेंसी इकनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत लगाए गए टैरिफ से प्रभावित कंपनियां रिफंड पाने की हकदार होंगी। सीबीपी के मुताबिक 330,000 इम्पोर्टर्स ने 53 मिलियन से अधिक शिपमेंट्स के लिए 166 अरब डॉलर का टैरिफ चुकाया था। रिफंड की यह प्रक्रिया कई चरणों में होगी।

मार्च में आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 0.4% की गिरावट

उर्वरक क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य आधार माने जाने वाले आठ प्रमुख उद्योगों के मोर्चे पर मार्च 2026 के लिए निराशाजनक आंकड़े सामने आए हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में इन आठ प्रमुख उद्योगों के संयुक्त सूचकांक (आईसीआई) में सालाना आधार पर 0.4 प्रतिशत (अनंतिम) की गिरावट दर्ज की गई है। यह संकुचन मुख्य रूप से उर्वरक (फर्टिलाइजर), कच्चा तेल (क्रूड ऑयल), कोयला और बिजली उत्पादन में आई कमी के कारण आया है। ये आठ कोर सेक्टर - कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली - देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में कुल 40.27 प्रतिशत का एक बहुत बड़ा भारांक रखते हैं। यह गिरावट इसलिए भी ध्यान देने योग्य है क्योंकि फरवरी 2026 में इन उद्योगों ने 2.8 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की थी। वहीं, पूरे वित्त वर्ष (अप्रैल-मार्च 2025-26) के लिए संचयी वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत आंकी गई है। सूचकांक (आधार वर्षः 2011-12=100) के अनुसार सभी आठ क्षेत्रों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। औद्योगिक विस्तार को प्रभावित करने वाले प्रमुख क्षेत्रों का प्रदर्शन इस प्रकार हैः

गिरावट वाले क्षेत्र

उर्वरक: केवल 2.63 प्रतिशत भारांक वाले इस सेक्टर में सबसे भारी गिरावट देखी गई। मार्च 2025 के मुकाबले मार्च 2026 में इसका उत्पादन 24.6 प्रतिशत तक लुढ़क गया।

कच्चा तेल: 8.98 प्रतिशत भारांक वाले इस क्षेत्र के उत्पादन में 5.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

कोयला: कुल सूचकांक में 10.33 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले कोयला उत्पादन में 4.0 प्रतिशत की गिरावट आई।

बिजली: 19.85 प्रतिशत के बड़े भारांक वाले इस सेक्टर का उत्पादन 0.5 प्रतिशत नीचे खिसक गया।

वृद्धि वाले क्षेत्र:

प्राकृतिक गैस: इस सेक्टर ने 6.4 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ सकारात्मक रुख दिखाया।**सीमेंट:** निर्माण गतिविधियों के संकेतक, 5.37 प्रतिशत भारांक वाले सीमेंट उत्पादन में 4.0 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

स्टील: 17.92 प्रतिशत भारांक वाले स्टील उत्पादन ने 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादः सबसे अधिक 28.04 प्रतिशत भारांक रखने वाले इस प्रमुख सेक्टर में महज 0.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी गई।

मार्केट में तेजी के बीच लेंसकार्ट के शेयरों में गिरावट, कलावा-सिंदूर विवाद से पहले था ऑल-टाइम हाई पर

नई दिल्ली,20 अप्रैल(एजेंसियां)। ड्रेस कोड विवाद के कारण सुर्खियों में आई कंपनी लेंसकार्ट के शेयरों में आज कारोबार के दौरान करीब चार फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। स्टॉक मार्केट में तेजी के बावजूद इस आईवियर रिटेल कंपनी के शेयरों में गिरावट आई है। कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 534.85 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 530.05 रुपये खुला। कारोबार के दौरान यह करीब 5 फीसदी गिरावट के साथ 508.70 रुपये तक फिसला। 15 अप्रैल को यह 559.80 रुपये के ऑल-टाइम हाई लेवल पर पहुंचा था। लेकिन उसके बाद इसमें 7 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 90 हजार करोड़ रुपये से कम रह गया है। लेंसकार्ट का आईपीओ पिछले साल नवंबर में आया था। यह 31 अक्तूबर को खुला था और 4 नवंबर को बंद हुआ था। इसका इश्यू प्राइस 402 रुपये था और यह 28.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 10 नवंबर को हुई थी। इस साल इसकी कीमत में 17.58 फीसदी तेजी आई है जबकि पिछले छह महीने में यह 27.91% चढ़ा है।

इस बीच कंपनी ने एक कथित आंतरिक ग्रूमिंग दस्तावेज को लेकर सोशल मीडिया पर हुए विरोध के बाद माफी मांगी है। इसके अलावा कंपनी ने नया 'इन-स्टोर स्टाइल गाइड' जारी किया है, जिसमें कर्मचारियों को कार्यस्थल पर धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक पहनने की अनुमति दी गई है।

कंपनी ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि

ग्राहकों और समुदाय की चिंताओं को दूर करने के लिए वह अपने दिशानिर्देशों को सार्वजनिक और पारदर्शी बना रही है। नई नीति में टीम के सदस्यों द्वारा आस्था से जुड़े सभी प्रतीकों जैसे बिंदी, तिलक, सिंदूर, कलावा, मंगलसूत्र, कड़ा, हिजाब और पगड़ी को स्वीकार किया गया है। कंपनी ने कहा, 'यदि हमारे कार्यस्थल से जुड़े किसी भी संचार से किसी को ठेस पहुंची हो या ऐसा महसूस हुआ हो कि उनकी आस्था का यहां स्वागत नहीं है, तो हमें गहरा खेद है। यह लेंसकार्ट की पहचान नहीं है और न ही कभी होगी।'

यह विवाद उस समय सामने आया जब एक कथित कर्मचारी ग्रूमिंग नीति का दस्तावेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें बिंदी और तिलक जैसे कुछ धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध होने का दावा किया गया था। इस पर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने नाराजगी जताई और बहिष्कार की मांग की। इस मामले पर कंपनी के संस्थापक पीयूष बंसल ने पहले स्पष्ट किया था कि वायरल दस्तावेज 'पुराना संस्करण' है और कंपनी की वर्तमान नीति को नहीं दर्शाता।

48 घंटे में 2 भारतीय जहाजों पर गोलीबारी

होर्मुज से निकलना हुआ मुश्किल, फारस की खाड़ी में वापस लौटे

नई दिल्ली,20 अप्रैल(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का निकला अब बहुत मुश्किल हो गया है। होर्मुज से निकलने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरान की ओर से गोलीबारी हुई। इस कारण वे होर्मुज पार नहीं कर पाए और वापस फारस की खाड़ी में लौट गए। पोर्ट शिपिंग मंत्रालय के डायरेक्टर मनदीप सिंह रंधावा ने सोमवार को यह जानकारी दी। रंधावा ने कहा कि पिछले 48 घंटे में भारत के दो जहाजों पर ईरान की ओर से गोलीबारी हुई। यह गोलीबारी उस समय हुई जब वे होर्मुज पार कर रहे थे। बाद में दोनों जहाजों को वापस फारस की खाड़ी में लौटना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस हमले में चालक दल के किसी भी सदस्य को कोई चोट नहीं आई है। रंधावा ने कहा कि सरकार इस मामले पर नजर रखे हुए है।

धोखाधड़ी से जुड़े मामले में सीबीआई का एक्शन, 19694 करोड़ के घोटाले में दो शीर्ष अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय बैंकिंग प्रणाली को प्रभावित करने वाले एक बड़े घटनाक्रम में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल अंबानी के नियंत्रण वाली रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के दो वरिष्ठ अधिकारियों को बैंक धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी कॉर्पोरेट ऋणों की कथित हेराफेरी और शेल कंपनियों के माध्यम से किए गए संदिग्ध लेनदेन की जांच का परिणाम है।

सीबीआई ने यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ओर से दर्ज कराई गई एक आधिकारिक शिकायत के बाद की है। सीबीआई ने इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल डी अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एक नियमित मामला दर्ज किया है।

एसबीआई की शिकायत में यह आरोप लगाया गया है कि बैंक ने

आरोपी कंपनी को क्रेडिट सुविधाएं स्वीकृत की थीं, लेकिन उधारकर्ताओं की कथित धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियों के कारण बैंक को बड़ा नुकसान हुआ। इस वित्तीय धोखाधड़ी का प्रभाव बेहद व्यापक है और यह केवल एक बैंक तक सीमित नहीं हैः

अकेले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को लगभग 2929.05 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

इस धोखाधड़ी के कारण 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों (एफआई) को कुल मिलाकर 19,694.33 करोड़ रुपये का बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। सीबीआई की अब तक की जांच में इस वित्तीय हेराफेरी के तरीकों का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसी ने मुख्य रूप से धोखाधड़ी के दो बड़े बिंदु उजागर किए हैं:

शेल कंपनियों का उपयोगः रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने कंपनी के ही अधिकारियों द्वारा नियंत्रित शेल (फर्जी) संस्थाओं के माध्यम से घुमावदार लेनदेन किए।

फर्जी लेनदेन और एलसी का दुरुपयोगः जांच में यह भी पाया गया कि कंपनी ने अपने समूह की ही अन्य संस्थाओं के साथ फर्जी सेवा-संबंधित लेनदेन दिखाकर लेटर ऑफ क्रेडिट को डिस्काउंट कराया था। बाद में ये सभी लेटर ऑफ क्रेडिट डिफॉल्ट हो गए, जो अंततः बैंकों के लिए एक बहुत बड़े वित्तीय नुकसान का मुख्य कारण बने। सीबीआई ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए रिलायंस कम्युनिकेशंस के जिन दो शीर्ष अधिकारियों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान डी विश्वनाथ और अनिल काल्या के रूप में हुई है।

चांदी आज 1,214 बढ़कर 2.51 लाख पर पहुंची

सोना 347 बढ़कर 1.52 लाख का 10 ग्राम हुआ, इस साल 19 हजार हो चुका महंगा

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 20 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 347 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 1,214 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 19 हजार और चांदी 21 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 21 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मेष	मे
चंद्र	वृष	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मेष......	05-37 बजे
वृष....	07-22 बजे
मिथुन..	09-23 बजे
कर्क...	11-35 बजे
सिंह----	13-47 बजे
कन्या--	15-54 बजे
तुला---	17-59 बजे
वृश्चिक..	20-09 बजे
धनु.....	22-23 बजे
मकर...	00-29 बजे
कुंभ...	02-29 बजे
मीन....	03-58 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

सूर्योदय 06-03
सूर्यास्त. 18 -28

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष मंगलवार 21 April 2026
तिथि - पंचमी 01-20 रात्री तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - मृगशिरा 23-58 रात्री तक उप आर्द्रा
योग - शोभन 12-31 तक उप अतिगण्ड
करण - बव 14-45 तक उप बालव

विशेष: श्री आध्य शंकराचार्य जयंती
संत सुरदास जयंती

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
15-24 से
16-58 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-03 - 07-32	अशुभ
उत्पात	07-32 - 09-06	अशुभ
चंचल	09-06 - 10-41	शुभ
लाभ	10-41 - 12-15	शुभ
अमृत	12-15 - 13-49	शुभ
काल	13-49 - 15-24	अशुभ
शुभ	15-24 - 16-58	शुभ
रोग	16-58 - 18-28	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-28 - 19-58	अशुभ
लाभ	19-58 - 21-24	शुभ
उत्पात	21-24 - 22-49	अशुभ
शुभ	22-49 - 00-15	शुभ
अमृत	00-15 - 01-40	शुभ
चंचल	01-40 - 03-06	शुभ
रोग	03-06 - 04-31	अशुभ
काल	04-31 - 06-03	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है । जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे , वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे । वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें । आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको अपने खर्चो का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है. ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्ययहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्ययहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है जो की आज फायदेमंद साबित होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है जिससे आप काफी संतुष्ठ है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा । आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके ।दोबारा अपने निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा । आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रद्द हुआ पीएम मोदी का पचपदरा दौरा

रिफाइनरी अग्निकांड पर मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम ने बताया

बाड़मेर, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के पचपदरा (बालोतरा) स्थित निर्माणाधीन रिफाइनरी में सोमवार को हुए भीषण अग्निकांड के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुप्रतीक्षित बाड़मेर रिफाइनरी उद्घाटन दौरा रद्द कर दिया गया है। मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस की ओर से इस संबंध में अधिकारिक जानकारी दे दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि ये कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कल, 21 अप्रैल 2026 को होने वाला रिफाइनरी का लोकार्पण कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

जानिए क्या बताया मंत्रालय ने

मंत्रालय ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से यह जानकारी दी देते हुए लिखा है कि 'आज HRRL रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट के पास हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण आग की घटना के कारण, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 21.04.2026 को निर्धारित रिफाइनरी का लोकार्पण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

मंत्रालय ने अपने एक्स पोस्ट में यह भी साफ किया है कि इस दुर्घटना में अच्छी बात यह रही है कि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार ' आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना के कारणों का पता लगाने और आवश्यक उपचारात्मक उपाय करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। लोकार्पण की नई तारीख की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।'

जिस यूनिट का होना था उद्घाटन, वही आई चपेट में

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 2 बजे रिफाइनरी की सबसे महत्वपूर्ण इकाइयों— क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट में अचानक आग लग गई। काले धुएं का गुबार मील दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे परिसर में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी यूनिट का उद्घाटन कर देश को समर्पित करने वाले थे। अब ये चर्चा चल रही है कि इस हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से पीएम का दौरा स्थगित हो सकता है। हालांकि अभी इसकी अधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

शिक्षा विभाग को क्यों वापस लेना पड़ा 'सार्थक नाम अभियान'? कहां फंसा पेच

जयपुर, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान का शिक्षा विभाग इन दिनों अपने फैसलों को लेकर चर्चा में कम और विवादों में ज्यादा है। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के 'अर्थहीन' नामों को बदलकर उन्हें 'सार्थक' पहचान देने के मकसद से शुरू किया गया 'सार्थक नाम अभियान' अब ठंडे बस्ते में चला गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की इस महत्वाकांक्षी योजना को सरकार ने आनन-फानन में वापस ले लिया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर वो कौन सा 'पेच' था जिसने सरकार को बैकफुट पर धकेल दिया?

एआई की मदद और 'हास्यास्पद' सूची का विवाद

अभियान की घोषणा के साथ ही शिक्षा मंत्री के कार्यालय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से करीब 2900 नामों की एक सूची तैयार की थी। दावा किया गया था कि ये नाम बच्चों के व्यक्तित्व और संस्कारों में निखार लाएंगे। लेकिन जब यह सूची सार्वजनिक हुई, तो शिक्षा विभाग की जमकर किरकिरी हुई। सूची में ऐसे नाम शामिल थे जिन्हें सुनकर कोई भी अपना माथा पकड़ ले। एआई और विभाग की 'जुगलबंदी' से निकले नामों में भयंकर, भिक्षा, मक्खी, दहीभाई, अहंकार, अहित

और बेचारादास जैसे शब्द शामिल थे। हद तो तब हो गई जब सामान्य हिंदी के शब्दों में भयंकर गलतियां पाई गईं और जेंडर तक का ख्याल नहीं रखा गया। इस 'एआई जनरेटेड' सूची ने अभियान के मूल उद्देश्य को ही हास्यास्पद बना दिया।

अभिभावकों का विरोध और 'निजता' पर प्रहार

जैसे ही यह सूची और आदेश जारी हुआ, अभिभावक संघों ने मोर्चा खोल दिया। अभिभावकों का तर्क था कि नाम रखना परिवार का निजी अधिकार है। किसी भी सरकारी विभाग को यह हक नहीं है कि वह किसी के नाम को 'अर्थहीन' घोषित कर दें। विरोध बढ़ता देख विभाग ने यह तर्क देकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की कि सूची 'अधिकृत' नहीं थी, लेकिन तब तक तीर कमान से निकल चुका था।

शिक्षा मंत्री का तर्क और जमीनी हकीकत

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रेस वार्ता कर बड़े उत्साह से कहा था कि 'नाम व्यक्ति के आत्मविश्वास और सामाजिक छवि का दर्पण होता है।' उनका मानना था कि अर्थहीन नाम बच्चों में हीन भावना पैदा करते हैं। हालांकि, उनका यह 'संस्कार' वाला तर्क प्रशासनिक अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। जमीनी स्तर पर शिक्षकों ने भी सवाल उठाए कि क्या अब पढ़ाई छोड़कर नामों के संशोधन का लंबा सरकारी कागजी काम किया जाएगा?

एसीएस का बयान और अभियान का अंत

विवाद बढ़ता देख शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने स्पष्ट आदेश जारी कर अभियान को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा, 'सार्थक नाम अभियान के आदेश को वापस ले लिया गया है। अब अभिभावक अपने स्तर पर ही बच्चों के नाम को लेकर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।' इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि बिना जमीनी रिसर्च और केवल तकनीक के भरोसे थोपे गए सामाजिक बदलाव अक्सर विभाग की साख पर भारी पड़ते हैं।

हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, उम्रकैद को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

जोधपुर, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की मुश्किलें कम होंगी या बरकरार रहेंगी। फिलहाल, इस पर राजस्थान हाईकोर्ट जल्द ही अपना निर्णय सुनाएगा।

जोधपुर मुख्यपीठ में जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सोमवार (20 अप्रैल) को दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

आसाराम और मामले के अन्य सह-आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को चुनौती देते हुए यह अपील दायर की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पिछले कुछ दिनों से लगातार सुनवाई जारी थी।

बता दें कि 17 अप्रैल को आसाराम के वकीलों ने अपनी अंतिम बहस पूरी की थी। वहीं, 20 अप्रैल को पीड़िता के वकील पीसी सोलंकी और सरकारी अभियोजक ने अपनी प्रति-दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की जिरह पूरी होने के बाद खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा, जो अब किसी भी दिन सुनाया जा सकता है।

यह मामला साल 2013 का है, जब आसाराम पर उनके जोधपुर स्थित मणाई आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा था। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 25 अप्रैल 2018 को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए अंतिम सांस तक उम्रकैद की सजा सुनाई।

सह-आरोपी शिवा और शिल्पी को भी 20-20 साल की कैद दी गई। दो अन्य आरोपियों (शरद और प्रकाश) को कोर्ट ने बरी कर दिया था।

मेडिकल जमानत पर राहत नहीं

मुख्य अपील के साथ-साथ आसाराम की ओर से स्वास्थ्य के आधार पर (मेडिकल ग्राउंड) जमानत अवधि बढ़ाने की भी अर्जी लगाई गई थी। 15 अप्रैल को आसाराम के वकीलों ने कोर्ट से इस पर जल्द सुनवाई का आग्रह करते हुए कहा था कि वर्तमान बेल का समय जल्द ही समाप्त होने वाला है।

हालांकि, 16 अप्रैल को राजस्थान हाईकोर्ट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए शीघ्र सुनवाई से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने सवाल उठाया कि अब तक मुख्य अपील की सुनवाई पूरी क्यों नहीं की गई?

अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानत अर्जी पर रजिस्ट्री द्वारा निर्धारित नियमित तारीख पर ही विचार किया जाएगा। अब सबकी निगाहें हाईकोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जो यह तय करेगा कि क्या 2018 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा जाएगा या आसाराम को कोई राहत मिलेगी।

इंटरव्यू से पहले भर्ती प्रक्रिया पर ब्रेक

हाईकोर्ट ने मेडिकल असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती पर लगाई रोक

इजयपुर, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। मेडिकल असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती 2021 की चयन प्रक्रिया पर राजस्थान हाईकोर्ट ने इंटरव्यू शुरू होने से ठीक एक घंटे पहले रोक लगा दी। यह फैसला उस समय आया जब राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने 13 अप्रैल 2026 को इंटरव्यू की पूरी तैयारी कर ली थी और अभ्यर्थी केंद्रों पर पहुंच चुके थे।

यह आदेश हाईकोर्ट की एकलपीठ ने डॉ. अमित कुमार शर्मा एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किया। कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और चयन प्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। इसी आधार पर पूरी भर्ती प्रक्रिया पर अगली सुनवाई तक रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विज्ञापन में लिखित परीक्षा का प्रावधान होने के बावजूद इसे आयोजित नहीं किया गया और चयन पूरी तरह इंटरव्यू आधारित रखा गया, जिससे निष्पक्षता प्रभावित होती है। साथ ही इंटरव्यू के अंक देने का कोई स्पष्ट और पारदर्शी मानक भी सार्वजनिक नहीं किया गया।

कोर्ट में यह भी तर्क दिया गया कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्देशों के अनुसार इंटरव्यू के अंक कुल अंकों के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होने चाहिए, लेकिन इस भर्ती में इसका पालन नहीं किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता दीपेंद्र यादव ने पक्ष रखा।

हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि चयनित अभ्यर्थियों और मेरिट सूची में शामिल उम्मीदवारों को भी मामले में पक्षकार बनाया जाए, ताकि अंतिम निर्णय सभी पर न्यायसंगत प्रभाव डाल सके। साथ ही राज्य सरकार और राजस्थान लोक सेवा आयोग को भर्ती प्रक्रिया आगे न बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में एसआई भर्ती 2021 को लेकर भी बड़ा विवाद सामने आया था, जिसके बाद यह मामला RPSC के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

भाई ने सगी बहन का कुल्हाड़ी से फोड़ा सिर

फसल का हिस्सा देने बुलाया और कर दी हत्या, फिर शव के पास बैठा रहा

श्रीगंगानगर, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के रावला थाना क्षेत्र के गांव 8 डीओएल में एक भयंकर घटना हुई, जिसमें छोटे भाई ने अपनी बहन की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार मृतका का नाम मंजू और आरोपी का नाम सुरेन्द्र है। दोनों के बीच कृषि भूमि को लेकर विवाद काफी समय से चल रहा था।

सुबह सुरेन्द्र ने अपनी बहन को खेत की फसल का हिस्सा देने के बहाने अपने घर बुलाया। वहां दोनों के बीच कहासुनी हुई। गुस्से में आकर सुरेन्द्र ने घर में रखी कुल्हाड़ी से मंजू के सिर पर वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। घटना के समय घर में किसी और की मौजूदगी नहीं थी।

मंजू की चीख सुनकर पास में खड़े युवक रामावतार ने दौड़कर घर में प्रवेश किया और देखा कि मंजू फर्श पर गिर पड़ी थी और उसके भाई के हाथ में खून से सनी कुल्हाड़ी थी। रामावतार ने तुरंत रावला पुलिस को सूचना दी।

पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। सुरेन्द्र घटना स्थल पर ही मृत बहन के पास बैठा पाया गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और शव को रावला सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भेजा। डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला जमीन विवाद का पाया गया है। मंजू की मां उस समय गांव 2 कालुवाला में शादी में गई थीं। पिता की अनुपस्थिति और जमीन के हिस्सेदारी को लेकर दोनों में तनाव बढ़ा था। डीएसपी ने बताया कि आगे की जांच और एफआईआर मृतका की मां के आने के बाद दर्ज की जाएगी। सुरेन्द्र के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। इस घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है और ग्रामीणों में गहरा सदमा है ।

डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और इसकी सूचना मंजू की मां और श्रीगंगानगर रह रहे दूसरे भाई को दी गई । उन्होंने बताया कि मृतका का पिता नहीं है, ऐसे में कृषि भूमि के हिस्सेदारी के कारण उसका भाई सुरेन्द्र नाराज रहने लगा ।

नीमराणा में वेतन बढ़ोतरी की मांग पर बवाल

सैकड़ों महिला श्रमिक धरने पर बैठीं, पुलिस ने छह को हिरासत में लिया

कोटपूतली-बहरोड़, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। कोटपूतली बहरोड़ जिले के नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बड़ा श्रमिक आंदोलन देखने को मिला। हैलोज पैकेजिंग और एस्टमो के बाहर सैकड़ों मजदूरों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला श्रमिक भी शामिल रहीं। सुबह से ही श्रमिक कंपनी गेट के बाहर धरने पर बैठ गए, जिससे क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया और मुख्य सड़क पर जाम लग गया। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि लंबे समय से वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है। मजदूरों का कहना है कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद प्रबंधन उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है, जिससे परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन तुरंत हरकत में आया और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। नीमराणा एसडीएम महेंद्र यादव और एडिशनल एसपी सुरेश खींची सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और मजदूरों से शांतिपूर्ण बातचीत की अपील की। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी उग्र हो गए, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को हिरासत में ले लिया।

बाल विवाह में पहुंची पुलिस तो भागा पंडित

हलवाई को मिल गई चेतावनी, मचा हड़कंप

बारां, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। बारां जिले में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चाइल्ड हेल्पलाइन टीम और सृष्टि सेवा समिति ने प्रशासन व पुलिस के सहयोग से तीन नाबालिग बालिकाओं के विवाह रुकवाए। टीम ने बालिकाओं को मुक्त कर सखी केंद्र बारां में आश्रय दिलवाया। यह कार्रवाई जिले के छीपाबड़ौद थाना क्षेत्र के खजूरिया, खेड़ी जागीर और हरनावदाशाहजी गांव में की गई।

मौके पर पहुंची टीम को बाल विवाह की तैयारियां चलती मिली। मंगलगीत गूंज रहे थे, मेहमान मौजूद थे और डीजे पर लोग थिरक रहे थे। टीम ने तुरंत हस्तक्षेप कर परिजनों को पाबंद किया और बाल विवाह नहीं कराने के संबंध में लिखित आश्वासन लिया। यह कार्रवाई चाइल्ड हेल्प लाइन के जिला समन्वयक मनीष राठौर के नेतृत्व में की गई।

टीम ने परिजनों को बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी देते हुए इसके दुष्परिणाम भी समझाए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी गतिविधि पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए परिवारों को प्रेरित किया।

चाइल्ड हेल्प लाइन के जिला समन्वयक राठौर ने बताया कि बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राकेश कुमार वर्मा के निर्देश पर टीम छीपाबड़ौद थाना क्षेत्र के खजूरिया, खेड़ी जागीर और हरनावदाशाहजी गांव में पहुंची। वहां प्रशासन के सहयोग से बाल विवाह रुकवाकर बालिकाओं को बाल कल्याण समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता के समक्ष पेश किया गया। जहां से उन्हें सखी केंद्र में आश्रय देने के आदेश दिए गए।

कार्रवाई के दौरान हलवाई और टेंट संचालकों को भी सख्त चेतावनी दी गई, लेकिन पंडित मौके से फरार हो गया।

थर्मल पावर प्लांट के अंदर घूम रहा भालू

कर्मचारी पर हमले के बाद सुरक्षा पर उठे सवाल

कोटा, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान की 'शिक्षा नगरी' अब वन्यजीवों और इंसानों के बीच संघर्ष का नया अखाड़ा बनती जा रही है। कोटा के अति-सुरक्षित माने जाने वाले कोटा थर्मल पावर प्लांट परिसर के भीतर एक भालू के हमले ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। हुई इस घटना के बाद से प्लांट के भीतर काम करने वाले करीब 1500 कर्मचारियों और उनके परिजनों में खौफ का माहौल है। थर्मल प्लांट में कार्यरत नियमित कर्मचारी नितिन मिश्रा अपनी इवनिंग ड्यूटी पर तैनात थे। शाम के वक्त वे प्लांट परिसर में ही स्थित सरकारी कैंटीन से चाय पीकर अपने कार्यस्थल की ओर लौट रहे थे। तभी झाड़ियों में छिपे एक भालू ने अचानक पीछे से उन पर हमला कर दिया। हमला इतना अचानक और जोरदार था कि नितिन को संभलने का मौका तक नहीं मिला। भालू के पंजों से उनके कपड़े तार-तार हो गए और सीने पर गहरे घाव के निशान आए हैं। नितिन की चीख-पुकार सुनकर आसपास के कर्मचारी लाठी-डंडे लेकर दौड़े, जिन्हें देखकर भालू जंगल की ओर भाग निकला। घायल नितिन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। हैरानी की बात यह है कि अभी हाल ही में वन विभाग की ओर से थर्मल कर्मचारियों के लिए एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया था।

रिफाइनरी अग्निकांड पर विपक्ष ने रखी जांच की मांग

बाड़मेर, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित 'राजस्थान रिफाइनरी' में पीएम मोदी के उदघाटन किए जाने से एक दिन पहले लगी आग ने सियासी पारा भी चढ़ा दिया है। इस मामले में विपक्ष की ओर से भी प्रतिक्रिया आने लगी है। विपक्ष ने हादसे पर चिंता जताते हुए इसे लापरवाही बताया है। गहलोत-पायलट ने एक्स पोस्ट कर जताई चिंताने के साथ ही सुरक्षा पर सवाल किए हैं। पूरे मामले में गहलोत ने लिखा कि ' बालोतरा के पचपदरा में रिफाइनरी में आग लगने की खबर सुनकर चिंता हुई। रिफाइनरी हम सभी राजस्थानियों के लिए गर्व करने वाली परियोजना है जिसका कल उद्घाटन होना है। ऐसे समय पर यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं इस घटना में सभी की सलामती की प्रार्थना करता हूं।' इसी तरह सचिन पायलट ने भी लिखा 'राजस्थान के बालोतरा जिले की रिफाइनरी में लगी आग की खबर बेहद चिंताजनक है। यह एक दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसका उद्घाटन कल होना है। मैं उम्मीद करता हूँ कि वहाँ मौजूद सभी लोग सुरक्षित होंगे और स्तिथि जल्द नियंत्रण में आएगी। बाड़मेर रिफाइनरी अग्निकांड पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी निशाना साधा है।

मजदूर की बेटी कविता भील 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकती है गेंद, राजस्थान क्रिकेट टीम में हुआ चयन

भीलवाड़ा, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। अरावली की दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे बदनोर क्षेत्र के छोटे से गांव 'खेडेला' की पगडंडियों पर दौड़ती एक छात्रा ने अब कोलकाता के बड़े क्रिकेट मैदानों में अपनी रफ्तार का लोहा मनवाया है। पिता हरिलाल और मां मीरा देवी गुजरात-महाराष्ट्र में कुएं खोदकर परिवार पाल रहे हैं, तो वहीं 14 वर्षीय बेटी कविता भील ने पत्थरों को चीरकर निकलने वाली अपनी तेज गेंदबाजी से भविष्य की नई इबारत लिख दी है। कविता गांव की पहली ऐसी बेटी है, जिसने अपने हौसलों की बदौलत हवाई जहाज में बैठने का सपना पूरा किया। राजस्थान टीम का हिस्सा बनकर जब वह कोलकाता से लौटी, तो बदनोर कस्बे ने

पलक-पावड़े बिछाकर उसका जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रकाश चंद्र चौधरी की प्रेरणा से कई भामाशाह इस होनहार खिलाड़ी की मदद को आगे आए हैं।

मुंबई प्रवासी समाजसेवी मनोज नाहटा खेडेला गांव पहुंचे और कविता के खेल के प्रति समर्पण को देख प्रभावित हुए। नाहटा ने कविता की डाइट और अन्य खर्चों के लिए हर माह 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है, ताकि उसकी प्रैक्टिस में कोई बाधा न आए। कोच मनोज सुनारिया बताते हैं कि तीन साल की कठिन मेहनत का ही परिणाम है कि आज कविता 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकने में सक्षम है।

436 स्थानों पर दबिश, हिस्ट्रीशीटर समेत 123 गिरफ्तार; हथियार बरामद

झुंझुनू, 20 अप्रेल (एजेंसियां)। झुंझुनूं पुलिस ने जिलेभर में एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के कार्रवाई की है । अभियान का प्राथमिक लक्ष्य असामाजिक तत्वों, वांछित अपराधियों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था । इस कार्रवाई के लिए गठित 60 टीमों के 257 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने कुल 436 स्थानों पर दबिश दी । इस दौरान विभिन्न अपराधों में कुल 123 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया । इनमें महिला अत्याचार के प्रकरणों में वांछित 2, जघन्य अपराधों में 11 , सामान्य अपराधों में 15 , गिरफ्तारी वारंट / स्थायी वारंट / पीओ / इनामी अपराधी व अन्य मामलों में 78 तथा शांतिभंग में 22 गिरफ्तारियां शामिल हैं ।

अभियान के दौरान पुलिस ने आबकारी एक्ट के 9 प्रकरण दर्ज कर 9 मुल्जिमों को गिरफ्तार किया , जिनके पास से 2 लीटर हथकड़ शराब व 316 पव्वे देशी सादा मदिरा जब्त की गई । आर्म्स एक्ट में 2 प्रकरण दर्ज कर एक देशी पिस्तौल, एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी जब्त किया गया । एनडीपीएस , आबकारी, आर्म्स व अवैध खनन के अतिरिक्त अन्य एक्ट में भी 6 प्रकरण दर्ज कर 9 मुल्जिमों को पकड़ा गया ।

विभिन्न पुलिस थानों की विशिष्ट कार्रवाइयों में बलात्कार, पॉक्सो एक्ट में वांछित स्थायी वारंटी रवि उर्फ रविप्रकाश, चोरी में फरार स्थायी वारंटी सुरेंद्र उर्फ नंदू , 4 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के इनामी आरोपी बन्नाराम सैनी, महिला से छेड़छाड़ के आरोपी चेतन शर्मा, आर्म्स एक्ट के एचएस नवीन गुर्जर, हत्या के प्रयास में वांछित इनामी राकेश उर्फ रॉकी व रजनीश उर्फ राज उर्फ ढोल, नाबालिग से चोरी करवाने के मामले में सुभाष खटाणा व कृष्ण कुमार, तथा अस्पताल से इंजेक्शन चोरी के आरोपी विकास सैनी सहित कई वांछितों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, अवैध हथियारों व शराब की बरामदगी भी की गई।

नवलगढ़ पुलिस थाना गोठड़ा ने चर्चित सुनील सुण्डा हत्याकांड में बड़ी सफलता हासिल करते हुए षड्यंत्र में शामिल 50 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था और अलग-अलग राज्यों में छिपकर रह रहा था। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मीणा गिरफ्तार आरोपी सुरेश कुमार मुवाल निवासी शेरपुरा (सीकर) है, जो इस हत्याकांड की साजिश में शामिल था।

देवभूमि का आध्यात्मिक स्वरूप

हिमालयी उद्घोष: महादेव की दिव्य उपस्थिति और आत्म-साक्षात्कार का महापथ

संत महंत महादेव दास बाबा
नंदा देवी पर्वत, उत्तराखंड

बाबा केदारनाथ धाम

उत्तराखंड की यह पावन धरा, जिसे हम श्रद्धा के साथ 'देवभूमि' पुकारते हैं, केवल पर्वतों और नदियों का समूह मात्र नहीं है। यह पृथ्वी का वह कोना है जहाँ जड़ और चेतन के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है। हिमालय का कण-कण, प्रत्येक शिला और हर बहती जलधारा उस आदि-अनंत शिव तत्व की गूँज से ओतप्रोत है। यह भूमि एक जीवंत ऊर्जा क्षेत्र है, जिसने युगों-युगों से तपस्वियों, योगियों और सत्य के खोजी साधकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस अलौकिक साम्राज्य के केंद्र में भगवान शिव का भव्य केदारनाथ धाम विराजमान है। केदारनाथ केवल पत्थरों से निर्मित एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह वह द्वार है जहाँ पहुँचकर मनुष्य की क्षुद्र चेतना ब्रह्मांडीय चेतना में विलीन होने लगती है।

सदियों से, साधकों ने केदारनाथ की दुर्गम पहाड़ियों को अपने पैरों से नापा है। उनकी यह यात्रा शारीरिक सुख या मनोरंजन के लिए नहीं थी, बल्कि यह सत्य की एक ऐसी खोज थी जिसमें व्यक्ति स्वयं को मिटाकर शिव को पाने का प्रयास करता था। यह मार्ग कठिन है, और यह कठिनाई ही साधक के अहंकार को तोड़ने का कार्य करती है। यह अटल सत्य है कि केदारनाथ वही पहुँचता है जिसे महादेव स्वयं पुकारते हैं। बिना ईश्वरीय इच्छा के, इस पावन धाम की रज को छू पाना भी संभव नहीं है।

भक्ति बनाम पर्यटन

आज जब तीर्थयात्रा के द्वार खुलते हैं, तो चारों ओर से भक्तों का तांता लग जाता है। किंतु, एक संत के रूप में मेरा हृदय यह देखकर व्यथित होता है कि इस पवित्र यात्रा का स्वरूप धीरे-धीरे पर्यटन में बदलता जा रहा है। यहाँ पहुँचने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना अनिवार्य है कि हिमालय कोई पिकनिक मनाने का स्थान नहीं है।

यदि आप महादेव के प्रति अटूट विश्वास और श्रद्धा रखते हैं, तभी इस यात्रा का हिस्सा बनें। इस मार्ग पर यदि आपके चरण पड़ें, तो वे केवल भक्ति भाव, अटूट विश्वास और अंतरात्मा की पुकार से प्रेरित होने चाहिए। यदि आपके भीतर 'टूरिस्ट' (पर्यटक) का भाव है, यदि आप यहाँ केवल मनोरंजन, फोटो खींचने या सैर-सपाटे के लिए आ रहे हैं, तो विश्वास मानिए कि आप अपना बहुमूल्य समय और धन दोनों व्यर्थ कर रहे हैं। महादेव की इस अत्यंत पावन धरती पर मनोरंजन की दृष्टि से आना न केवल आपकी अज्ञानता है, बल्कि यह उस दिव्य ऊर्जा का अपमान भी है। पर्यटक बनकर आप महादेव को प्रसन्न करने के बजाय अपनी चंचलता से उन्हें रुष्ट करेंगे। जब तक आप स्वयं को एक 'यात्री' से बदलकर एक 'साधक' नहीं बनाएंगे, तब तक इन पहाड़ों के रहस्य आपके लिए अनुद्घाटित ही रहेंगे। भक्ति भाव से किए गए एक छोटे से प्रणाम में वह शक्ति है जो बड़े-बड़े आडंबरों में नहीं है। महादेव भाव के भूखे हैं, वैभव के नहीं।

शिव तत्व और मौन की गहन शक्ति

शिव का अर्थ है—कल्याण। शिव वह आदि ऊर्जा है जो संपूर्ण सृष्टि के विनाश और सृजन की आधारशिला है। वह संहारक भी हैं और रक्षक भी। शिव की इस असीम शक्ति को समझने के लिए मनुष्य के भीतर मौन का होना आवश्यक है। हिमालय की गोद में जो निस्तब्धता है, वह मौन नहीं बल्कि शिव का संवाद है। जब मन की चंचलता शांत होती है, तभी वह 'अनहद नाद' सुनाई देता है जो इन ऊँची चोटियों में गूँज रहा है।

अपने भीतर शिवत्व को जागृत करने के लिए यात्रा के दौरान इन चार स्तंभों का आश्रय लें:

पवित्र मंत्र जप: 'ॐ नमः शिवाय' केवल एक मंत्र नहीं, बल्कि शिव तक पहुँचने की सीढ़ी है। निरंतर जप आपके सूक्ष्म शरीर को शुद्ध करता है और आपको पहाड़ों की ऊर्जा के अनुकूल बनाता है।

मौन चिंतन: जितना हो सके, वाणी का संयम रखें। व्यर्थ की बातों से ऊर्जा नष्ट होती है। हिमालय की शांति को अपने भीतर उतारें।

गहन ध्यान: यात्रा के पड़ावों पर कुछ समय आँखें बंद कर बैठें। अनुभव करें कि हिमालय की प्राणवायु आपके भीतर के विकारों को धो रही है। **समर्पण:** यह मान लें कि आप कुछ नहीं कर रहे, सब शिव की कृपा से हो रहा है।

रुद्रप्रयाग: दिव्य साक्षात्कार

केदारनाथ के मार्ग पर रुद्रप्रयाग एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऊर्जावान पड़ाव है। यहाँ अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का संगम होता है। यह स्थान आत्म-साक्षात्कार के लिए विशेष रूप से सिद्ध माना गया है। मैं प्रत्येक तीर्थयात्री को परामर्श देता हूँ कि वे यहाँ कम से कम एक रात्रि अवश्य विश्राम करें। यह विश्राम केवल शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं, बल्कि उस सूक्ष्म ऊर्जा को ग्रहण करने के लिए है जो यहाँ की वायु में व्याप्त है। नदी के तट पर बैठकर जल के प्रवाह को देखना मन की गहराइयों में दबे कई प्रश्नों का उत्तर दे देता है।

यहाँ मैं अपना एक निजी और दिव्य अनुभव साझा करना चाहता हूँ। वर्ष 1980 की बात है, इसी रुद्रप्रयाग और केदारनाथ के पावन क्षेत्र में मुझे महावतार बाबाजी की दिव्य उपस्थिति का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वह कोई साधारण घटना नहीं थी, बल्कि वह मेरे जीवन का वह मोड़ था जिसने मेरे अस्तित्व के अर्थ को ही बदल दिया। सिद्ध महापुरुषों और ऋषियों की ऊर्जा आज भी इन कंदराओं में जीवंत है। वे आज भी उन साधकों का मार्गदर्शन करते हैं जो अहंकार त्याग कर, पूर्ण पवित्रता और सरलता के साथ इस भूमि पर कदम रखते हैं। उनकी उपस्थिति को तर्क से नहीं, केवल हृदय की संवेदनशीलता से ही महसूस किया जा सकता है।

ऋषिकेश से बद्रीनाथ तक

हिमालय की चढ़ाई केवल पहाड़ों पर चढ़ना नहीं है, बल्कि अपनी चेतना के स्तरों को ऊपर उठाना है। यात्रा का प्रारंभ योग की नगरी ऋषिकेश से होता है। जैसे-जैसे आप ऊँचाई की ओर बढ़ते हैं, संसार का शोर धीरे-धीरे मंद पड़ने लगता है। पहाड़ों की ठंडी हवा और घाटियों की गहराई मनुष्य को उसकी लघुता का आभास कराती है। जो लोग केदारनाथ के पश्चात बद्रीनाथ की ओर बढ़ते हैं, उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि यह कोई प्रतिस्पर्धा या रेस नहीं है कि कितने मंदिर देख लिए। महत्वपूर्ण यह है कि आपने उन स्थानों के सार को कितना ग्रहण किया। बद्रीनाथ का विशाल मंदिर और वहाँ की अलौकिक शांति हमें त्याग और धर्म का पाठ पढ़ाती है। अपनी यात्रा की गति को धीमा रखें। हर मोड़ पर रुककर उस सौंदर्य को देखें जो ईश्वर ने हमारे लिए रचा है।

हिमालय: एक परम शिक्षक

अनेक बार इन दुर्गम रास्तों पर पैदल चलने के अनुभव से मैंने यह सीखा है कि इस यात्रा में आने वाली शारीरिक चुनौतियाँ वास्तव में एक वरदान हैं। पैर की थकान, साँस का फूलना और मार्ग की बाधाएँ—ये सब हमारे अहंकार को कुचलने के साधन हैं। जब शरीर थक जाता है और बुद्धि हार मान लेती है, तभी अंतरात्मा जागृत होती है।

आजकल मंदिरों में भारी भीड़ के कारण अक्सर महादेव के समीप जाने या उन्हें स्पर्श करने का अवसर नहीं मिल पाता। इससे मन को छोटा न करें। याद रखें, शिव की सत्ता केवल उस गर्भगृह की प्रतिमा तक सीमित नहीं है। वह संपूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त है। यदि आपकी पुकार सच्ची है, तो मीलों दूर से भी किया गया एक प्रणाम महादेव तक उसी तीव्रता से पहुँचता है जैसे सम्मुख खड़ा होकर। हिमालय हमें तीन मुख्य गुण सिखाता है:

धैर्य: ईश्वरीय विधान और समय पर भरोसा करना सीखें।

विनम्रता: इन विशाल शिखरों के सामने स्वयं को शून्य समझना ही भक्ति की शुरुआत है।

शरणागति: अपनी इच्छाओं और नियंत्रण की प्रवृत्ति को त्यागकर पूर्णतः शिव के चरणों में समर्पित हो जाना।

साधकों के लिए अंतिम संदेश

मेरा संदेश सीधा और स्पष्ट है: इस यात्रा को केवल तभी करें जब आपके भीतर एक भक्त का हृदय धड़कता हो। यदि आप यहाँ केवल सुंदर दृश्यों को देखने या अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए आ रहे हैं, तो आप महादेव की इस पावन भूमि के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। हिमालय आपसे मनोरंजन नहीं, बल्कि रूपांतरण की माँग करता है।

यहाँ की पवित्र ऊर्जा का सम्मान करें। इसे कचरे या अपनी मानसिक विकृतियों से दूषित न करें। एक छात्र की तरह आएँ जो प्रकृति और परमात्मा से सीखना चाहता है। जब आप अपनी आंखों में आंसू और हृदय में तड़प लेकर केदारनाथ की ओर बढ़ेंगे, तो विश्वास मानिए, स्वयं महादेव आपका हाथ थामने आगे आएंगे।

अंततः, सबसे बड़ा सत्य यही है कि जिस दिव्य उपस्थिति को आप केदारनाथ की चोटियों में ढूंढ रहे हैं, वह आपके अपने भीतर ही निवास करती है। केदारनाथ की कठिन चढ़ाई वास्तव में आपके अपने 'स्व' तक पहुँचने की यात्रा का एक बाहरी प्रतिबिंब है। जिस दिन आप अपने भीतर के शिव को पहचान लेंगे, उस दिन आपकी यह यात्रा सफल हो जाएगी। जब ईमानदारी और भक्ति के साथ इस पथ पर चला जाता है, तो यह केवल एक तीर्थयात्रा नहीं रह जाती—यह एक प्रचंड आत्म-जागरण और जीवन का नया जन्म बन जाती है।

महादेव आपको शक्ति दें, आपकी बुद्धि को सन्मार्ग पर ले जाएं और आपको उस परम शांति का अनुभव कराएं जिसे केवल हिमालय की गोद में ही पाया जा सकता है।

पर्यटन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करें : जूपल्ली कृष्णा राव

2047 तक तेलंगाना में वैश्विक पर्यटन हब बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने राज्यभर में चल रही पर्यटन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि उन्हें बिना किसी देरी के जनता के लिए उपलब्ध कराया जा सके। सोमवार को हिमायतनगर स्थित तेलंगाना पर्यटन विकास निगम कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में, टीजीटीडीसी अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी के साथ मंत्री ने राज्य, केंद्र और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने लगभग 274.93 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजनाओं की जिला-वार प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मंत्री ने सभी परियोजनाओं के लिए मासिक समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के तहत उन्होंने पारंपरिक नौकाओं की जगह आधुनिक बोट्स शुरू करने और सोमशिला में अतिरिक्त बोटिंग सुविधाएं विकसित करने का सुझाव दिया। पर्यटन आकर्षण बढ़ाने के लिए मंत्री ने रूस और चीन की तर्ज पर ऊंचाई वाले और जलाशयों के पास 'कैंटिलीवर ग्लास व्यू प्वाइंट' विकसित करने की संभावनाएं तलाशने को कहा। साथ ही, ऐतिहासिक रामप्पा मंदिर के पास बढ़ते पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त कॉटेज निर्माण के प्रस्ताव तुरंत तैयार करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य 2047 तक तेलंगाना को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र बनाना है। इसके लिए छह विशेष पर्यटन क्षेत्रों आध्यात्मिक, विरासत, ईको-वेलनेस, हस्तशिल्प, जल और बौद्ध सर्किट के लिए व्यापक मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। आध्यात्मिक सर्किट में यादाद्रि मंदिर, भद्राचलम मंदिर, बासरा मंदिर, वेमुलवाड़ा मंदिर और कालेश्वरम मंदिर जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग में कांस्य जीतने पर डीजीपी से मिली निखत जरीन

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर डीएसपी निखत ज़रीन को बधाई दी। यह प्रतियोगिता उलानबातर, मंगोलिया में आयोजित हुई थी। डीजीपी ने सोमवार को अपने कार्यालय में निखत ज़रीन को सम्मानित करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि निखत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर तेलंगाना पुलिस और राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी ऐसे ही उपलब्धियां हासिल करती रहेंगी। इस अवसर पर डीजीपी ने 25वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स क्लस्टर प्रतियोगिता में तेलंगाना पुलिस के कर्मियों के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की। यह प्रतियोगिता 8 से 12 अप्रैल के बीच देहरादून और टिहरी झील, उत्तराखंड में आयोजित की गई थी।

रोइंग कॉक्सलेस पेयर (500 मीटर) स्पर्धा में हेड कांस्टेबल एन. रामकृष्ण और पुलिस कांस्टेबल जे. राजू ने रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट टीमवर्क का प्रदर्शन किया। सम्मान समारोह में डीजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) महेश एम. भगवत, आईजीपी (स्पोर्ट्स) गजराव भूपाल, स्पोर्ट्स ऑफिसर आर.वी. रामाराव, कोच पी. कृष्णा राव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जगतगिरीगुटा स्थित श्री परशुराम मंदिर में अक्षय तृतीय के पावन अवसर पर भगवान श्री परशुरामजी के जन्मोत्सव कार्यक्रम में आयोजित पुजा-अर्चना, महाअभिषेक, भजन व महाप्रसादी (भंडारा) कार्यक्रम में मुख्यअतिथि विधायक के.पी.विवेकानन्दा, सम्मानित अतिथि डॉ.एस.मल्ला रेड्डी, भाजपा जिला महामंत्री गिरीवर्धन रेड्डी, कुतबुलापुरम विधान सभा संयोजक शेखर यादव, साई प्रताप, पूर्व संयोजक जगन, नदीम, वेनुगोपाल का सम्मान कर उपस्थित पुजा प्रधान नीरज चर्तुरवेदी, रामगोपाल चौधरी, मंदिर अध्यक्ष सौरभ सिंह, सुनिल सिंह, पंकज सिंह, राकेश सिंह, मुकेश शर्मा, रवि शर्मा, गोविन्द राय, मानवेन्द्र मिशा, पंकज, सीए अविनाश कुमार, मीनाक्षी चौधरी, आशा सिंह, अर्चना सिंह, उषा कल्याणी, रुपम झा, सुधा राय, आशा मिश्रा व भक्तगण।

विधायक संजय कुमार का हरीश राव और जीवन रेड्डी पर निशाना

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जगित्याल विधायक संजय कुमार ने सोमवार को बीआरएस में बढ़ती अंदरूनी खींचतान का आरोप लगाते हुए पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जगित्याल में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के बजाय वे दिल्ली में क्यों थे। कुमार ने आरोप लगाया कि जीवन रेड्डी के बीआरएस में शामिल होने को लेकर पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ रहा है। जीवन रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिन पार्टियों में वे शामिल होते हैं, वहां संगठन मजबूत नहीं हो पाता। साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि जीवन रेड्डी पहले कालेश्वरम परियोजना को लेकर बीआरएस नेतृत्व की आलोचना कर चुके हैं। संजय कुमार ने कुछ बीआरएस विधायकों पर टी. हरीश राव के साथ गुप्त बैठकों का भी आरोप लगाया, जिससे पार्टी में गुटबाजी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। गौरतलब है कि जीवन रेड्डी ने हाल ही में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कांग्रेस छोड़ दी है और 20 अप्रैल को जगित्याल में एक सार्वजनिक सभा के दौरान बीआरएस में औपचारिक रूप से शामिल होने वाले हैं।

पृष्ठ 3 का शेष भाग.

कालेश्वरम घोटाले ...

पूर्व मंत्री टी. हरीश राव पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने उनके दिल्ली दौरे पर सवाल उठाए और कहा कि वे किन नेताओं से मिले, यह जनता को बताना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामलों से बचने के लिए राजनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कालेश्वरम परियोजना में किसी भी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा और पूरी योजना के साथ आगे बढ़ते हुए परियोजना की मरम्मत कर किसानों को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इसी क्रम मे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कालेश्वरम स्थित श्री कालेश्वर-मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर के 198 करोड़ लागत वाले पुनर्विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने पहले मंदिर में दर्शन कर 'महा रुद्राभिषेकम' में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने सुभानंदा देवी मंदिर का दौरा किया और फिर शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कालेश्वरम में प्रस्तावित बस स्टेशन के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया, जिसकी लागत 3.70 करोड़ बताई गई है। एंडोमेंट्स विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर और आयुक्त हनुमंता राव ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों का सम्मान करते हुए उन्हें प्रसाद और रेशमी वस्त्र भेंट किए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को मंदिर पुनर्विकास की विस्तृत योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, उत्तम कुमार रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, अदलुरी लक्ष्मण, गड्डम विवेक, सांसद वंशी कृष्ण सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

चंदननगर में वैभव ज्वेलर्स का 21वें शोरूम का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वैभव ज्वेलर्स, (एम/ए. मनोज वैभव जेम्स 'एन' ज्वेलर्स लिमिटेड) एक जाना-माना नाम है जिसके तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 20 स्टोर हैं। वैभव ज्वेलर्स अपनी अद्वितीय विक्रय प्रस्ताव रिलेशंसशिप्स, बाय डिज़ाइन के साथ, अपने ग्राहकों को ज्वेलरी में अनगिनत डिज़ाइन लेने का अवसर देता है। इसमें सोना, हीरे, फाइन ज्वेलरी, प्लैटिनम, रत्न, चांदी की वस्तुएं और ज्वेलरी शामिल हैं, जो बेहतरीन गुणवत्ता और सेवाओं के साथ उपलब्ध हैं।

आज सोमवार, 20 अप्रैल को, आईसीआरआईएसएटी कॉलोनी, मेन रोड, चंदननगर में, इसके 21वें शोरूम का उद्घाटन श्रीमती डॉ. सी.एच. प्रीति रेड्डी, वाइस चेयरमैन- मल्ला रेड्डी विश्वविद्यापीठ, सुश्री मानसा वाराणसी (अभिनेत्री), डॉ. अनिल कुमार, आईपीएस एडीजीपी ऑपरेशंस (ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस), डॉ.एम. रमेश, आईपीएस पुलिस कमिश्नर, साइबराबाद और कंकटला मल्लिकार्जुन राव सीएमडी, कंकटला टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती भरत मल्लिका रत्नकुमारी ग्रांधी, सीएमडी वैभव ज्वेलर्स और गोंटला राखल-जेएमडी, वैभव ज्वेलर्स भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रीति रेड्डी ने वैभव ज्वेलर्स की सराहना की। उन्होंने इसे एक स्वागत योग्य और प्रशंसनीय कदम बताया कि वे अब चंदननगर और आस-पास के क्षेत्रों के ग्राहकों को सोने और हीरे की ज्वेलरी की अपनी विस्तृत श्रृंखला पेश कर रहे हैं, जो अपनी उत्कृष्ट कारीगरी के लिए जानी जाती है।

सुश्री मानसा ने कहा कि वह वैभव ज्वेलर्स की अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं । 32 वर्षों का विश्वास, 30+ मिलियन ग्राहक, 3+ मिलियन शानदार डिज़ाइन, 20+ स्टोर। वह

इसकी निरंतर सफलता में योगदान देने और इसकी विश्व-स्तरीय

पेशकशों तथा यादगार खरीदारी अनुभवों के माध्यम से ग्राहकों से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं। वैभव ज्वेलर्स के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट, जे. रघुनाथ ने कहा कि कंपनी अपने चंदननगर शोरूम में ग्राहकों को शानदार शॉपिंग अनुभव के साथ-साथ शुरूआती ऑफर्स भी दे रही है। 916 हॉलमार्क वाली सोने की ज्वेलरी की विस्तृत रेंज पर प्रति ग्राम 777 रुपये तक की छूट, हीरे की ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100 प्रतिशत की छूट, और चांदी की सामान्य चीज़ों व पायल पर कोई मेकिंग चार्ज नहीं है। उन्होंने ग्राहकों से अनुरोध किया कि वे विश्व-स्तरीय शॉपिंग अनुभव का आनंद लेते हुए इन खास ऑफर्स का लाभ उठाएं।

महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में शिवसेना का प्रदर्शन, विरोधी गठबंधन के खिलाफ नारेबाजी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शिवसेना की तेलंगाना इकाई ने संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक को रोके जाने के विरोध में हिमायतनगर स्थित राज्य कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'इंडी' गठबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सिंकारू शिवाजी ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए बेहद अहम इस विधेयक को विपक्ष ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते रोक दिया, जो देश की महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि दशकों से लंबित यह विधेयक महिलाओं को विधायिका में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने का माध्यम है, लेकिन विपक्षी दल इसे रोककर देश की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि देश की महिलाएं इस दोहरी नीति को समझ चुकी हैं और समय आने पर इसका जवाब देंगी।

सिंकारू शिवाजी ने कहा कि एनडीए का मानना है कि महिला शक्ति ही देश की प्रगति की आधारशिला है और जब तक महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिल जाता, संघर्ष जारी रहेगा। परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि इससे दक्षिण भारत को कोई नुकसान नहीं होगा, इसके बावजूद कांग्रेस और अन्य दलों ने बिल को रोककर लोकतंत्र के लिए काला दिन पैदा किया है। शिवसेना ने मांग की कि महिला आरक्षण विधेयक को बिना किसी बाधा के तुरंत पारित किया जाए और इसे रोकने वाले दल देश की जनता से माफी मांगें।

कार्यक्रम में पार्टी के राज्य महासचिव गोगिकर सुधाकर, कामगार सेना के नेता अहमद, युवासेना नेता गंगाधर तथा विद्यार्थी सेना के नेता अनिल, सागर, रमेश, राहुल, अखिल और विष्णु सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जामबाग डिवीज़न भाजपा के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने 'जन आक्रोश रैली' के हिस्से के तौर पर एक धरना आयोजित किया। धरना प्रदर्शन में महेश यादव, शंकर, बालाजी, नरसिंह, राजिता, कल्पना और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व कप 2027 की राह रोहित शर्मा-विराट कोहली के लिए हुई मुश्किल!

बीसीसीआई का 'फैसला' दोनों पर पड़ सकता है भारी

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। विराट कोहली और रोहित शर्मा अब अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के आखिरी कुछ सालों में हैं. दोनों ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले लिया है. अब वो सिर्फ वनडे खेलते हुए नजर आ रहे हैं. रोहित और विराट का लक्ष्य अब 2027 का वनडे वर्ल्ड कप है. हालांकि, बीसीसीआई के एक फैसले से दोनों की इस बड़े टूर्नामेंट के लिए राह मुश्किल हो सकती है. बताया जा रहा है कि बीसीसीआई ने अजीत अगरकर को 2027 का चीफ सिलेक्टर बनाए रखने का प्लान तैयार किया है.

बीसीसीआई ने बनाया खास प्लान

अजीत अगरकर का टीम इंडिया के चीफ सिलेक्टर के रूप में कार्यकाल जून 2026 तक था. हालांकि, एक्सप्रेस स्पोर्ट्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि बीसीसीआई अजीत अगरकर के अब तक के चयनकर्ता के रूप में काम से प्रभावित हैं और इसी वजह से उनका कॉन्ट्रैक्ट एक साल के लिए बढ़ा दिया जाएगा. इसका अर्थ है कि वो जून 2027 तक टीम इंडिया के चीफ सिलेक्टर रहेंगे.

रोहित शर्मा और विराट कोहली की बढ़ेगी मुश्किल!

अजीत अगरकर के कार्यकाल में विराट कोहली और रोहित शर्मा को काफी मुश्किलें आई हैं. अगरकर का इससे सीधा लेना-देना नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बढ़ने लगा. दोनों ने सभी को चौंकाते हुए संन्यास का ऐलान किया. अजीत अगरकर की लीडरशिप में ही टेस्ट टीम में बड़े बदलाव हो रहे हैं. टी20 में अगरकर के नेतृत्व में भारतीय टीम को ट्रांजिशन करने में कोई समस्या नहीं हुई.

अब वनडे में भी टीम इंडिया इसी दौर से गुजर रही है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भले ही एकदिवसीय क्रिकेट के दिग्गज हैं लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रदर्शन के आधार पर ही वो वनडे टीम में रहेंगे. अजीत अगरकर और प्रबंधन ने यह भी फैसला लिया है कि मैच फिट रहने के लिए सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा. विराट-रोहित ने अभी तक चुनौती पार की है लेकिन अजीत अगरकर के कार्यकाल में उन्हें टीम में बने रहने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा.

मैं अफगानिस्तान के लिए खेलूंगा

राशिद खान ने ठुकराया भारत की नागरिकता का ऑफर

खेल डेस्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने बड़ा दावा किया है. उन्होंने कहा है कि उन्हें भारत की तरफ से क्रिकेट खेलने का ऑफर मिला था. टीम इंडिया से खेलने के लिए उन्हें भारत की नागरिकता की भी पेशकश की जा रही थी. लेकिन, उन्होंने उस ऑफर को नकार दिया. इतना ही नहीं अपने दावे में राशिद खान ने एक और देश का नाम लिया, जिसने भारत की ही तरह उन्हें नागरिकता ऑफर की थी. मगर राशिद खान की मानें तो उन्हें उन ऑफर से ऊपर अपने देश को चुना. उन्होंने अफगानिस्तान के लिए क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी.

राशिद खान का अपनी किताब में बड़ा दावा

27 साल के अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर ने इन बातों का खुलासा अपनी आने वाली किताब- राशिद खानः सड़क से

स्टारडम तक- में किया है. इसी किताब में उन्होंने बताया है कि उन्हें भारत के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता का ऑफर मिला था. दोनों देशों ने उन्हें अपनी ओर से खेलने का ऑफर भी दिया था.

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने दिया था नागरिकता का ऑफर

अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर के मुताबिक, उन्हें भारत और ऑस्ट्रेलिया, दोनों से नागरिकता और खेलने का ऑफर मिला था. लेकिन उन्होंने ऑफर ये कहते हुए ठुकरा दिया कि अगर वो अपने देश के लिए नहीं खेल सकते तो फिर दूसरे किसी देश के लिए भी नहीं खेल सकते.

राशिद खान ने किताब में बताया ये किस्सा

किताब में कही अपनी बात में राशिद ने ऑस्ट्रेलियाई ऑफर के बारे में तो ज्यादा डिटेल में बात नहीं की. मगर भारतीय ऑफर को लेकर उन्होंने विस्तार से चर्चा की है. उन्होंने बताया कि भारत की नागरिकता और वहां से खेलने का ऑफर उन्हें तब मिला था, जब वो ओीपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे. जीटी के एक अधिकारी ने उनसे आकर कहा था कि, " बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी" उनसे मिलना चाहते हैं.

राशिद ने आगे बताया कि वो उनसे मिलने गए. बात होने लगी. उन्होंने उनसे कहा कि अफगानिस्तान में हालात अच्छे नहीं है तो भारत आकर ही बस जाइए. हम आपको भारतीय दस्तावेज मुहैया करा देंगे. यहां रहिए और क्रिकेट खेलिए.

राशिद के मुताबिक पहले तो अधिकारी ने जो कहा उसे सुनकर वो चौंक गए, फिर उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया. राशिद ने कहा- आपके ऑफर के लिए शुक्रिया पर मैं अपने देश अफगानिस्तान के लिए खेल रहा हूं.

पंजाब ने आईपीएल 2026 का बेस्ट स्कोर बनाया

खेल डेस्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के 29वें मैच में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। मुल्लांपुर में पीबीकेएस ने 19वें सीजन का बेस्ट स्कोर बनाया। एलएसजी ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदला। वहीं ऐडन मार्करम ने एक ओवर में 32 रन खर्च कर दिए, उनके ओवर में प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने 5 छक्के लगाए।

दूसरे ओवर में पंजाब के कूपर कोनोली एलबीडब्ल्यू होने से बच गए। मोहसिन खान की फुल लेंथ गेंद पर कोनोली फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन चूक गए और गेंद उनके पैड्स से टकरा गई। एलबीडब्ल्यू की अपील हुई, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नॉटआउट करार दिया।

पंत ने काफी सोचने के बाद भी रिव्यू नहीं लिया। रिप्ले से पता चला कि बॉल लेग स्टंप पर लग रही थी, अगर वे रिव्यू ले लेते तो

विकेट मिल जाता। कोनोली ने इसका फायदा उठाया और 87 रन की पारी खेल दी।

13वें ओवर में कूपर कोनोली ने ऐडन मार्करम के खिलाफ लगातार 3 छक्के लगाए। उन्होंने पहली, दूसरी और तीसरी बॉल पर छक्के लगाए। इसी ओवर में प्रियांश आर्या ने आखिरी दो बॉल पर लगातार दो छक्के मारे। मार्करम के इस ओवर में 32 रन बने। मार्करम एलएसजी के लिए एक ओवर में सबसे ज्यादा रन देने वाले बॉलर भी बन गए। उनसे पहले 2022 में रवि बिश्नोई ने आरसीबी के खिलाफ 27 रन खर्च किए थे। यह प्लेऑफ का एलिमिनेटर मुकाबला था, जो कोलकाता में खेला गया था।

प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की पार्टनरशिप की। यह इस सीजन की बेस्ट पार्टनरशिप रही। इससे पहले मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ने 148 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की थी। दोनों ने कोलकाता के खिलाफ यह रन बनाए थे।

प्रियांश और कोनोली ने अपनी पार्टनरशिप में मिलकर 16 छक्के लगाए। पीबीकेएस से आईपीएल इतिहास में तीसरी बार ही 150 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई। इससे पहले केएल राहुल और मयंक अग्रवाल ने 183 रन जोड़े थे। वहीं 2011 में एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श 206 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

पंजाब किंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 254 रन बनाए। यह 19वें आईपीएल सीजन का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले बेंगलुरु ने चेन्नई के खिलाफ 250 रन बनाए थे। आरसीबी की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी 240 रन बना चुकी है। पीबीकेएस और आरसीबी इस समय पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें हैं और दोनों ने ही पिछले सीजन का फाइनल खेला था। लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपना ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदल लिया। मिचेल मार्श के साथ ऐडन मार्करम की जगह आयुष बडोनी पारी की शुरुआत करने आए। टीम इससे पहले ऋषभ पंत से भी ओपन करा चुकी है। बडोनी 35 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने मार्श के साथ 61 रन की पार्टनरशिप की।

14वें ओवर में निकोलस पूरन को जीवनदान मिल गया। ओवर की पांचवीं बॉल युजवेंद्र चहल ने गुड लेंथ पर गुगली फेंकी। पूरन ने बड़ा शॉट खेला, लेकिन गेंद लॉन्ग ऑन बाउंड्री की ओर हवा में खड़ी हो गई। शशांक गेंद के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। जीवनदान के वक्त पूरन 9 रन के स्कोर पर थे, वे इसका फायदा नहीं उठा सके और अगले ही ओवर में मार्को यानसन का शिकार हो गए।

शशांक ने 18वें ओवर में ऐडन मार्करम और 19वें ओवर में मुकुल चौधरी का कैच भी छोड़ा।

क्रिस गेल ने खरीदी टीम, 'यूनिवर्स बॉस' से बने टी20 फ्रेंचाइजी के बॉस, टूर्नामेंट में खुद लगाएंगे बोली!

किंग्स्टन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। टी20 क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले क्रिस गेल अब एक नई टीम के मालिक बन गए हैं. यूनिवर्स बॉस ने यूरोपियन टी20 लीग में एक टीम खरीदी है. वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस गेल ने ग्लास्गो फ्रेंचाइजी के सह मालिक बन गए हैं. ये इस लीग का पहला सीजन होगा और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन लीग के सह मालिक हैं. इस लीग को साल 2025 में लॉच किया गया था लेकिन टूर्नामेंट का आगाज इस साल होने जा रहा है. इस लीग में क्रिस गेल की भागीदारी के साथ ही फैंस के लिए और भी ज्यादा रोमांचक हो गया है. इस लीग में और भी गई दिग्गज सितारे नजर आने वाले हैं.

अभिषेक ने गेल को लेकर क्या कहा?

अभिषेक बच्चन ने क्रिस गेल का

इस लीग में स्वागत करते हुए कहा, "हम मुगाफी ग्रुप और क्रिस गेल का इस सफर में स्वागत करते हुए काफी खुश हैं. यूरोप क्रिकेट के लिए ये रोमांच से भरपूर है. यहां खेल संस्कृति, विविधता और अपार संभावनाएं हैं. हम इस लीग के जरिए नई प्रतिभाओं को अपना टैलेंट दिखाने का मौका देंगे."

इसी के साथ क्रिस गेल ने इस खास मौके पर कहा, "ईटीपीएल की विश्व स्तर पर चर्चा हो रही है. मैने दुनिया भर में फ्रेंचाइजी लीग खेला है और मुझे यकीन है कि यह लीग खास होगी."

कई सितारे इस लीग से जुड़े हैं

क्रिस गेल के अलावा ग्लेन मैक्सवेल और स्टीव वॉ जैसे खिलाड़ी भी इस लीग से जुड़े हैं. एम्सटर्डम फ्रेंचाइजी का नेतृत्व स्टीव वॉ और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी कप्तान जैमी ड्वायेर के पास होगा. इसी के साथ एडिनबर्ग के मालिक न्यूजीलैंड के पूर्व इंटरनेशनल नाथन मैकुलम और काइल मिल्स होंगे.

इस लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा. टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच 33 मुकाबले खेले जाएंगे. ये सभी मुकाबले 6 अलग-अलग शहरों में होंगे. इनमें ग्लास्गो, एम्सटर्डम, एडिनबर्ग, डबलिन, बेलफास्ट और रोटरडम जैसे शहर शामिल हैं.

एलिना रिबाकिना ने पोर्श टेनिस ग्रैंड प्री में बिखेरा जलवा

स्टटगार्ट, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। एलिना रिबाकिना ने कैरोलिना मुचोवा को 7-5, 6-1 से हराकर दूसरी बार पोर्श टेनिस ग्रैंड प्री का खिताब जीत लिया। यह पहली बार है जब 26 वर्षीय 2024 की चैंपियन ने अलग-अलग टूर्नामेंटों में पहले 12 खिताब जीतने के बाद किसी खिताब को दोबारा जीता है।

दूसरी रैंकिंग वाली रिबाकिना ने मुचोवा को एक घंटे 18 मिनट में हरा दिया। मुचोवा कतर में जीतने के बाद इस साल अपना दूसरा फाइनल खेल रही थीं। वह अपने करियर का तीसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रही थीं।

साउथ अफ्रीका विमेंस टीम की दूसरे टी-20 में जीत

भारत को 8 विकेट से हराया; लौरा वोल्वार्ट-सुने लूस की शतकीय साझेदारी

किंग्समीड (डरबन), 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डरबन में खेले गए इस मुकाबले में शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद मिडिल और लोअर ऑर्डर के फ्लॉप प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही।

साउथ अफ्रीका ने 148 रन का टारगेट 17.1 ओवर में केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीकी टीम ने सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की शानदार पार्टनरशिप की, जिसने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। 13वें ओवर तक टीम का स्कोर 2 विकेट पर 99 रन था और वह 160 से अधिक

के स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत ने महज 48 रन के भीतर अपने आखिरी 8 विकेट गंवा दिए। शेफाली वर्मा ने 57 रनों की पारी खेली, जबकि डेब्यू कर रही अनुष्का शर्मा ने 28 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका

22 साल की शेफाली वर्मा ने इस मैच के साथ ही अपने 100 टी-20 इंटरनेशनल मैच पूरे कर लिए। उन्होंने 15 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने इस माइलस्टोन मैच में उन्होंने आक्रामक बैटिंग की।

शेफाली ने मैच की चौथी ही गेंद पर छक्का जड़ा और सेखुखुने के दूसरे ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर 14 रन बटोरे। हालांकि, उन्हें 28 के निजी स्कोर पर जीवनदान भी मिला, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने 31 गेंदों में करियर की 15वीं फिफ्टी पूरी की। वह 57 रन बनाकर म्लाबा की गेंद पर आउट हुईं।

साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने स्पिन और सीम दोनों से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। टुमी सेखुखुने और क्लो ट्रायोन ने 3-3 विकेट लिए।

वहीं, नॉनकुलुलेको म्लाबा ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 1 विकेट लिया। भारतीय पारी 147 रन पर सिमट गई।

लौरा वोल्वार्ट और लूस की 106 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

148 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को लॉरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने ठोस शुरुआत दी।

श्रेयस अय्यर ने इनाम में रखा अपना बल्ला

जीतने के लिए पीबीकेएस के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सिर्फ टीम को जिताना कप्तान का मकसद नहीं होता. कप्तान का काम ये तय करना भी होता है कि कैसे अपने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को जगाए रखते हुए उनका पूरा फोकस लक्ष्य पर रखा जाए? आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की सफलता के पीछे की यही वजह है. ये टीम एक के एक मुकाबले जीत रही है तो उसकी वजह है उसके कप्तान श्रेयस अय्यर की वो सोच, जिसने टीम के अंदर एक मुकाबले को जन्म दे दिया है. पंजाब किंग्स में जारी मुकाबले का खुलासा लखनऊ सुपर किंग्स पर मिली जीत के बाद खुद श्रेयस अय्यर ने किया.

सबसे ज्यादा छक्केलगाने का मुकाबला

कप्तान श्रेयस अय्यर के मुताबिक पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का मुकाबला छिड़ा है. आईपीएल 2026 में खेले पहले 29 मुकाबलों के बाद पंजाब किंग्स सबसे ज्यादा छक्के लगाने

वाली टीम बनी है तो इसी वजह से क्योंकि श्रेयस अय्यर ने टीम के खिलाड़ियों के बीच अपना ही मुकाबला शुरू करा रखा है. इसका जिक्र उन्होंने तब किया जब उनसे एलएसजी के खिलाफ मैच के बाद पूछा गया कि वो कैसे एक सिक्स हिटिंग टीम के तौर पर उभरे हैं?

श्रेयस अय्यर ने इनाम में रखा अपना बल्ला

इस सवाल के जवाब में श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्होंने प्रियांश आर्या और कूपर कॉनोली से बात की और उनसे कहा कि चलो टीम में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का मुकाबला करते हैं. श्रेयस के मुताबिक जब वे तैयार हुए तो उन्होंने इनाम की भी घोषणा की. उन्होंने कहा कि जीतने वाले को इनाम में मेरा बल्ला मिलेगा.

पंजाब किंग्स के कप्तान के मुताबिक, भले ही ये अजीब लगता हो लेकिन जब तक सब अच्छा चल रहा है, टीम अच्छा परफॉर्म कर रही है तो मैं खुश हूं.

पीबीकेएस में छक्के लगाने में प्रियांश आर्या आगे

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में पंजाब किंग्स की तरफ से 21 छक्के लगे, जिसमें से 16 छक्के सिर्फ प्रियांश आर्या और कूपर कॉनोली के नाम है. प्रियांश ने 9 छक्के जबकि कॉनोली ने 7 छक्के लगाए. आईपीएल 2026 में अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओवरऑल बल्लेबाजों की रेस में प्रियांश आर्या 20 छक्के के साथ दूसरे नंबर पर हैं. वो पंजाब किंग्स के अभी तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं. 14-14 छक्के लगाकर कूपर कॉनोली और श्रेयस अय्यर उनके ठीक पीछे हैं. जबकि प्रभसिमरन सिंह ने अब तक 11 छक्के लगाए हैं.

छक्के लगाने की तैयारी कैसे करते हैं प्रियांश?

एलएसजी के खिलाफ मैच के बाद प्रियांश आर्या से जब पूछा गया कि वो छक्के लगाने की कैसे तैयारी करते हैं? इसके जवाब में पंजाब के ओपनर ने कहा कि वो छक्के लगाने की नहीं बल्कि उसे सही तरीके से टाइम करने की प्रैक्टिस करते हैं. इससे उन्हें फायदा मिलता है.

अजिंक्य रहाणे के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने राजस्थान के खिलाफ मैच में कमाल का प्रदर्शन करते हुए इस सीजन की पहली जीत दर्ज कर ली है. इस मैच के खत्म होने के बाद केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने खुश जरूर होंगे लेकिन इस मैच में उनके नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हुआ है. रहाणे इस मैच में बल्ले से एक रन भी नहीं बना पाए और आंद्रे बर्गर का शिकार बने. वो इस पारी में 2 गेंद ही खेल पाए. इससे पहले वाले मैच में भी रहाणे अपना खाता नहीं खोल पाए थे. आइए आपको भी बताते हैं रहाणे का नाम किस अनचाही लिस्ट में शामिल हुआ है.

अजिंक्य रहाणे इस सीजन केकेआर के लिए ओपनिंग कर रहे हैं. इसी के साथ अब वो आईपीएल में ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. आईपीएल में ओपनर के तौर पर वो 13 बार शून्य पर आउट हो चुके हैं. रहाणे से पहले ये रिकॉर्ड पार्थिव पटेल के नाम दर्ज था. पार्थिव पटेल 11 बार बिना खाता खोले आईपीएल में आउट हो चुके हैं. कोलकाता ने इस सीजन की अपनी पहली जीत हासिल जरूर कर ली है लेकिन इस मैच में भी दोनों सलामी बल्लेबाजों ने निराश किया. शुरुआती मैचों में फिन एलन फ्लॉप रहे तो टिम सीफर्ट को टीम में शामिल किया गया लेकिन अभी तक खेले 2 मैचों में वो भी बुरी तरह से फेल ही रहे हैं.

रहाणे के प्रदर्शन की बात करें तो वो इस सीजन 7 मैचों में 152 रन बना चुके हैं. इस दौरान उनका औसत 25.33 का रहा है. उनके सीजन की शुरुआत तो शानदार अंदाज में हुई थी लेकिन अब उनका फॉर्म लड़खड़ाता हुआ दिख रहा है.

मारियो अमेरिका के महान रेसर, 'औसत' होने से नफरत थी

न्यूयॉर्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के महानतम रेसर्स में से एक और 86 वर्षीय मारियो एंड्रेटी फॉर्मूला-1 में ड्राइवर्स चैम्पियनशिप जीतने वाले मात्र दो अमेरिकियों में से एक हैं। इसके अलावा उन्होंने इंडियानापोलिस 500 और डायटोना 500 जैसे मोटर रेसिंग के सबसे प्रतिष्ठित खिताब भी जीते हैं। मारियो की यह कहानी हर उस इंसान के लिए एक बड़ा सबक है, जो अपने जीवन या करियर में शिखर पर पहुंचना चाहता है। मारियो अपनी सफलता का सबसे बड़ा राज अपनी सोच को मानते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे औसत होने से नफरत है। या यूं कहें कि मैं इसका बिल्कुल सम्मान नहीं करता, क्योंकि यह बहुत सुविधाजनक है। इसमें कोई स्ट्रेस नहीं है।' जब उन्होंने रेसिंग के टॉप लेवल पर कदम रखा, तो उनका लक्ष्य सिर्फ हिस्सा लेना नहीं था, बल्कि उन दिग्गजों को हराना था जो उस समय शिखर पर थे।

शुरुआती दिनों का एक किस्सा साझा करते हुए मारियो बताते हैं- उस दौर के महानतम रेसर्स में से एक ए.जे. फोयट थे। वे मारियो से पांच साल बड़े और एक स्थापित चैम्पियन थे। मारियो के क्रू चीफ ने उनसे कहा था कि मारियो, बस कार को सुरक्षित वापस ले आओ।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलमेनिया 42 में चैंपियन बनने के बाद रोमन रेन्स ने पूरे रोस्टर को ललकारा

लास वेगास, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलमेनिया 42 का शानदार समापन हो गया है. फैंस को बड़े मुकाबले इस बार देखने को मिले. रोमन रेंस को तगड़ी सफलता मिली है. उन्होंने नाइट-2 के मेन इवेंट में सीएम पंक को हराकर वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती.

रेंस ने अपने करियर में 7वीं वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती है. कंपनी ने उन्हें बड़ा पुश दिया है. खैर चैंपियन बनने के बाद रेंस की पहली प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है. उन्होंने पूरे लॉकर रूम को चेतावनी दे दी है.

चैंपियन बनने के बाद पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोमन रेंस ने एंट्री की. वहां पर उन्होंने बड़े सवालों का जवाब दिया. रोमन ने पूरे लॉकर रूम को कड़ी चेतावनी दी. रेंस ने कहा, "ये बात सभी के लिए है. क्या आप मुझे चुनौती देना चाहते हो? मैं इस समय शांति की तलाश में हूं. अगर आप मुझे मेरे आराम के दायरे से बाहर धकेलना चाहते हो, तो आपको उन परिणामों का सामना करना पड़ेगा. सीएम पंक को भी भुगतना पड़ा है".

रोमन रेंस और सीएम पंक के बीच मैच का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे थे. रेंस ने मेंस रॉयल रंबल मैच जीतकर पंक को अपने विरोधी के रूप में चुना था. रेंस और पंक ने किसी को भी निराश नहीं किया. दोनों ने तगड़ा मैच फैंस को दिया. रेंस ने सुपरमैन पंच और स्पीयर से बवाल मचाया. वहीं पंक ने जीटीएस से रेंस को परेशान किया.

मुख्यमंत्री से नॉर्वे की राजदूत की भेंट, निवेश सहयोग पर चर्चा

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से नॉर्वे की राजदूत मे एलिन स्टेनर ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ हैदराबाद स्थित जुबिली हिल्स आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर नॉर्वे प्रतिनिधिमंडल ने संकेत दिया कि वह भारत में प्रस्तावित निवेश के लिए तेलंगाना को अपना प्रमुख केंद्र बनाने का इच्छुक है। दोनों पक्षों के बीच निवेश, सहयोग और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव तथा मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव शेषाद्रि भी उपस्थित रहे।

सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी का हमला बोले, बीआरएस में अंदरूनी कलह शुरू

हर्ष राव के दिल्ली दौरे और जीवन रेड्डी के मुद्दे पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी लोकसभा सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने बीआरएस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि पार्टी में अंदरूनी कलह शुरू हो चुकी है और उसका भविष्य अंधकार में नजर आ रहा है। उन्होंने हर्ष राव के दिल्ली दौरे को लेकर भी कई सवाल उठाए। सांसद ने कहा कि जीवन रेड्डी के बीआरएस में शामिल होने को लेकर पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष है। उन्होंने दावा किया कि जीवन रेड्डी को कभी भी हर्ष राव ने पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया। यहां तक कि जब केटीआर जीवन रेड्डी के घर गए, तब भी हर्ष राव उनके साथ नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरी बार जगित्याल जाने के दौरान केटीआर को हर्ष राव के घर जाकर उन्हें मनाना पड़ा और साथ ले जाना पड़ा। इसके अलावा जब जीवन रेड्डी, केसीआर के आवास पहुंचे, तब भी हर्ष राव वहां मौजूद नहीं थे। चामला किरण कुमार रेड्डी ने यह भी दावा किया कि बीआरएस नेता कविता पार्टी से बाहर आकर नई पार्टी बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब केसीआर एक साल बाद सार्वजनिक रूप से सामने आ रहे हैं, उसी समय हर्ष राव का दिल्ली जाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि हर्ष राव दिल्ली में किन लोगों से मिले, इसका खुलासा जल्द होगा। सांसद ने कहा कि जीवन रेड्डी के बीआरएस में शामिल होने से पार्टी को लाभ से ज्यादा नुकसान होगा और कार्यकर्ता भी इस फैसले से खुश नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में रहते हुए जीवन रेड्डी ने पार्टी के खिलाफ बयान दिए, जबकि कांग्रेस ने उन्हें सम्मानजनक स्थान दिया था। उन्होंने कहा कि बीआरएस में शामिल होने के बाद जीवन रेड्डी केवल एक दिन के लिए वीआईपी बनेंगे और बाद में उनकी स्थिति अन्य वरिष्ठ नेताओं की तरह हो जाएगी, जिनकी वर्तमान स्थिति से जनता भलीभांति परिचित है। चामला किरण कुमार रेड्डी ने बीआरएस के दावों को खारिज करते हुए कहा कि जीवन रेड्डी के जाने से कांग्रेस कमजोर नहीं हुई है, बल्कि बीआरएस में ही टूट की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने बीआरएस को डूबती हुई नाव करार देते हुए कहा कि पार्टी का भविष्य संकट में है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मोबाइल स्नैचिंग गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

10 मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन बरामद

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कंचनबाग पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 10 मोबाइल फोन और एक यामाहा दोपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 15 अप्रैल 2026 को सैयद नजीर अहमद (59) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सुबह करीब 9:30 बजे डीएमआरएल एक्स रोड स्थित जय भवानी टिफिन सेंटर से घर लौटते समय दो अज्ञात व्यक्ति बाइक पर पीछे से आए और उनकी शर्ट की जेब से उनका सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 5 मोबाइल फोन (कीमत करीब 30 हजार रुपये) छीनकर फरार हो गए।

इस संबंध में कंचनबाग थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान 19 अप्रैल को पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो हैदराबाद और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई मामलों में शामिल आदतन अपराधी हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंबाटा नरेश उर्फ कवाटी नरेश (36), बनाला अरुण कुमार उर्फ नानी (25) और मेकला चिरंजीवी उर्फ चिरु (33) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये सभी पहले भी चोरी और अन्य मामलों में संलिप्त रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरोह खासतौर पर बुजुर्ग, मध्यम आयु वर्ग और असावधान लोगों को निशाना बनाता था। मुख्य आरोपी पहले शिकार को पहचानता और ध्यान भटकाता, जबकि उसके साथी आसपास नजर रखते और वारदात को अंजाम देने में मदद करते थे। घटना के दिन भी आरोपियों ने पहले एक बुजुर्ग व्यक्ति को निशाना बनाया। योजना के तहत एक आरोपी बाइक चला रहा था, जबकि उसका साथी मोबाइल छीनकर फरार हो गया। अन्य आरोपी आसपास निगरानी कर रहे थे। पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों की संलिप्तता भी सामने आई है, जिनकी तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। एसीपी चंद्रायणगुट्टा ए. सुधाकर के पर्यवेक्षण में कंचनबाग थाना प्रभारी जे. बालराजू, एसआई के. राजू और क्राइम स्टाफ की टीम ने साक्ष्य जुटाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया और चोरी का सामान बरामद किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत के लिए अदालत में पेश किया है।

जीएचएमसी मुख्यालय में प्रजावाणी कार्यक्रम आयोजित, 62 शिकायतें प्राप्त

विभिन्न जोनों से पहुंचे नागरिकों ने उठाईं समस्याएं

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) मुख्यालय में सोमवार को प्रजावाणी शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त आर.वी. कर्णन (आईएएस) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए।

इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) के. सत्यनारायण, अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य) एन. रवि किरण, मुख्य अभियंता साहदेव रत्नाकर, चीफ सिटी प्लानर के. श्रीनिवास, भूमि अधिग्रहण अधिकारी रमा देवी, निदेशक (यूबीडी) वी. वेंकटेश्वर राव, संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) एस. जयनाथ और संयुक्त आयुक्त (राजस्व) जी. रजनीकांत रेड्डी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शहर के विभिन्न जोनों से नागरिकों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। प्राप्त शिकायतों में शमशाबाद जोन से 12, राजेंद्रनगर से 2, चारमीनार से 1, गोलकोंडा से 2, खैरताबाद से 1, सिकंदराबाद से 9 तथा मुख्यालय में सीधे 35 शिकायतें दर्ज की गईं। इस प्रकार कुल 62 शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश देते हुए नागरिकों को समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

प्रजावाणी कार्यक्रम में हंगामा, बीआरएस नेताओं को रोके जाने पर बढ़ा तनाव

नलगोंडा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भुवनगिरी में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब बीआरएस नेताओं को कथित तौर पर पुलिस ने कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने से रोक दिया। बीआरएस नेता जिला कलेक्टर अनुराग जयंती के समक्ष शिकायत दर्ज कराना चाहते थे। उनका आरोप था कि अलैर से कांग्रेस विधायक बीरला इलाइया द्वारा भूमि अतिक्रमण और अवैध खनन किया जा रहा है। बीआरएस नेताओं का कहना है कि विधायक पर याददी भुवनगिरी के चल्लुरु गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा करने और अवैध खनन कराने के आरोप हैं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें कार्यक्रम स्थल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी, जिसके चलते पुलिस और नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाद में बीआरएस नेता जबरन कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कर गए। बताया जा रहा है कि बीआरएस नेताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराने की मांग की है।

संगारेड्डी में महात्मा बसवेश्वर जयंती धूमधाम से मनाई गई

टीजीआईआईसी चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता) । महात्मा बसवेश्वर जयंती के अवसर पर संगारेड्डी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर टीजीआईआईसी चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने शहर में स्थापित बसवेश्वर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत संगारेड्डी नगर के बिजली कार्यालय परिसर स्थित बसवेश्वर प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई, जहां विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इसके बाद बाईपास रोड स्थित बसवेश्वर प्रतिमा पर भी निर्मला जग्गा रेड्डी ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कायकमे कैलासम का संदेश देने वाले महात्मा बसवेश्वर ने श्रम की महत्ता को समाज के सामने रखा। उन्होंने कहा कि बसवेश्वर एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने सामाजिक असमानता और जाति भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया। कार्यक्रम में संगारेड्डी नगर पालिका की चेयरपर्सन कूना वनिता संतोष, टीपीसीसी के महासचिव तोपाजी अनंत किशन, नेता कूना संतोष, पार्षद वंशी, हरीश सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कालेश्वरम मामले पर बीआरएस की कानूनी तैयारी, हरीश राव दिल्ली रवाना

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना से जुड़े मामले को लेकर संभावित फैसले से पहले बीआरएस ने अपनी कानूनी रणनीति तेज कर दी है। पार्टी के उप-सभापति टी हरीश राव सोमवार को तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली रवाना हुए। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सांसद बी विनोद कुमार और राज्यसभा सदस्य वद्दीराजू रविचंद्र शामिल हैं। सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं से मुलाकात कर आगे की कानूनी रणनीति पर चर्चा करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस दौरे का मुख्य उद्देश्य न्यायमूर्ति पीसी घोष की अध्यक्षता वाले आयोग के खिलाफ संभावित विकल्पों पर विचार करना है, खासकर यदि अदालत का फैसला पार्टी के खिलाफ आता है।

बीआरएस नेतृत्व, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी शामिल हैं, पहले ही आयोग की वैधता और उसके निष्कर्षों को अदालत में चुनौती दे चुका है। सूत्रों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर पार्टी तुरंत सुप्रीम कोर्ट का रुख करने के लिए तैयार है। साथ ही प्रतिनिधिमंडल दलबदल से जुड़े मामलों की भी समीक्षा कर व्यापक कानूनी कार्ययोजना तैयार करेगा।

साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन को मिलेगा जल्द नया भवन

विजयवाड़ा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में साइबर अपराधों से निपटने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व शहर पुलिस आयुक्त एस.वी. राजशेखर बाबू (आईपीएस) ने किया। यह साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन वर्तमान में सूर्यरावपेट थाना क्षेत्र में विजयवाड़ा रेलवे क्लब के सामने संचालित हो रहा है, जिसे अब पंडित नेहरू बस स्टैंड के पास कृष्णा लंका पुलिस स्टेशन की तीसरी मंजिल पर आधुनिक सुविधाओं के साथ स्थानांतरित कर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना का संचालन साइबर क्राइम डीसीपी कृष्णा प्रसन्ना (आईपीएस) के नेतृत्व में किया जा रहा है। पूजा कार्यक्रम में ईस्ट जोन डीसीपी कृष्ण कांत पटेल (आईपीएस), ट्रैफिक डीसीपी शिरीन बेगम, क्राइम डीसीपी तिरुमलेश्वर रेड्डी, एडमिन डीसीपी के.जी.वी. सरिता, रूरल डीसीपी लक्ष्मी नारायण सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

रंगारेड्डी में प्रजावाणी कार्यक्रम में 48 शिकायतें प्राप्त, त्वरित समाधान के निर्देश

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी, एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के बैठक कक्ष में आयोजित 'प्रजावाणी' कार्यक्रम के दौरान कुल 48 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं सुनाने के बाद जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी को ज्ञापन सौंपे। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को लंबित न रखते हुए समय-समय पर उनकी समीक्षा कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग से 8 और अन्य विभागों से 40 आवेदन शामिल हैं, इस प्रकार कुल 48 आवेदन दर्ज किए गए। इस मौके पर कलेक्टर ने धान खरीद केंद्रों को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सभी आवश्यक खरीद केंद्र खोले जाएं और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) चंद्र रेड्डी, जिला राजस्व अधिकारी संगीता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कलेक्ट्रेट कर्मचारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अनंतगिरि इको पार्क का उद्घाटन, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने सोमवार को विकाराबाद में अनंतगिरि इको अर्बन पार्क का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे हैदराबाद के पास एक प्रमुख इको-टूरिज्म हब बनने की क्षमता वाला प्रोजेक्ट बताया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष गड्डम अनन्या, पीसीसीएफ डॉ. सुवर्णा, फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की एमडी सुनीता भगवत, सीसीएफ प्रियंका वर्गीज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्ष ने कहा कि अनंतगिरि का प्राकृतिक सौंदर्य और हैदराबाद से निकटता इसे पर्यटन के लिए आदर्श स्थल बनाती है।

महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस का पलटवार भाजपा पर 'जानबूझकर देरी' का आरोप

हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष बोले भ्रामक प्रचार कर रही है भाजपा

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता) । महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्ला ने सोमवार को भाजपा पर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से महिलाओं के सशक्तिकरण के पक्ष में रही है और इस दिशा में अहम भूमिका निभाई है।

गांधी भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बहादुरपुरा के राजेश कुमार पुलिपाटी, चंद्रायनगुट्टा के बी. नागेश, चारमीनार के मोहम्मद मुजीबुल्ला शरीफ, मल्कपेट के शेख अकबर और याकूतपुरा के के. रवि राज सहित कई विधानसभा प्रभारी मौजूद थे। इस दौरान खालिद सैफुल्ला ने कहा कि महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में कांग्रेस और सहयोगी दलों के समर्थन से पारित हुआ, लेकिन भाजपा ने इसे जनगणना और परिसीमन से जोड़कर जानबूझकर लागू करने में देरी की है।

उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार की मंशा सही होती, तो 2024 के आम चुनाव से पहले ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर दिया जाता।

वर्तमान में परिसीमन प्रक्रिया को महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत करना जनता को गुमराह करने की कोशिश है। परिसीमन को लेकर चिंता जताते हुए डीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि इससे दक्षिण भारत के राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम होने का खतरा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों को नुकसान हो सकता है, जबकि उत्तर भारत के राज्यों को असमान लाभ मिलेगा।

कांग्रेस की नीति स्पष्ट बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की समर्थक रही है। उन्होंने इसे केवल नीति नहीं, बल्कि समानता, न्याय और सशक्तिकरण से जुड़ा मुद्दा बताया। कांग्रेस के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए सैफुल्ला ने कहा कि देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पहली महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल सहित कई महिला मुख्यमंत्री, राज्यपाल और मेयर कांग्रेस से ही रहे हैं। उन्होंने एनी बेसेंट, सरोजिनी नायडू और नेली सेनगुप्ता जैसे नेताओं का भी जिक्र करते हुए भाजपा से सवाल किया कि क्या उनके पास इस स्तर की कोई महिला नेता रही है।

प्रभावी जनसंपर्क के कारण तेलंगाना प्रगतिशील राज्य के रूप में उभरा : श्रीनिवास रेड्डी

तेलंगाना की प्रगति को जन-केंद्रित तरीके से प्रस्तुत किया जाना चाहिए : रमणाचारी

तेलंगाना राइजिंग 2047 पर मंथन, 200 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 19 अप्रैल को होटल टूरिज्म प्लाजा में 4वें तेलंगाना पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तेलंगाना राइजिंग 2047: कम्युनिकेशन, इनोवेशन एंड एम्पावरमेंट थीम पर आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 200 प्रतिनिधियों, संचार विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कंभमपति ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन तेलंगाना के भविष्य के विकास के लिए संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने का रोडमैप प्रदान करेगा। पब्लिक रिलेशंस वॉयस जर्नल के संपादक वाई. बाबजी ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि संचार पेशेवरों को जन-जागरूकता, विश्वास और विकास की दिशा तय करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मुख्य अतिथि तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावी जनसंपर्क के कारण तेलंगाना एक प्रगतिशील राज्य के रूप में उभरा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त श्रीमती चि. प्रियंका ने पारदर्शी शासन संचार और तकनीक आधारित सूचना प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. के. नागेश्वर ने कहा कि आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए संचार को रणनीतिक उपकरण बनाना होगा। पीआरएसआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) यू. एस. शर्मा ने जनसंपर्क को शासन और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। सम्मेलन के तहत तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र कम्युनिकेशन-एआई फॉर एवरी प्रोफेशन में एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी और इमर्सिव तकनीकों के प्रभाव पर चर्चा हुई। दूसरे सत्र इनोवेशन-उद्योग, शहरी विकास, परिवहन और आधारभूत संरचना में स्मार्ट मोबिलिटी, सड़क सुरक्षा और डिजिटल सेवाओं पर विचार रखे गए। तीसरे सत्र एम्पावरमेंट-कृषि, संस्कृति, विरासत, पर्यटन और ब्रांडिंग में किसानों के सशक्तिकरण, टिकाऊ विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। समापन सत्र में सरकार के जनसंपर्क, मीडिया एवं जन मामलों के सलाहकार के. वी. रमणाचारी ने कहा कि जनसंपर्क शासन और विकास में रणनीतिक शक्ति बन चुका है और तेलंगाना की प्रगति को जन-केंद्रित तरीके से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इस अवसर पर 'प्राइड ऑफ तेलंगाना' सम्मान के. श्रीनिवास रेड्डी, प्रो. के. नागेश्वर और प्रसन्न कुमार मोटुपल्ली को प्रदान किए गए। साथ ही हैदराबाद चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष पी. एल. रघुराम, मैथ्यू जोसेफ, सी. रामकृष्ण और आर. नीलमेघम को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा गया। सम्मेलन में 50 से अधिक उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किए गए, जिनमें पब्लिक रिलेशंस, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, सीएसआर, क्राइसिस कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशन जैसी श्रेणियां शामिल रहीं। प्रमुख पुरस्कार विजेताओं में एनएमडीसी लिमिटेड, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड, इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, एनसीसी, बोंडाडा ग्रुप्स, टी-सैट और श्रीकारा हॉस्पिटल्स शामिल रहे।

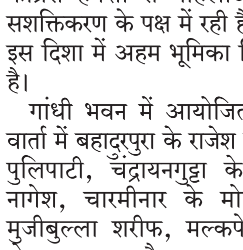
|| श्री गणेशाय नमः ||
समस्त राजपुरोहित समाज
हैदराबाद - सिकंदराबाद के तत्वावधान में
ब्रह्मर्षि श्री श्री 1008 श्री खेतामरामजी महाराज का जन्मोत्सव [जयंती]
कार्यक्रम : आज मंगलवार दि.21 अप्रेल 2026 रात्रि 8.15 बजे से जागरण
(भजन गायकः अर्जुन सिंह राजपुरोहित भीमली एवं विशाल श्रीमाली)
कल बुधवार दि.22 अप्रेल 2026 प्रातः 7.15 बजे से हवन-यज्ञ
प्रातः 9.15 बजे से गौ पूजन * प्रातः 10.15 बजे से महा-आरती
(शुभस्थलः श्री बालाजी राजस्थानी भवन, अमीरपेट)
निवेदनः समस्त समाज बन्धुओं से निवेदन है कि अपने प्रतिष्ठान बंद रखे एवं सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे ।
: आयोजक :समस्त राजपुरोहित समाज, हैदराबाद, सिकंदराबाद
P.Solankey
मोः 9963770869, 9966555512, 8962028921, 9618660961

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.